हिन्दी दैनिक

रोज़नामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,शनिवार | 20 जुलाई 2024 | वर्ष : 02 अंक :69 | पृष्ठ -12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

भाजपा के दो सांसद 21 जुलाई को तृणमूल कांग्रेस में शामिल होंगेः कुणाल घोष का दावा

एजेंसी

तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कुणाल घोष ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दो सांसदों ने 21 जुलाई को आयोजित होने वाले शहीद दिवस समारोह के दौरान में तृणमूल कांग्रेस में शामिल होने की इच्छा जतायी है ।घोष ने संवाददाताओं से कहा कि तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी और राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी सभी पहलुओं पर विचार करने के बाद अंतिम फैसला लेंगे ।घोष ने दावा किया, हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा के 12 सांसद चुने गए हैं और उनमें से दो हमारे संपर्क में हैं। उन्होंने हमसे संपर्क करके तृणमूल कांग्रेस में शामिल होने की इच्छा जताई है। वे ममता बनर्जी के नेतृत्व में काम करना चाहते हैं और 21 जुलाई के कार्यक्रम के दौरान पार्टी में शामिल हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि इन सांसदों की पहचान इस समय उजागर नहीं की जा सकती। घोष ने बताया कि चूंकि ये सांसद हाल ही में निर्वाचित हुए हैं, इसलिए तृणमूल नेतृत्व ने उन्हें दलबदल रोधी कानून के दायरे में आने से बचने के लिए कुछ समय इंतजार करने की सलाह दी है।

बिहार बनने जा रहा टेक्सटाइल हब, नीतीश के मुलाकात के बाद गिरिराज सिंह का दावा

कानून व्यवस्था पर कही बड़ी बात

भाजपा नेता ने कहा कि मैं सभी निर्यातकों से अपील करूंगा कि वे हरित ऊर्जा का उपयोग करें। पीएम मोदी का लक्ष्य 2030 तक हमारे देश को कार्बन न्यूट्रल बनाने का है। हमारा उद्योग भी इस लक्ष्य में योगदान देगा।

एजेंसी

पटनाः केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से पटना में मुलाकात की है।इस मुलाकात को लेकर गिरिराज ने एक्स पोस्ट में बताया कि नीतीश कुमार जी के साथ बेगूसराय विकास एवं कपड़ा मंत्रालय के माध्यम से बिहार में विकास के मुद्दे पर विस्तृत चर्चा हुई। कभी नीतीश के सबसे बड़े आलोचक रहे गिरिराज ने बताया कि बिहार सरकार ने मुजफ्फरपुर में एक बड़ा हब बनाया जहां हजारों लोग काम कर रहे हैं। वहां बैग का एक बड़ा उद्योग स्थापित किया गया।यहां की योजनाएं निवेशकों को समर्थन देंगी।इसके साथ ही भाजपा नेता ने कहा कि मैं सभी निर्यातकों से अपील करूंगा कि वे हरित ऊर्जा का उपयोग करें। पीएम मोदी का लक्ष्य 2030 तक हमारे देश को कार्बन न्यूट्रल बनाने का है। हमारा उद्योग भी इस लक्ष्य में योगदान देगा। नीतीश कुमार से अपनी मुलाकात पर पर उन्होंने कहा कि मैं बेगुसराय में एयरपोर्ट की मांग लेकर वहां गया था। उन्होंने कानून-व्यवस्था का मामला भी अपने संज्ञान में लिया। उन्होंने राजद पर तंज कसते हुए कहा कि जिन लोगों ने बिहार में 'जंगलराज' स्थापित किया है, वही लोग अब इसकी शिकायत कर रहे हैं। वहीं, नीतीश कुमार के करीबी मनीष कुमार वर्मा ने कहा कि उनकी पार्टी केंद्र से राज्य को विशेष दर्जा या पैकेज की मांग को जोरदार तरीके से रखेगी। वर्मा को नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल (यूनाइटेड) में शामिल होने के महज दो दिन बाद ही संगठन की अहम जिम्मेदार दी गई है। हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव में जद(यू) के बेहतर प्रदर्शन का हवाला देते हुए वर्मा ने कहा कि पार्टी का मानना है कि अगला विधानसभा चुनाव नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर फिलहाल कोई अन्य विचार नहीं है।

Russia-Ukraine War पर अमेरिका ने फिर मांगा मोदी से समर्थन,

एजेंसी

नई दिल्लीः अमेरिका ने यूक्रेन में स्थाई शांति सुनिश्चित करने करने के लिए भारत से फिर से समर्थन मांगा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने प्रभासाक्षी के सवाल पर कहा कि यूक्रेन और रूस के मामले में हमारा पोजीशन है उससे आप भली-भांति वाकिफ हैं।हम बस ये चाहते हैं कि जो शांति का रास्ता निकले। वो रास्ता मेज पर निकलेगा। डॉयलाग और डिप्लोमेसी के जरिए निकलेगा।इस बात को रूस के दौरे पर भी हमारे प्रधानमंत्री ने दोहराया है।उन्होंने साफ कहा कि हम डॉयलाग और डिप्लोमेसी का रास्ता चुनकर आगे बढ़े। भारत-अमेरिका संबंधों पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि यह एक व्यापक, रणनीतिक, वैश्विक साझेदारी है। हमारे पास चर्चा करने के लिए बहुत सारे मुद्दे हैं और दोनों पक्ष रिश्ते के कई पहलुओं पर एक-दूसरे के साथ बातचीत करते हैं, और हम उन सभी मुद्दों पर चर्चा करते हैं जो दोनों पक्षों के हित में हैं। राजनयिक बातचीत का विवरण साझा करना हमारी प्रथा नहीं है ।गौरतलब है कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने भारत से आह्वान किया कि वह रूस के साथ अपने दीर्घकालिक संबंधों का उपयोग करके रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को यूक्रेन में अपने अवैध युद्ध को समाप्त करने के लिए कहे।कई अमेरिकी विभागों ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की मॉस्को की हाई-प्रोफाइल यात्रा के आलोक में भारत-रूस संबंधों पर चिंता व्यक्त की, जहां पुतिन ने उनका प्रिय मित्र के रूप में स्वागत किया।रूस के साथ भारत का पुराना रिश्ता है।अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने एक ब्रीफिंग में कहा कि मुझे लगता है कि यह सर्वविदित है। भारत-अमेरिका संबंधों पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि यह एक व्यापक, रणनीतिक, वैश्विक साझेदारी है। हमारे पास चर्चा करने के लिए बहुत सारे मुद्दे हैं।

रेल यात्रियों की सुरक्षा के लिए अपनी रणनीति के बारे में देश को बताए सरकारः राहुल

एजेंसी

उत्तर प्रदेशःलोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश के गोंडा में ट्रेन हादसे पर चिंता व्यक्त करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार को यात्रियों की सुरक्षा और दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए अपनी रणनीति देश के समक्ष रखनी चाहिए ।उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में बृहस्पतिवार को चंडीगढ़ से डिब्रूगढ़ जा रही एक ट्रेन के आठ डिब्बे मोतीगंज तथा झिलाही रेलवे स्टेशनों के बीच पटरी से उतर गये।इस घटना में दो यात्रियों की मौत हो गयी तथा 34 अन्य घायल हो गये ।राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, ह्यह्यउत्तर प्रदेश के गोंडा में चंडीगढ़-

डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस के पटरी से उतरने से कई यात्रियों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है। शोकाकुल परिजनों को अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र से शीघ्र स्वस्थ होने की आशा करता हूं। कांग्रेस कार्यकताओं से अनुरोध है कि राहत और बचाव प्रयासों में हर संभव सहायता प्रदान करें ।उन्होंने आरोप लगाया कि लगातार हो रही रेल दुर्घटनाएं अत्यंत चिंताजनक हैं और सरकार के कुप्रबंधन और उपेक्षा का परिणाम है। उन्होंने कहा, ह्यह्यकुछ दिनों पहले हुई लोको पायलट से चर्चा और हाल के ट्रेन हादसों पर रेलवे सुरक्षा कमिशनर की रिपोर्ट भी यही स्पष्ट करती है ।ह्नह्न राहुल गांधी ने कहा, ह्यह्यसरकार तुरंत इसकी पूर्ण ज़िम्मेदारी लेते हुए यात्रियों की सुरक्षा और दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए अपनी रणनीति देश को बताए।

कार्यकर्ता की हुई नृशंस हत्या, नायडू ने कानून-व्यवस्था पर टाला श्वेत पत्र

आंध्र प्रदेशः के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने गुरुवार दोपहर को कानून और व्यवस्था की स्थिति पर राज्य सरकार के श्वेत पत्र की निर्धारित रिलीज को स्थगित कर दिया, जब विपक्षी वाईएसआर कांग्रेस ने तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) पर अपना हमला तेज कर दिया और आरोप लगाया कि उस व्यक्ति को देखा गया था। व्यस्त सड़क पर वाईएसआर कांग्रेस के एक कार्यकर्ता की बेरहमी से हत्या कर दी गई, जो सत्ताधारी पार्टी का सदस्य था ।वाईएसआरसीपी युवा विंग के नेता शेख रशीद (27) की

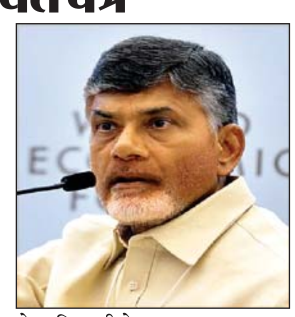

शेख जिलानी ने बुधवार रात लगभग 8:30 बजे आंध्र प्रदेश के पलनाडु जिले के विनुकोंडा शहर में भीड़ भरे मंडलामुडी बस स्टैंड पर हत्या कर दी।

नीति आयोग की बैठक में शामिल हो सकती हैं ममता बनर्जी, अगले हफ्ते दिल्ली आने की संभावना

एजेंसी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और केंद्र की मोदी सरकार के बीच रिश्ते बहुत कम ही सहज नजर आया है।ममता लगातार मोदी सरकार की कड़ी आलोचक बनी हुई हैं। साथ ही साथ केंद्र की सरकार पर बंगाल से भेदभाव का भी आरोप लगाती हैं।इन सब के बीच खबर यह है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के अगले सप्ताह नई दिल्ली में होने वाली नीति आयोग की बैठक में शामिल हो सकती हैं।यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्यों कई मौके पर वह इस बैठक से दूर ही रही हैं।साथ ही साथ इसपर सवाल भी खड़े किए हैं।एक अधिकारी ने बताया कि ममता के 25 जुलाई को

राष्ट्रीय राजधानी के लिए रवाना होने की संभावना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 27 जुलाई को नीति आयोग की नौवीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। अधिकारी ने कहा कि बैठक में बनर्जी राज्य को केंद्रीय बकाया और ग्रामीण आवास और मनरेगा के लिए धन का मुद्दा उठा सकती हैं। अधिकारी ने बताया कि बैठक में बनर्जी राज्य के लिए बकाया केंद्रीय राशि का भुगतान करने और ग्रामीण आवास तथा मनरेगा के लिए धन राशि के भुगतान का मुद्दा उठा सकती हैं।

यात्रा करने से बचें, हेल्पलाइन नंबर भी जारी, बांग्लादेश में विरोध प्रदर्शन पर आया विदेश मंत्रालय का बयान

एजेंसी

नई दिल्लीःविदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि जैसा कि आप जानते हैं, बांग्लादेश में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं।हमारे देश में लगभग 8500 छात्र और लगभग 15,000 भारतीय नागरिक रहते हैं।हमने लोगों को उच्चायोग के संपर्क में रहने और उन्हें आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए यात्रा परामर्श जारी किया है। विदेश मंत्री स्वयं स्थिति की निगरानी कर रहे हैं।उच्चायोग वहां की स्थिति पर नियमित अपडेट देता रहेगा। हम भी नियमित अपडेट देते रहेंगे और हम

बांग्लादेश में रहने वाले भारतीय नागरिकों के सभी परिवार के सदस्यों से संपर्क में रहने का आग्रह करते हैं। हम अपने नागरिकों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।हमारे सभी नागरिक सुरक्षित हैं। बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण प्रणाली में सुधार की मांग को लेकर जारी प्रदर्शनों के बीच पुलिस और सुरक्षा अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलाईं और आंसू गैस के गोले दागे। हिंसक प्रदर्शनों के बीच इंटरनेट और मोबाइल सेवाएं बंद कर दी गई हैं। राजधानी ढाका और कुछ स्थानों पर प्रदर्शन कुछ सप्ताह पहले शुरू हुए थे लेकिन सोमवार से इनमें तेजी आई।ये विरोध प्रदर्शन प्रधानमंत्री शेख हसीना के लिए सबसे बड़ी चुनौती हैं क्योंकि जनवरी में हुए चुनाव में उन्होंने लगातार चौथी बार जीत हासिल की है।

मोदी के हनुमान को भी पसंद नहीं आया कांवड़ यात्रा को लेकर योगी सरकार का फरमान, बोले- जाति या धर्म के नाम पर...

एजेंसी

पटनाःकेंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता चिराग पासवान ने कांवड़ यात्रा को लेकर योगी सरकार के आदेश की आलोचना की है। भाजपा के कई अन्य सहयोगी दलों ने भी इसकी आलोचना की है। नीतीश कुमार की पार्टी जदयू, जयंत चौधरी की रालोद के बाद अब चिराग की पार्टी की बारी है। चिराग ने मुजफ्फरनगर में पुलिस की उस सलाह पर आपत्ति जताई है, जिसमें भोजनालयों को कांवड़ यात्रा मार्ग पर

अपने मालिकों के नाम प्रदर्शित करने के लिए कहा गया है।समाचार एजेंसी पीटीआई से बात करते हुए, चिराग पासवान ने कहा कि वह पुलिस की सलाह या "जाति या धर्म के नाम पर विभाजन" पैदा करने वाली किसी भी चीज का समर्थन नहीं करते हैं।यह पूछे जाने पर कि क्या वह सलाह का समर्थन करते हैं, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष ने कहा, "नहीं, मैं नहीं करता।" खुद को मोदी का हनुमान बताने वाले पासवान ने कहा कि उनका मानना ??है कि समाज में दो वर्ग के लोग मौजूद हैं - अमीर और गरीब - और विभिन्न जातियों और धर्मों के व्यक्ति दोनों श्रेणियों में आते हैं।केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि हमें इन दोनों वर्गों के लोगों के बीच की दूरी को पाटने की जरूरत है। गरीबों के लिए काम करना हर सरकार की जिम्मेदारी है।

भ्रष्टाचार के आरोप के बाद कोटा बिल, कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के लिए सबकुछठीक नहीं, भाजपा को मिल गया बड़ा मौका

एजेंसी

कर्नाटकःकर्नाटक में कांग्रेस सरकार के लिए सब कुछ ठीक-ठाक नहीं चल रहा है। एक तो पार्टी के भीतर उठापटक की स्थिति दिखाई दे रही है। तो वहीं दूसरी ओर सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लग रहे हैं। इसके अलावा प्राइवेट कंपनियों की ग्रुप सी और डी में स्थानीय लोगों को 100% आरक्षण देने के मुद्दे पर भी राज्य सरकार आलोचनाओं के केंद्र में आ गई है। विपक्षी भाजपा को सिद्धारमैया सरकार के खिलाफ एक बड़ा मसाला मिल गया है।यही कारण है कि कर्नाटक में सोमवार से मानसून सत्र की शुरूआत होने के साथ ही भाजपा और जेडीएस ने राज्य सरकार को घेरना शुरू कर दिया है।कोटा बिल को लेकर उद्योग जगत में जबरदस्त तरीके से नाराजगी व्यक्त की। इसके बाद कहीं ना कहीं बैक फुट पर कांग्रेस की सरकार गई। उसने इस बिल को होल्ड पर रख दिया। लेकिन कहीं ना कहीं मामला बहुत आगे बढ़ चुका था।ऐसे में अब बीजेपी फायदे की उम्मीद कर रही है। बीजेपी जबरदस्त तरीके से कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर भी हमलावर है। दरअसल, कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम लिमिटेड में गठित घोटाले को लेकर भाजपा मुख्यमंत्री से इस्तीफा की मांग कर रही है। वहीं कांग्रेस का दावा है कि केंद्र के नेतृत्व वाली सरकार राज्य सरकार को गिराना चाहते हैं जैसा उसने झारखंड, दिल्ली, केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल में कोशिश की थी।

बाल विवाह को कोई भी मुस्लिम संगठन नहीं देता बढ़ावा, असम में मुस्लिम विवाह और तलाक रजिस्ट्रेशन कानून रद्द करने पर आया लखनऊ ईदगाह के इमाम का रिएक्शन

संवाददाता

नई दिल्लीःअसम निरसन विधेयक 2024 के माध्यम से असम मुस्लिम विवाह और तलाक पंजीकरण अधिनियम और 1935 के नियमों को रद्द करने के असम सरकार के फैसले के बाद लखनऊ ईदगाह इमाम मौलाना खालिद रशीद फिरंगी महली ने शुक्रवार को कहा कि कोई भी मुस्लिम संगठन बाल विवाह को बढ़ावा नहीं देता है। मौलाना खालिद ने शुक्रवार को एएनआई से बात करते हुए कहा कि मैं स्पष्ट करना चाहूंगा कि कोई भी मुस्लिम संगठन बाल विवाह को बढ़ावा नहीं देता है।उन्होंने आगे इस बात पर जोर दिया कि मौजूदा केंद्रीय कानून मौजूद हैं जो बाल विवाह को रोकते हैं। "देश में पहले से ही एक कानून मौजूद है जो शादी के लिए महिलाओं के लिए 18 वर्ष और पुरुषों के लिए 21 वर्ष की न्यूनतम आयु अनिवार्य करता है। देश में पहले से ही एक शरीयत आवेदन

अधिनियम है, साथ ही एक महिला संरक्षण अधिनियम भी है। ये अधिनियम मौजूद हैं। केंद्रीय स्तर पर, इसलिए, हमें लगता है कि राज्यों को उन्हें खत्म करने का अधिकार नहीं है ।महली ने यह भी उल्लेख किया कि बाल विवाह को "बढ़ावा देने" के लिए मुसलमानों के खिलाफ आरोप "निराधार" हैं। मेरा मानना ??है कि मुसलमान बाल विवाह को बिल्कुल भी बढ़ावा नहीं देते हैं।इसलिए समय-समय पर लगाए जाने वाले ऐसे सभी आरोप निराधार हैं। गुरुवार को हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व वाली असम सरकार ने बाल विवाह को रोकने और विवाह और तलाक पंजीकरण में समानता सुनिश्चित करने के लिए असम निरसन विधेयक 2024 के माध्यम से असम मुस्लिम विवाह और तलाक पंजीकरण अधिनियम और नियम 1935 को रद्द करने का फैसला किया।

मौलाना खालिद ने शुक्रवार को एएनआई से बात करते हुए कहा कि मैं स्पष्ट करना चाहूंगा कि कोई भी मुस्लिम संगठन बाल विवाह को बढ़ावा नहीं देता है।

प्राथमिक शिक्षकों के लिए आयोजित पांच दिवसीय प्रवेषण कार्यक्रम अत्यंत ही खुशनुमा माहौल में संपन्न हुआ.

संवाददाता

पटना: केंद्रीय विद्यालय बेली रोड पटना में केंद्रीय विद्यालय संगठन पटना संभाग के नवनियुक्त प्राथमिक शिक्षकों के लिए आयोजित पांच दिवसीय प्रवेषण कार्यक्रम अत्यंत ही खुशनुमा माहौल में संपन्न हुआ. 15 जुलाई से 19 जुलाई 2024 तक चलने वाले इस कार्यक्रम के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय विद्यालय संगठन पटना संभाग के उपायुक्त श्री अनुराग भटनागर एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में सहायक आयुक्त श्री मनीष कुमार प्रभात की गरिमामयी उपस्थिति रही. मौके पर पटना संभाग के प्रशासनिक अधिकारी श्री भीम कुमार एवं केंद्रीय विद्यालय सोनपुर के प्राचार्य श्री राजेश कुमार भी उपस्थित रहे.प्रवेषण पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नवनियुक्त प्राथमिक शिक्षकों को केंद्रीय विद्यालय संगठन के नियमों, कार्य शैली एवं विभिन्न प्रकार की क्रियाकलापों से अवगत कराना था इसमें पटना संभागके 65 नव नियुक्त प्राथमिक शिक्षकों ने भाग लिया तथा अपनी अपनी प्रतिभा को निखारने का एक अच्छा अवसर प्राप्त किया. इस अवसर पर केंद्रीय विद्यालय बेली रोड के प्राचार्य श्री प्रदुम्न कुमार सिंह ने समस्त प्रतिभागियों को

अपने कर्तव्य के प्रति सचेत रहने का संदेश दिया कथा केंद्रीय विद्यालय संगठन के दिशा निदेर्शानुसार कार्य करते हुए आगे बढ़ते रहने का परामर्श दिया. प्रशासनिक अधिकारी श्री भीम कुमार ने जीवन के प्रति सकारात्मक सोच रखने, नियमानुसार आचरण करनेतथा छात्रहित में काम करने का सलाह दिया.श्री राजेश कुमार प्राचार्य केंद्रीय विद्यालय सोनपुर ने व्यक्ति के चरित्र निर्माण में प्राथमिक शिक्षकों की भूमिका को रेखांकित किया तथा समाज के हित में कार्य करने के लिए प्रेरित किया.उपायुक्त श्री अनुराग भटनागर ने अपने आशीर्वचन में समस्त नवनियुक्त प्राथमिक शिक्षकों के उज्वल भविष्य की कामना की तथा संगठन के हित में कार्य करने का परामर्श दिया. मौके पर प्रतिभागियों ने भी अपने-अपने अनुभव साझा किये तथा केंद्रीय विद्यालय बेली रोड के प्राचार्य के द्वारा उपलब्ध कराई गई सुविधाओं के लिए आभार व्यक्त किया. इस प्रवेषण पाठ्यक्रम में कोर्स डायरेक्टर के रूप में प्राचार्य प्रदुम्न कुमार सिंह, को कोर्स डायरेक्टर उप प्राचार्य मधु कुमारी तथा संसाधक के रूप में प्रधानाध्यापक श्री एसके राजू एवं राजीव रंजन की भूमिका महत्वपूर्ण रही.

अपराधियों तथा अधिकारियों के आगे बेबस सीएम नीतीश कुमार-राजेश राठौड़

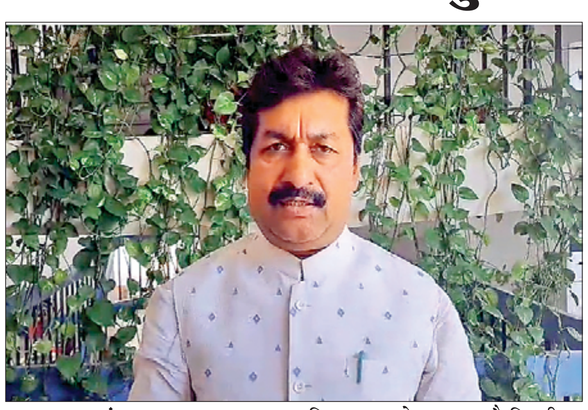

संवाददाता

● नीतीश कुमार अपराधियों और अधिकारियों के सामने हैं सरेंडर : राजेश राठौड़

पटना, शुक्रवार, 19 जुलाई, 2024

बिहार में अपराधियों के दिल से पूरी तरह से कानून का डर समाप्त हो चुका है।राजधानी पटना समेत प्रदेश के सभी जिले बेहताशा बढ़ाते अपराधी घटनाओं से त्रस्त है। बिहार प्रदेश कांग्रेस मीडिया कमेटी के अध्यक्ष राजेश राठौड़ ने सुबह की नीतीश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है कि सीएम नीतीश कुमार अपराधियों के दुस्साहस तथा अधिकारियों के निरंकुशता के आगे लाचार हो चुके हैं।उन्होंने कहा कि बिहार में जनप्रतिनिधियों की हालत बद से बदतर होते जा रही है। वहीं दूसरी तरफ विगत डेढ़ दशक से नीतीश कुमार के करीबी अधिकारियों के द्वारा राज्य को चलाया जा रहा है।कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता राजेश राठौड़ ने कहा कि रोम के शासक नीरो के भांति सीएम नीतीश कुमार तथा उनके करीबी अधिकारी चैन की बंसी बजाए तंद्रा में डूबे रहते हैं।वहीं दूसरी तरफ पूरी बिहार के जनता अपराधियों के शोषण की शिकार होते जा रही है। स्थिति यहां तक है कि प्रदेश के बड़े नेताओं के परिजन भी अपराधियों के चपेट में आ रहे हैं।उन्होंने कहा कि राजधानी पटना में खुलेआम सत्ता पोषित अपराधियों के द्वारा आम जनता पर कहर बरपाया जा रहा है ' ।पुलिस के द्वारा उन्हें गिरफ्तार नहीं किया जा रहा है तथा ठीक उलट पुलिस के द्वारा अपराधिक दर में कमी आने की भ्रांति भी फैलाई जा रही है। बिहार प्रदेश में कांग्रेस मीडिया कमिटी के चेयरमैन राजेश राठौड़ ने कहा के सीएम नीतीश कुमार के अधिकारी अब उनके वश में नहीं रह गए हैं।लगभग डेढ़ दशक से सरकार में अपनी निरंकुशता स्थापित कर चुके ये अधिकारी अब अपने मनमर्जी से बिहार चला रहे हैं जिसका खामियाजा राज्य की जनता उठा रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की करीबी अधिकारियों ने उनके दिलोदिमाग को हाईजैक कर रखा है जिस कारण वे प्रदेश के वर्तमान बदतर हालातो से रूबरू नहीं हो पाते हैं।

राजद नेता गौतम यादव सैंकड़ों समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल, ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष बलराम मंडल ने दिलाई सदस्यता

भाजपा की नीतियों के प्रति लोगों का बढ़ा है आकर्षण : बलराम मंडल

संवाददाता

पटना, 19 जुलाई। बिहार के मुजफ्फरपुर के राजद नेता और समाजसेवी गौतम यादव आज अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ भाजपा प्रदेश कार्यालय में ओबीसी मोर्चा द्वारा आयोजित एक मिलन समारोह में भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। उन्हें भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष बलराम मंडल ने भाजपा की सदस्यता दिलाई और पार्टी में स्वागत किया।

इस मौके पर उपस्थित भाजपा के महामंत्री शिवेश राम, जगन्नाथ ठाकुर और ओबीसी मोर्चा के प्रभारी अचल सिन्हा ने भी गौतम यादव का पार्टी में स्वागत किया। इस समारोह को संबोधित करते हुए श्री मंडल ने कहा कि आज राजनीतिक दलों में भाजपा के प्रति लोगों का आकर्षण बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी सबका साथ, सबका विकास की नीति को लोग पसंद कर रहे हैं, जिस कारण बड़ी संख्या में लोग भाजपा से जुड़ रहे हैं। उन्होंने

राजद से आए गौतम यादव का भाजपा में स्वागत करते हुए कहा कि युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए भाजपा लगातार काम कर रही है। उन्होंने भाजपा की सदस्यता ग्रहण किये लोगों से अपील करते हुए कहा कि वे भाजपा की नीतियों को लेकर घर -घर तक जाएं। इस मौके पर भाजपा की सदस्यता ग्रहण किये गौतम यादव ने कहा कि भाजपा की नीतियों से आकर्षित होकर उन्होंने आज भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है। उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा यहां बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि आज वे गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं कि वे भाजपा के सदस्य हैं। वे किसी पद की लालच में नहीं बल्कि लोगों की सेवा के लिए यहां आए हैं। इस मौके पर मोर्चा के उपाध्यक्ष जे पी चंद्रवंशी, पन्ना लाल साह, महामंत्री साहेब कुमार साह, मंत्री शिव शंकर प्रसाद, कार्यालय प्रभारी राम बाबू साह, कार्यालय मंत्री विकास शर्मा, मुन्ना लाल कुशवाहा, भूपेंद्र यादव , धर्मिता सिन्हा सहित कार्यसमिति के सदस्य उपस्थित रहे।इस समारोह को संबोधित करते हुए श्री मंडल ने कहा कि आज राजनीतिक दलों में भाजपा के प्रति लोगों का आकर्षण बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी सबका साथ, सबका विकास की नीति को लोग पसंद कर रहे हैं, जिस कारण बड़ी संख्या में लोग भाजपा से जुड़ रहे हैं। उन्होंने राजद से आए गौतम यादव का भाजपा में स्वागत करते हुए कहा कि युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए भाजपा लगातार काम कर रही है। उन्होंने भाजपा की सदस्यता ग्रहण किये लोगों से अपील करते हुए कहा कि वे भाजपा की नीतियों को लेकर घर -घर तक जाएं। इस मौके पर भाजपा की सदस्यता ग्रहण किये गौतम यादव ने कहा कि भाजपा की नीतियों से आकर्षित होकर उन्होंने आज भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है। उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा यहां बहुत कुछ सीखने को मिलेगा।

बिहार में बढ़ते अपराधिक घटनाओं पर कल 20 जुलाई को इंडिया गठबंधन के द्वारा पटना सहित राज्य के सभी जिला मुख्यालयों पर प्रतिरोध मार्च किया जाएगा-एजाज अहमद

संवाददाता

पटना /19 जुलाई 2024 :: बिहार प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के प्रवक्ता एजाज अहमद ने बताया कि बिहार में लगातार बढते अपराधिक घटनाओं व लचर कानून व्यवस्था तथा राज्य सरकार की विफलता के खिलाफ इंडिया गठबंधन के द्वारा कल दिनांक 20 जुलाई, 2024 को पटना सहित राज्य के :: सभी जिला मुख्यालयों पर प्रतिरोध मार्च किया जाएगा। प्रतिरोध मार्च के बाद इंडिया गठबंधन के नेताओं के द्वारा संयुक्त रूप से मांगो से संबंधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा जाएगा। एजाज ने आगे बताया कि पटना में भी कल राजद के जिला कार्यालय विधायक फ्लैट ,वीरचंद पटेल पथ? से सुबह 10:00 बजे शुरू होगा ।जो पटना के डाक बंगला चौराहा होते हुए जिला समाहरणालय (हिंदी भवन) तक जाएगा।इन्होंने यह भी बताया कि इस मार्च में महागठबंधन के सभी दलों के वरिष्ठ नेताओं के साथ पार्टी के पदाधिकारी और सक्रिय कार्यकर्ता भी भाग लेंगे। राजदलालूप्रसादयादवतेजस्वीयादव #राबड़ीदेवी, अब्दुलबारीसिद्दिकी #डॉ0उर्मिलाठाकुर फैसलअली #शशियादव #श्यामरजक #जगदानंदसिंह #शक्तिसिंह #सुरेंद्रप्रसादयादव #शिवानंदतिवारी #एजाजअहमद #उदयनारायणचैधरी #वृषिणपटेल, #डॉ0तनवीरहसन

भाजपा के पूर्व मीडिया प्रमुख अमित कुमार तिवारी का असामयिक निधन

संवाददाता

कफील एकबाल

मोतिहारी, 19 जुलाई ,कफील एकबाल भाजपा के पूर्व मीडिया प्रभारी मृदु भाषी अमित कुमार तिवारी उर्फ राजू जी का निधन 19 जुलाई की सुबह उनके बेलवंवा स्थित निवास पर हृदय गति रुक जाने के कारण असमायिक निधन हो गयी। खबर की जानकारी होते ही उनके आवास बेलवनवा मोतीहारी निवास पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के रवि शंकर वर्मा, सतीश चंद्र दीपक ,अरविंद कुमार, मनोज कायल, भाजपा विधायक प्रमोद कुमार ,नगर निगम के उप महापौर डा लाल बाबू सहित उनके सह कर्मी अधिवक्ता गण ओमप्रकाश श्रीवास्तव ,सुरेश राम

सहित बड़ी संख्या में लोग अपनी अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। भाजपा विधायक प्रमोद कुमार ने बताया कि एक निष्ठावान कार्यकर्ता हमारे बीच से चला गया भगवान उनकी आत्मा को शान्ती प्रदान करे उनका दाह संस्कार उनके पैतृक गांव गोबिंद गंज में 20 जुलाई को होगी ।

डीएम ने जनता दरबार में 105 लोगों की फरयादें सुनी

मो. सदरे आलम नोमानी

सीतामढ़ी: डीएम रिची पाण्डेय ने अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित जनता दरबार कार्यक्रम में परिवादियों से मिलकर उनके समस्याओं को सुना।कुल 105 परिवादी आज जनता दरबार में आए। जनता दरबार में अधिकांश मामले अतिक्रमण, भूमि विवाद, आपसी विवाद,सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य,सड़क,विद्युत इत्यादि से संबंधित थे। जनता दरबार कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्राप्त जन शिकायतों के निष्पादन की दिशा में पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करना सुनिश्चित करें।इसमें किसी भी तरह की कोताही स्वीकार्य नहीं होगी। डीएम रिची पाण्डेय के द्वारा लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम के तहत द्वितीय अपीलीय प्राधिकार की सुनवाई की गई। कुल 15

परिवादों की सुनवाई की गई जिसमें कुल 09 वादों निष्पादन किया गया।

प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी ने विधालय का किया औचक निरीक्षण ।ग्रामीणों ने की थी शिकायत

संवाददाता

मोहम्मद आरिफ

सिवान महराजगंज अनुमंडल 19 जुलाई शुक्रवार ।महाराजगंज प्रखण्ड अंतर्गत उच्च माध्यमिक विद्यालय सह इंटर कॉलेज धोबवलिया का महाराजगंज प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी श्री राज किशोर उपाध्याय ने ग्रामीणों के शिकायत पर जांच की। वही विद्यालय के सभी अभिलेख व पठन पाठन हर वर्ग कक्ष का जांच किए। बता दे की बीते दिनों ग्रामीणों ने विधालय के कार्यशैली से नाखुश हो कर विधालय के मुख्य प्रवेश द्वार पर ताला जड़ दिया था। ग्रामीणों का आरोप था की विधालय मे 9वी, 11वी के छात्रों से निधार्रीत नामांकन शुल्क से अधिक पैसा प्रधानाध्यापक द्वारा लिया जा रहा है। और पूर्व के विकाश राशि से

विधालय मे कोई विकाश नही किया जा रहा है। न सही ढंग से पढ़ाई कराई जाती है। जिसकी जांच प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी श्री राज किशोर उपाध्याय ने जांच की और मामला सत्य पाया। जिसकी सूचना जिले के वरीय पदाधिकरी को दी। और ग्रामिणो को आश्वस्त किए।ग्रामीणों ने आरोप लगाया था कि बच्चों से इन्टर और 9वीं में नामांकन के नाम पर एक्स्ट्रा पैसा लिया जा रहा है।साथ ही विद्यालय की कोष में विकास राशि होने के बावजूद भी विकास का काम नहीं हो रहा है। इन्टर के बच्चों के पढ़ने के लिए क्लास रूम नहीं है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक के ऊपर भी अनियमितता का आरोप लगाया है। स्थानीय प्रखंड के मध्य विद्यालय खोड़ी पाकर गोविंद में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी जगदीश भगत ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सभी शिक्षक मौजूद थे।

मुखिया और वार्ड सदस्यों के फंड में कटौती : अब बिना टेंडर पंचायतों में नहीं होंगे कोई भी विकास कार्य,

नीतीश कैबिनेट का बड़ा फैसला

संवाददाता

पटना : बिहार की डबल इंजन सरकार ने पंचायत स्तर पर विकास कार्यों में हो रहे भ्रष्टाचार को रोकने के लिए बड़ा फैसला लिया है। पंचायत की विकाय योजनाओं में मिल रही गड़बड़ी की शिकायतों के बाद सरकार ने मुखिया और वार्ड सदस्यों के अधिकारों में कटौती कर दी है। अब बिना टेंडर पंचायतों में किसी तरह के विकास कार्य नहीं किए जाएंगे। दरअसल, बिहार में पंचायत स्तर पर कराए जाने वाले विकास कार्यों को पहले मुखिया और वार्ड सदस्य अपने स्तर से काम कराते थे। विकास कार्यों में अनियमितता और भ्रष्टाचार के आरोप

लगातार लग रहे थे। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद आखिरकार नीतीश सरकार ने भ्रष्टाचार में लिप्त मुखिया और वार्ड सदस्यों के पर को कतर दिया है और उनके अधिकारों में बड़ी कटौती कर दी है। नीतीश सरकार ने अब पंचायतों में होने वाले किसी भी विकास कार्य के लिए टेंडर जरूरी कर दिया है। बिना टेंडर की प्रक्रिया पूरी किए मुखिया और वार्ड सदस्य कोई भी विकास का काम अपने स्तर से नहीं करा सकेंगे। सरकार ने मुखिया, वार्ड सदस्य के अधिकारों में कटौती कर दी है। बिहार सरकार ने पंचायत निर्माण कार्य मैनुअल बनाई है, जिसे कैबिनेट ने मंजूर कर लिया है। अब मुखिया या वार्ड सदस्य योजनाओं के कार्यान्वयन में मनमानी नहीं कर सकेंगे।

दरअसल पंचायत स्तर पर विकास कार्यों में हो रही धांधली, भ्रष्टाचार को रोकने के लिए ये फैसला लिया गया है। गड़बड़ी की शिकायतों के बाद अब सरकार ने मुखिया और वार्ड सदस्यों के अधिकारों पर कैंची चला दी है। अब बिना टेंडर पंचायतों में विकास कार्य नहीं किए जाएंगे। अब तक पंचायतों में विकास कार्यों का मुखिया और वार्ड सदस्य अपने तरीके से कराते थे। जिसमें कई बार घटिया सामग्री के इस्तेमाल और कामचलाऊ काम होता था। जिसकी शिकायतें लगातार सरकार तक पहुंच रही थीं।

संक्षिप्त डायरी

दरोगा पिता का दावा-मारपीट केस में गवाह था आर्यन मारने वाला रसूखदार परिवार से जुड़ा है

पटना। के एजी कॉलोनी में SI श्याम रंजन सिंह के बेटे आर्यन राज की संदिग्ध मौत हुई थी। उसकी मौत 7 जून की रात एक जन्मदिन पार्टी के दौरान हुई थी। केस दर्ज होने के बाद पुलिस ने हत्या और आत्महत्या दोनों एंगल से जांच की। पुलिस ने मामले में गोपालगंज के फुलवरिया से दो नाबालिग लड़कों को पकड़ा, दोनों सगे भाई थे और एक बड़े राजनीतिक घराने से संबंध रखते हैं। इन्हीं लड़कों ने पुलिस को कहानी बताई कि आर्यन ने सुसाइड किया है। पुलिस ने दोनों की बात को मान भी लिया। लेकिन, आर्यन के परिवार के लोग इस मौत को आत्महत्या मानने से इनकार कर रहे हैं। परिवार का दावा है कि उनके पास कई सबूत और सूचना है, जो हत्या की बात साबित करते हैं। आर्यन के पिता श्याम रंजन सिंह ने घटना के दिन वहां मौजूद कई लड़कों से बात की। आर्यन के कई दोस्तों से भी बात की। इसी बातचीत और कुछ वीडियो के आधार पर श्याम रंजन सिंह कहते हैं कि आर्यन की हत्या की गई है। इसको लेकर उन्होंने 25 जून को पटना पुलिस को एक लेटर भी लिखा है। एक आरोपी नाबालिग लड़के ने 6 जून की शाम आर्यन को फोन कर पार्टी के लिए बुलाया। आर्यन ने जाने से मना कर दिया। 7 जून को दिन के 11 बजे फिर से आर्यन को कॉल कर एक्सीडेंट हो जाने पर मदद के बहाने बुलाया। आर्यन इस बार अपनी मां को यह बात बताकर चला गया। शाम 4 बजे तक वह वापस नहीं पहुंचा तो पिता ने कॉल किया। आर्यन ने कहा कि थोड़ी देर में घर पहुंच जाएंगे। लेकिन, रात 8 बजे तक घर नहीं पहुंचा। इसके बाद उसका फोन लगातार व्यस्त बताने लगा था। रात 9 बजे दूसरे नंबर से आर्यन का कॉल आया। उसकी आवाज लड़खड़ा रहा था और कहा- मैं कुछ देर में आ रहा हूं। उसके बाद फोन कट गया और नंबर भी बंद बताने लगा। घर वालों ने आर्यन के एक दोस्त से उस नंबर की जानकारी ली तो पता चला कि यह नंबर उसी आरोपी नाबालिग लड़के का है। घर वालों को लगा कि आर्यन उसके यहां ही रुक जाएगा। इसलिए घर के लोग सो गए। फिर सुबह 5:45 में एक लड़की का कॉल आया, जो आर्यन की दोस्त थी। उसने बताया कि रात में आर्यन को बहुत मारा-पीटा गया है। इसके बाद 8 जून की सुबह 6 बजे आर्यन के नंबर पर कॉल किया तो पुलिसवालों ने रिसीव किया और घटना की सारी जानकारी दी। आर्यन के पिता श्याम रंजन सिंह पटना के बिहार पुलिस मुख्यालय में विशेष शाखा में पोस्टेड हैं। श्याम रंजन ने 25 जून को पटना पुलिस को एक आवेदन दिया है। आवेदन में नाबालिग आरोपियों का नाम बताते हुए लिखा है कि मेरे बेटे आर्यन राज को बर्थडे पार्टी में बुलाया और अपने दोस्तों के साथ मिलकर उसकी हत्या कर दी। इसमें रिस्की किंग उर्फ राजा, शुभम उर्फ वाइट रैबिट आजाद, विक्रम और विजय शामिल हैं। विजय घटना के दो दिन पहले ही जेल से छूटा था। आर्यन के पिता का कहना है कि मेरे बेटे आर्यन राज की हत्या 25 नवंबर 2023 को डीएवी स्कूल के पास हुई मारपीट के केस में गवाही की वजह से की गई है। हत्या के बाद जो पदाधिकारी मौके पर पहुंचे थे, सबने कहा था कि इसे मार कर टांगा गया है। मौके पर काफी खून पसरा था। सिर भी फटा था और हाथ भी टूटा था। फर्श पर फैले खून को साफ किया गया था, फिर भी फर्श और शव पर खून थे। घटना के समय पुलिस पदाधिकारियों का व्यवहार मेरे प्रति अच्छा और सहयोगात्मक था, लेकिन पोस्टमॉर्टम के वक्त पता नहीं क्यों पुलिस का व्यवहार एकदम से बदल गया। इसका कारण है कि इस घटना में शामिल आरोपी लड़के प्रभावशाली परिवार से हैं। इसमें विशाल नाम के आरोपी को नाबालिग दिखाया जा रहा है, जो वो नहीं है। मेडिकल जांच से यह पता चल जाएगा। उसने दोबारा परीक्षा देकर अपना आधार कार्ड बनवाया है। पुलिस ने इन आरोपियों से बिना पूछताछ किए ही उनको जेल भेज दिया है। मीडिया में भी इस हत्या को आत्महत्या दिखाया जा रहा है, जिससे अपराधियों और उनके सहयोगियों का मनोबल बढ़ गया है। साथ ही मेरी भी हत्या की योजना बनाई जा रही है। मेरे बच्चों को भी जान का खतरा है। आर्यन के मोबाइल की बैट्री दो घंटे से ज्यादा नहीं चलती थी। हत्या के बाद मुझे भ्रम में रखने के लिए उसका मोबाइल रात भर व्यस्त रखा गया। सुबह में उस नंबर पर कॉल करने पर पुलिस ने उठाया। जब पुलिस को रात में सूचना मिली तो मुझे क्यों नहीं बताया गया। पुलिस को किसने घटना की जानकारी दी, इसकी जानकारी भी पुलिस नहीं दे रही है। आर्यन के एक दोस्त ने श्याम रंजन सिंह को बताया कि पुराने लड़ाई में गवाह बनने के बाद से कुछ लड़के उससे बदला लेना चाहते थे। ये सभी लड़के एक दूसरे को जानते थे। दोस्त ने बताया कि होली के समय में ही आर्यन की हत्या की प्लानिंग की गई थी। लेकिन, तब आर्यन पार्टी में शामिल नहीं हुआ था। 7 जून को जब आर्यन पहुंचा तो वहां दोनों नाबालिग आरोपी मौजूद थे। धीरे-धीरे वहां रिस्की, आजाद, आयुष राज और विजय पहुंचे। फिर कुछ देर बाद रैबिट, नवीन, हर्ष, राजा, रिशु, शुभम भी पहुंच गए थे। पार्टी शुरू होते ही शुभम आर्यन के साथ मारपीट करने लगा। शुभम ने एक लड़के से वीडियो भी बनवाया। पुराने विवाद को कॉम्प्रोमाइज के नाम पर सभी ने शराब पी। वहां जबरदस्ती आर्यन को ड्रग्स के 7 डोज दिए गए। शुभम ने ही आर्यन की बात अपने मोबाइल से उसकी लड़की दोस्त से कराई, फिर उसका भी वीडियो बनाया। इसके बाद आजाद, शुभम और रिस्की ने आर्यन का गला दबा कर हत्या कर दी। मारपीट में आर्यन का सिर फूट गया। सभी ने मिल कर दूसरे कमरे में ले जाकर आर्यन को फंदे से लटका दिया। फिर कमरे के अंदर से सभी बाहर आ गए। विजय ने अंदर से कमरा बंद कर लिया और छिप गया।

पिकअप ने ऑटो में मारी टक्कर, एक मौत, 6 घायल

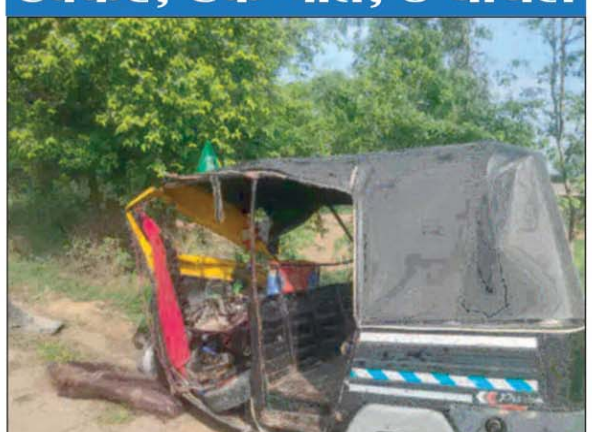

अरवल। में राष्ट्रीय राजमार्ग 139 पर मेहंदिया थाना क्षेत्र के कोनी कुटी गांव के पास पटना से आ रहे पिकअप और औरंगाबाद से आ रहे ऑटो के बीच आमने-सामने की टक्कर हो गई। इसमें ऑटो सवार एक व्यक्ति की मौत घटना स्थल पर ही हो गई। वहीं अन्य छह लोग घायल हो गए। घटना के बाद सभी को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं गंभीर स्थिति में घायल एक महिला को डॉक्टर ने पीएमसीएच रेफर कर दिया है। मृतक की पहचान औरंगाबाद के दाउदनगर थाना क्षेत्र के शमशेर नगर राम टोली गांव निवासी दिनेश राम का बेटा मनोज राम (35) के रूप में की गई। मृतक सोहसा बस सर्विस के लिए कंडक्टर का काम करता था। वह ड्यूटी के लिए अरवल आ रहा था। मेहंदिया थाने की पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। घायल आकाश कुमार ने बताया कि सभी लोग औरंगाबाद जिले के जम्होर थाना क्षेत्र के तिमौरी गांव के रहने वाले है और एक ही परिवार के है। ऑटो पर सवार होकर अरवल जिले के किंजर थाना क्षेत्र के गांगेया गांव यज्ञ समारोह में शामिल होने के लिए जा रहे थे। गंगेया गांव में सभी लोग काशी राय के घर जा रहे थे। जहां घायल महिला सपना देवी का मायका है। सपना देवी को डॉक्टर ने रेफर कर दिया है। वहीं घटना में लीलावती देवी (38), नवरंग राय (45), प्रियंका कुमारी (16), सपना देवी और उसके दोनों बेटे आकाश राय (24), सुंदरम कुमार (12) घायल हो गए।

पांच प्रोफेशनल शूटर को किया गिरफ्तार

भोजपुर। जिले के नवादा थाना क्षेत्र अन्तर्गत मिल्की-अनाईठ मोहल्ला क्षेत्र से पटना एसटीएफ व जिला पुलिस ने भोजपुर जिले में किसी की हत्या के नियत से आए पटना जिले के चार शूटर को हथियार के साथ रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। पकड़े गए अपराधियों में पटना के नौबतपुर थाना के पीपलावा थाना बरखुदारचक निवासी अमन कुमार उर्फ अमन सिंह, पटना के बिहटा थाना के महुआर गांव निवासी दयानंद दुबे, पटना के विक्रम थाना के निसरपुरा गांव निवासी आदर्श कुमार शर्मा और पटना के बिहटा थाना के महुआर गांव निवासी कृष्ण

मुरारी कुमार उर्फ रूद्र सिंह शामिल है। सभी पटना के कुख्यात दो लाख रुपए के इनामी भरत कुमार गैंग के शूटर हैं। इसमें अमन और दया का पहले से लंबा आपराधिक इतिहास रहा है। भोजपुर के उदवंतनगर थाना के केशोपुर-बकरी हत्याकांड के अलावा पटना के नौबतपुर थाना के शेखपुरा में घटित दोहरे हत्याकांड में दोनों जिलों की पुलिस को तलाश थी। रंगदारी व गोलीबारी करना गैंग का मुख्य उद्देश्य रहा है। भोजपुर एसपी प्रमोद कुमार यादव ने बताया कि पकड़े गए अपराधियों के पास से तीन देसी पिस्टल, एक देसी कट्टा, 12 कारतूस, 5 मैगजीन, तीन खोखा, आठ मोबाइल और तीन राउटर जब्त किया है। इसे लेकर इंस्पेक्टर कमलजीत के बयान पर नवादा थाना में प्राथमिकी हुई है।

पत्नी को बनाया नर्स अब पति संग नहीं रहना चाहती

बेगूसराय। बहू को लाखों रुपए खर्च कर जनरल नर्सिंग और मिडवाइफरी (जीएनएम) का कोर्स करवाया। कोर्स पूरा होते ही अब बहू ससुराल में पति के साथ नहीं रहना चाहती है। पति ने दबाव बनाया तो उसने अपने भाई और पिता को बुलवाकर घर में गहने और पैसे लूटपाट करवाने के साथ-साथ गोली चलवाई। सास ने बहू पर अब एफआईआर दर्ज कराई है। मामला बेगूसराय के छौड़ाही थाना क्षेत्र के अमारी गांव का है। वहीं, बहू का कहना है कि यह सारे आरोप गलत हैं। हालांकि, पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। सास सुलेखा कुमारी ने 10 जुलाई को अपनी बहू, उसके भाई और पिता

पर केस दर्ज कराया है। सुलेखा कुमारी ने बताया कि बेटे ने जमीन बेचकर करीब 10 लाख रुपए खर्च कर बहू को जीएनएम बनाया। लेकिन, बहू अब बेटे के साथ रहना नहीं चाहती है। उन्होंने बताया कि बेटे प्रिंस आनंद की शादी 24 अप्रैल 2019 में हुई थी। बहू का मायके समस्तीपुर जिले के विभूतिपुर थाना क्षेत्र में है। सुलेखा बताती हैं कि ससुराल आने के बाद इंटर पास बहू ने पति के सामने जीएनएम कोर्स करने की इच्छा जताई थी। कुछ कर्ज उठाया और बहू का एडमिशन पंजाब के अजीत नर्सिंग इंस्टीट्यूट में 2019 में ही करवा दिया। इस दौरान बहू कभी ससुराल तो कभी मायके में रहती थी। सिर्फ परीक्षा देने पंजाब जाती थी। इसी बीच 14 नवंबर 2021 को बहू ने एक बेटी को जन्म दिया। इस दौरान बहू समस्तीपुर के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में भी नर्सिंग का काम सीख रही थी। सब कुछ ठीक चल रहा था। सुलेखा ने कहा- इस बीच बेटे प्रिंस को पता चला कि अस्पताल में काम करने के दौरान बहू की नजदीकी किसी लड़के से बढ़ने लगी है।

बक्सर से परिजन इलाज के लिए ले गए वाराणसी, सीना, बांह और कंधे पर लगी बुलेट

बक्सर। के बहुआरा गांव में एक युवक पर जानलेवा हमला किया गया। युवक को तीन गोली मारी गई है जिसमें एक गोली उसके सीने में तो दूसरी कंधे पर और तीसरी गोली बांह में लगने की सूचना है।युवक की हालत चिंताजनक बनी हुई है। परिजनों द्वारा आनन-फानन में बक्सर सदर अस्पताल पहुंचाया गया। वहां से बेहतर इलाज के लिए युवक को रेफर कर दिया गया है। परिजन युवक को वाराणसी लेकर निकले हैं। इस घटना की सूचना पर बक्सर डीएसपी राजपुर थाना के

साथ पहुंचकर मामले को छानबीन में जुट गए हैं। करवाई करते हुए सात लोगों को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है। घटना राजपुर थाना क्षेत्र की है। पुलिस द्वारा छापेमारी कर तीन राइफल, एक बंदूक, एक देसी कट्टा, एक पिस्टल व जिंदा कारतूस भी बरामद किए हैं। फिलहाल पुलिस हमलावरों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करने की कोशिश कर रही है। बहुआरा गांव निवासी सुगंध यादव और शिवम कुमार उर्फ छोला नामक व्यक्तियों के बीच पुराना जमीनी विवाद है, जिसको लेकर 27 जून को दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए थे। मामले में उस वक्त मारपीट हुई और उसमें सुगंध यादव के पक्ष के कुछ लोग घायल हो गए। बाद में मामले में दोनों तरफ से एफआईआर दर्ज कराई गई थी। इस विवाद को लेकर आज गांव के पास शिवम कुमार उर्फ छोला को गोली मारकर घायल कर दिया गया। फिलहाल हिरासत में लिए गए व्यक्तियों से पूछताछ कर अपराधियों को चिह्नित करने का प्रयास किया जा रहा है।

रोहतास में दो युवकों की गोली मार कर हत्या

रोहतास। बिहार के सासाराम में डबल मर्डर हुआ है। गुरुवार की सुबह दो युवकों का शव मिला है। दोनों युवकों की गोली मारकर हत्या करने की बात सामने आ रही है। मौके से 4 खोखा और एक बाइक भी बरामद की गई है। शव के पास पॉलिथीन में लिक्विड भी मिला है। घटना बिक्रमगंज थाना के करियवा बाल नहर पुल के पास की है। एक मृतक की पुलिस ने पहचान कर ली है। मृतक बक्सर जिले का विनय कुमार (35) है जो मुरादपुर थाना के मनपा गांव का रहने वाला था। जानकारी के अनुसार गुरुवार की सुबह टहलने के लिए निकले लोगों ने धारूपुर सूर्य मंदिर के पास स्थित नहर पुल के पास दो लाश देखी। दोनों शव एक दूसरे से कुछ दूरी पर पड़े थे और काफी खून बिखरा पड़ा था। गांव वालों ने तुरंत इस घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुटी है। माके पर पहुंचे बिक्रमगंज एसडीपीओ कुमार संजय ने कहा कि प्रथम दृष्टया यही लग रहा है कि यहां लाकर मारा गया है, अभी तक पहचान नहीं हो सकी है। एसएफएल टीम अभी रास्ते में है।

कोसी की उपधारा में नाव डूबी

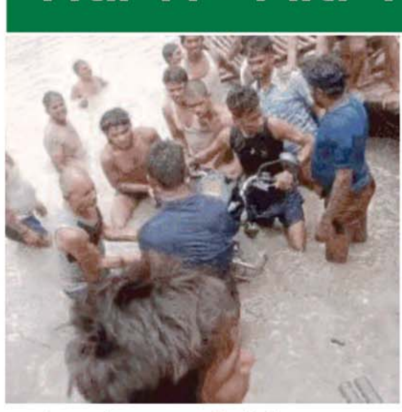

दरभंगा। कुशेश्वरस्थान की कोसी उपधारा में गोलमा डीह से गोलमा घाट जाने के दौरान नाव डूब गई है। नाव पर आठ लोग सवार थे। जिसमें एक युवक लापता हो गया। गायब होने वाले युवक की पहचान गोलमा निवासी विंदेश्वरी राय के 23 वर्षीय पुत्र राजा राय के रूप में हुई है। जिसकी खोजबीन की जा रही है। हादसे में दो बाइक भी पानी में गिर गई। जिसे स्थानीय लोगों ने बाहर निकाला। मौके पर बीडीओ अशोक कुमार जिज्ञासु और तिलकेश्वर थानाध्यक्ष शैलेश कुमार पहुंचे। स्थानीय लोगो ने बताया कि नाव से लौटने के क्रम में ये हादसा हुआ। नाव पर कुल 8 लोग सवार थे। सात लोगों को बचा लिया गया है। 2 बाइक पानी में गिर गई थी जिसे निकाल लिया गया। कुशेश्वर स्थान पूर्वी के बीडीओ ने बताया की घटना के 15 मिनट के अंदर ही हमलोगों को सूचना प्राप्त हुई। जिसके बाद हमलोग मौके पर पहुंचे। बाकी सभी लोगों को बचा लिया गया है। एक की तलाश अभी तक जारी है।

बीजेपी की बैठक में बोले सम्राट-ऑर्गनाइज्ड क्राइम कराते थे लालू

बिहार। विधानसभा चुनाव-2025 से पहले BJP एक्टिव मोड में है। इस कड़ी में पटना के श्री कृष्ण मेमोरियल हॉल में भाजपा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक हुई। मंडल अध्यक्ष से लेकर प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य बैठक में शामिल हुए। डिप्टी CM सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा भी बैठक में शामिल हुए। इस मौके पर दिवंगत नेता सुशील मोदी को श्रद्धांजलि दी गई। अपने संबोधन में डिप्टी सीएम सह प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कहा कि विस्तृत कार्यसमिति की बैठक में काफी संख्या में लोग पहुंचे हैं। उन सबका मैं स्वागत और धन्यवाद करता हूं। इस देश में कांग्रेस पार्टी की कोई विचारधारा नहीं है। यह अपने ही लोगों को भूल जाती है। देश में कांग्रेस पार्टी के लोग अत्याचार करते रहे और कहते थे कि गरीबी हटाएंगे। लेकिन गरीबी तो नहीं हटाए, गरीब को हटा के फेंक दिया। हमलोगों ने भगवान राम को भी स्थापित करने का काम किया। उत्तर प्रदेश में डबल इंजन की सरकार बनी तब भगवान राम को स्थापित किया गया। अब मां सीता को भी बिहार में स्थापित करने का काम करेंगे। अब सीतामढ़ी में मां सीता को भव्य तौर पर स्थापित करने का निर्णय लिया है। कांग्रेस पार्टी कहती है कि हम जीत गए, लेकिन 33 पार्टी मिलकर भी बहुमत नहीं ला पाए। हम चुनाव के पहले से ही गठबंधन बनाए थे और चुनाव के बाद भी गठबंधन के साथ मिलकर सरकार बनाए हैं। लालू कहते हैं कि हमने आरक्षण दिया, लेकिन उनसे पूछिए इतने साल तक सरकार में रहे, लेकिन एक व्यक्ति को आरक्षण नहीं दिया। इस देश में गरीबों को आरक्षण मिल गया। पहली बार प्रधानमंत्री ने

अगड़ों को भी आरक्षण देने का काम किया। संगठन के लोगों से आग्रह करता हूं कि अब मुस्तैदी के साथ चुनाव के काम में लग जाना होगा और भाजपा के कार्यों को सभी लोगों तक पहुंचाना होगा। हमारे एक-एक कार्यकर्ता बूथ स्तर पर जाकर लोगों से बात करेंगे। पूरे दुनिया में हमारे देश का डंका बज रहा है। हर जगह सिर्फ मोदी-मोदी का नाम चल रहा है। हम अर्थव्यवस्था में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 11वें स्थान से 5वें स्थान पर पहुंच गए हैं। जिस यूनिवर्सिटी को अलाउद्दीन ने खत्म किया, उसको हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार ने फिर से स्थापित करने का काम किया। प्रधानमंत्री ने सभी किसानों के खाते में 6 हजार रुपए पहुंचाने का काम किया। इसलिए सभी कार्यकर्ता को सिर्फ तीन चीजों पर फोकस करना होगा कि अनाज लोगों को मिलता हैं या नहीं। पक्के मकान मिल रहा है या नहीं। जिनको अनाज मिल रहा है, उनका आयुष्मान कार्ड बना या नहीं। अब इन कामों में सभी लोगों को लग जाना होगा। यह डबल इंजन की सरकार है और हमारा मकसद बस देश को विकसित भारत बनाने का है। जन-जन तक पहुंचाना है। लालू यादव जब मुख्यमंत्री थे तो अपने ऑफिस से ऑर्गनाइज्ड क्राइम कराते थे।

सप्तकोसीय परिक्रमा मार्ग में केएम की चिकित्सकीय टीम परिक्रमार्थियों की कर रही है निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा

■ मुड़िया पूर्णिमा मेले में निःशुल्क स्वास्थ्य कैम्प में केएमचिकित्सक परिक्रमार्थियों को परार्मश एवं मेडीसन देते हुए

■ जिला पंचायत अध्यक्ष एवं केएम विश्वविद्यालय के चांसलर किशन चौधरी

मथुरा। केएम विश्वविद्यालय के कुलाधिपति किशन चौधरी के निदेर्शानुसार विश्व प्रसिद्ध मुड़िया पूर्णिमा मेले में केएम मेडीकल कालेज के चिकित्सक मथुरा जिला स्वास्थ्य विभाग के साथ 15 जुलाई कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है, केएम चिकित्सक परिक्रमा मार्ग में लगाए गए अस्थाई स्वास्थ्य शिविर में 24 घंटे परिक्रमार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उनका इलाज कर रहे है। केएम मेडीकल कालेज की डाक्टर्स टीम का सहयोग गोवर्धन सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र की प्रभारी डा. नेहा चौधरी कर रही है। मुड़िया पूर्णिमा मेले में श्रद्धालुओं की संख्या देवशयन एकादशी की रात से बढ़ गई है, जो 22 जुलाई तक निरंतर बढ़ती रहेगी। सीएमओ डा. एके वर्मा ने बताया गोवर्धन में अस्थाई स्वास्थ्य कैम्प तीर्थ विकास ट्रस्ट भवन, आन्यौर, बालकृष्ण भवन जतीपुरा, जापानी धर्मशाला, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पूछरी, दानघाटी कन्या पाठशाला थाने के सामने, रोडवेज अड्डा, लावनियां सेवा सदन, तहसील गोवर्धन डींग रोड, पंचमुखी हनुमान मंदिर, मानसी गंगा, गिरी गोवर्धन सेवा समिति, मीरा मोहन धर्मशाला, कुसुम रेलवे स्टेशन आदि क्षेत्र में लगाए गए है। मेला क्षेत्र में 108 एंबुलेंस स्वास्थ्य विभाग सहित केएम हॉस्पिटल की मौजूद है। केएम की टीम स्वास्थ्य कर्मियों के साथ परिक्रमा मार्ग में पुश्तैद नजर आ रही है। सीएमओ ने बताया कि परिक्रमार्थियों को बेहतर सेवाएं उपलब्धा कराई जा रही है। जिसमें विशेष सहयोग केएम मेडीकल कालेज के चिकित्सक दे रहे है। गोवर्धन सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर मेला को लेकर केएम हॉस्पिटल के सभी विभागों के डाक्टर्स एवं स्वास्थ्य विभाग के डाक्टरों के साथ डयूटी दे रहे। जिला पंचायत अध्यक्ष एवं केएम विश्वविद्यालय के कुलाधिपति किशन चौधरी ने बताया कि सप्तकोसीय परिक्रमा मार्ग में गिरिराज महाराज की परिक्रमा करने आने वाले देशभर के श्रद्धालु भक्तो के स्वास्थ्य को लेकर किसी तरह की कोई परेशानी न हो उसको लेकर समूचे परिक्रमा मार्ग में केएम परिवार के डाक्टर्स स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से जगह जगह पर दवाओं के साथ तैनात है। 24 घंटे केएम के चिकित्सक परिक्रमाथियों की स्वास्थ्य सेवा में लगे हुए है। मुड़िया पूनौं मेला में पधारने वाले देशभर के श्रद्धालुओं का मैं और मेरा केएम परिवार अभिनंदन एवं स्वागत करता है।

मथुरा के विभिन्न तिराहों पर सेवा भाव से श्रद्धालुओं की सेवा में जुटी सिविल डिफेंस - अशोक यादव पोस्ट वार्डन

मथुरा। मथुरा जिला आधिकारी नियंत्रक नागरिक सुरक्षा के आदेश अनुसान 15 जुलाई 2024 से लगातार 22 जुलाई तक रेलवे ग्राउंड धोली पियाऊ, नया बस अड्डा, भूतेश्वर चौराहा, गोवर्धन चौराहा, मण्डी चौराहा पर नागरिक सुरक्षा विभाग मथुरा के वार्डनो ने पुलिस और प्रशासन के साथ बाहर से आने वाले सभी श्रद्धालुओं कि सेवा में लगे रहेंगे। बही नागरिक सुरक्षा विभाग मथुरा के उप नियंत्रक जसवंत सिंह और सहायक उप नियंत्रक जितेंद देव सिंह के द्वारा सभी ड्यूटी प्वॉइंट पर जाकर चेक किया जा रहा है कि कही भी किसी प्रकार कि कोई समस्या तो नहीं है साथ ही नागरिक सुरक्षा मथुरा के सभी पर्यवेक्षक भी समय समय पर ड्यूटी पर तैनात सभी वार्डनों और फायर फाइटर का मार्गदर्शन करते नजर आए । उसी तरह ड्यूटी पर उपस्थित सभी फायर फाइटर के काम को देखते हुए नगर मजिस्ट्रेट महोदय ने सिविल डिफेंस मथुरा कि प्रशंसा की साथ ही सिविल डिफेंस मथुरा के सभी सदस्य मथुरा के सभी विभिन्न तिराहों और चौराहे एवं बस स्टैंडो पर पुलिस और प्रशासन के साथ अपनी सेवाए देते नजर आए। ड्यूटी पर स्टॉफ ऑफिसर टू चीफ वार्डन दीपक चतुवेर्दी बैंकर,पोस्ट वार्डन अशोक यादव, रावेंद्र बंसल, रवि पटेल, शुभम कुमार, रोहित कुशवाह, योगेश कुमार, मुकेश शर्मा, विक्रम, गोपाल चतुवेर्दी, शैलेश कुमार, राम सैनी, नरेश अग्रवाल, राहुल कुमार, सुनैना गुप्ता, शैली अग्रवाल , सचिन, अंबुज,आदि वार्डन और फायर फाइटर उपस्थित रहें।

श्री कृष्ण जन्मभूमि मंदिर का केस लड़ रहे पक्षकार दिनेश शर्मा फलाहारी ने दी मुख्यमंत्री आवास आत्मदाह की चेतावनी

मथुरा। श्री कृष्ण जन्मभूमि मंदिर मथुरा से ईदगाह मस्जिद को हटाने वाले केस के पक्षकार दिनेश शर्मा ने आज दुखी होकर एक बहुत बड़ा ऐलान किया है, उन्होंने कहा कि मुझ पर फर्जी मुकदमे लगाकर यदि मेरी छवि को खराब किया गया तो वह मुख्यमंत्री आवास लखनऊ जाकर आत्मदाह कर लेंगे, आपको बता दें कि यह वही दिनेश शर्मा है जिन्होंने भगवान श्री कृष्ण जन्मभूमि मंदिर से मस्जिद के हटने तक अन्न छोड़ दिया है और अपने पैरों में जूता चप्पल भी नहीं पहनते हैं ,यह केबल दूध और फल लेते हैं, इन्होंने 6 दिसंबर को ऐलान किया था श्री कृष्ण जन्मभूमि मंदिर के मूल गर्भ ग्रह को गंगाजल से धोकर शुद्ध करके वहां पर लड्डू गोपाल जी की स्थापना करेंगे और हनुमान चालीसा का पाठ करेंगे, इनके द्वारा मोहम्मद पैगंबर पर विवादित बयान देने के कारण इन पर दंगा भड़काने का मुकदमा लगाया गया और उनको जेल भेजा गया, कुछ दिनों बाद मथुरा पुलिस द्वारा उन पर गुंडा एक्ट की कार्यवाही की गई, दिनेश शर्मा ने कहा कि जब विधर्मी लोग हमारे सनातन धर्म पर घात प्रतिघात करेंगे तो वह जवाब क्यों नहीं देंगे, उन्होंने कहा कि कट्टर पंथी लोग लोग संसद में जय फिलिस्तीनी बोलते हैं ,कोई रामायण जैसे पवित्र ग्रंथ को फाड़ता है ,कोई हमारे हिंदू बहन भाइयों का धर्म परिवर्तन कराता है तो उन पर कार्यवाही क्यों नहीं की जाती है उन पर गुंडा एक्ट क्यों नहीं लगाया जाता है, उन्होंने कहा कि मैं सनातन धर्म की लड़ाई लड़ रहा हूं तो मुझ पर फर्जी मुकदमा लगाए जा रहे हैं, हिंदूवादी नेता दिनेश शर्मा ने कहा कि यदि उनको गोली मार दी जाए तो कोई गम नहीं होगा,वह शहीद हो जाना पसंद करेंगे लेकिन फर्जी मुकदमे लगाकर उनकी छवि को धूमिल किया गया तो वह मुख्यमंत्री आवास लखनऊ पर आत्मदाह कर लेंगे, यह वही दिनेश शर्मा है जिन्होंने ओवेशी द्वारा जय फिलिस्तीनी बोलने पर इसकी जीभ काटने पर 21 लाख का इनाम रखी थी और मौलाना तौकीर रजा को हिंदुओ का धर्म परिवर्तन कराने पर धमकी दी थी, दिनेश शर्मा सनातन हिंदुओं के बहुत ही लोकप्रिय नेता हैं और अपने धर्म के लिए मर मिटने को तैयार रहते हैं। दिनेश शर्मा श्री कृष्ण जन्मभूमि मंदिर से मस्जिद को हटाने वाले सूट नंबर 12 में और श्री कृष्ण जन्म मंदिर से मीना मस्जिद को हटाने वाले सूट नंबर आठ में पक्षकार हैं और कांग्रेस सरकार द्वारा बनाया गया पूजा उपासना अधिनियम 1991 को हटाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में भी लड़ाई लड़ रहे हैं। यह मूल रूप से गोवर्धन गिरिराज जी के रहने वाले हैं।

प्राथमिक विद्यालय पत्थरपाटी में हुआ वृक्षारोपण

दघेंटा न्याय पंचायत में लगाए जाएंगे 6 हजार पौधे

बलदेव। न्याय पंचायत दघेंटा के अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय पत्थरपाटी में वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान गिरवर सिंह,सचिव शकील अहमद,मनरेगा प्रभारी शिवदयाल कौशिक ने विभिन्न प्रकार के पेड़ लगाकर वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान गिरवर सिंह ने कहा कि पौधारोपण के साथ-साथ वृक्षों की सुरक्षा की ओर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। इस कार्य को लेकर सभी को जागरूक होना होगा। जिस प्रकार से अपने परिवार और बच्चों की चिंता की जाती है। वैसे ही हम सभी को मिलकर वृक्षों की चिंता करनी होगी। तभी जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव को खत्म किया जा सकेगा। सचिव शकील अहमद ने कहा कि पेड़ हमारे जीवन का आधार है और अगर हमें पृथ्वी पर आने वाली पीढियां के लिए जीवन सरल बनाना है तो उसके लिए पर्यावरण संरक्षण बहुत जरूरी है।प्रधानाध्यापक सुजीत वर्मा ने ने कहा कि कोरोना की महामारी के समय सबने देखा है कि किस प्रकार से लोगों को ऑक्सीजन की जरूरत पड़ी और शरीर की ऑक्सीजन की जरूरत को पूरा करने के लिए प्राकृतिक ऑक्सीजन की बजाए मानव निर्मित ऑक्सीजन प्लांट लगाने पड़े। मनरेगा प्रभारी शिवदयाल कौशिक ने बताया कि दघेंटा न्याय पंचायत के अन्तर्गत 6 हजार पेड़ लगाए जाएंगे। इस अवसर पर सुजीत वर्मा,कपिल सारस्वत,विक्रम सिंह, एसएमसी अध्यक्ष लाल सिंह,डा.देवेंद्र सिंह,श्रमिक रनवीर सिंह,भाजपा नेता रामपाल सिंह,बीमा आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

संक्षिप्त डायरी

बिगड़ी विद्युत व्यवस्था को लेकर सांसद ने अधिकारियों के साथ की बैठक

मथुरा। जनपद सहित वृन्दावन नगर की बिगड़ी हुयी विद्युत व्यवस्था के सन्दर्भ में सांसद हेमामालिनी ने वृन्दावन ओमेक्स स्थित आवास पर विद्युत विभाग के आला अधिकारियों के साथ बैठक कर उनसे लगातार विद्युत सप्लाई करने की बात कही है। सांसद हेमामालिनी ने कहा कि विगत दो माह से बृजवासी विद्युत कटौती से परेशान हैं साथ ही बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं पर भी इसका असर पड़ रहा है, वृन्दावन में खुले पड़े विद्युत पैनलों को बंद किया जाये, ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि, बॉउंड्रीवाल एवं सौंदर्यकरण किया जाये, विद्युत अधिकारी एवं बिजलीघरों पर एसएसओ आम जनता के फोन उठाएं, लाइनमैनों की संख्या बढ़ाने का प्रस्ताव विभाग को भेजा जाये साथ ही वृन्दावन में बन रहे नये बिजलीघर का निर्माण कार्य प्रारम्भ करने के निर्देश दिए । विद्युत विभाग के मुख्य अभियंता संजय कुमार जैन एवं अधीक्षण अभियंता सुरेश चंद्र रावत ने सांसद को उनके द्वारा दिए गए निर्देशों पर तत्काल कार्यवाही का भरोसा दिलाते हुए उनसे आग्रह किया कि राजपुर एवं सुनरख में नए बिजलीघर बनाने एवं रुक्मिणी विहार में 132 टश्अ पावर स्टेशन बनाने के लिए भूमि उपलब्ध करा दी जाए। इस अवसर पर कैबिनेट सदस्य एवं पार्षद वैभव अग्रवाल अनूप शर्मा हरिमोहन पाठक उपस्थित रहे।

जंगल में लकड़ी काटने गई किशोरी का अपहरण

मथुरा। थाना बरसाना के जंगल में मां के साथ लकड़ी काटने के लिए गई एक नाबालिग किशोरी को दस दिन पहले दिन दहाड़े एक हिस्ट्रीशीटर अपने साथियों के साथ जबरन कार में डाल कर अगवा कर ले गया। शिकायत करने के दस दिन बाद भी पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की है। नया कानून लागू होने के बाद से पुलिस शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं कर रही है। परेशान लोग पुलिस अधिकारियों के चक्कर लगाने को मजबूर हैं। इसी तरह का एक मामला बरसाना थाने का है। गांव हाथिया की रहने वाली एक महिला अपनी नाबालिग पुत्री के साथ जंगल में लकड़ी काटने के लिए गई थी। इसी बीच गांव का खुल्ली नामक युवक अपने साथियों के साथ कार से आया और लड़की को जबरन कार में डाल कर ले गया इस मामले में थाना बरसाना में शिकायत करने के बाद भी पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की है। परेशान होकर के किशोरी की माँ ने एसएसपी कार्यालय पर दस्तक दी। किशोरी की मां के साथ आए अधिवक्ता का कहना है किआरोपी पुलिस का मुखबिर है। हिस्ट्रीशीटर होने के बाद भी पुलिस ने इतने दिन बीत जाने के बाद भी कार्रवाई नहीं की है। पीड़िता ने इस मामले की लिखित शिकायत एसएसपी से की है।

महाराणा प्रताप भवन निर्माण को लेकर रूप रेखा की तैयार

मथुरा। गोकुल रेस्टोरेंट के समीप एक होटल में महाराणा प्रताप सेवा सदन के पदाधिकारियों की बैठक हुई। जिसमें कमेटी के समस्त लोगों ने आगामी एक अगस्त को महाराणा प्रताप भवन का भूमिपूजन व तैयारियों को लेकर रूपरेखा तैयार की गई। समाजसेवी ठाकुर यशवीर सिंह राघव ने महाराणा प्रताप भवन के लिए जैंत शेरगढ़ के महाराणा प्रताप मार्ग पर सामलिया फॉर्म हाउस के समीप एक बीघा जमीन दान दी थी। बैठक में भूमिपूजन के साथ, भवन निर्माण, सांस्कृतिक कार्यक्रम, सामाजिक कार्यों की रूपरेखा तैयार की गई। भवन निर्माण हेतु सवर्ण समाज के लोगों ने अपने अपने दान की घोषणा की। महाराणा प्रताप सेवा सदन के जिलाअध्यक्ष सुजान सिंह ने कहा कि वर्षों से महाराणा प्रताप भवन को लेकर कमेटियां बनी, बातचीत हुई। लेकिन जमीन न होने के चलते भवन बनना सपना ही रहा। यशवीर राघव द्वारा जमीन दान दिए जाने के बाद अब दिख रहा है कि मथुरा में बहुत ही भव्य और दिव्य महाराणा प्रताप भवन बनकर तैयार होगा। बैठक में गोवर्धन विधायक ठाकुर मेघश्याम सिंह, ठाकुर राजा भोज जैंत, राजेंद्र आचार्य, मास्टर किशन सिंह महरौली, ठाकुर परशुराम सिंह, कन्हैया ठाकुर करनी सेना, बंटी सिसोदिया, सियाराम प्रधान रामेश्वर सिंह, लाखन चौहान, राजवीर सिंह राघव, अजय राजावत, सुभाष राजावत, अशोक सिंह, गोविंद जादौन, विक्रम सिसोदिया, विक्रम सिंह, सत्यवीर सिंह, भूरी सिंह प्रधान सतोहा, रामवीर सिंह आदि उपस्थित रहे। अध्यक्षता सुजान सिंह और संचालन ठाकुर यशवीर राघव ने किया।

ट्रैन की चपेट में आने से युवक की मौत

मथुरा। थाना जैंत क्षेत्र अंतर्गत ट्रेन की चपेट में आकर युवक की मौत हो गई। पुलिस ने शव की शिनाख्त कराकर पोस्टमार्टम के बाद शव परिजन को सौप दिया। मृतक की पहचान ग्वालियर के देव नगर कॉलोनी, गलगड़ा थाने के पीछे अकबरपुर रोड निवासी ऋतिक पुत्र सुनील के रूप में हुई है। सूचना के बाद थाने पर पहुंचे ने बताया कि ऋतिक हैदराबाद में नौकरी करता था। वह घर से हैदराबाद के लिए निकला था। थाना प्रभारी जैंत अश्वनी कुमार ने बताया मथुरा- भरतपुर रेलवे लाइन पर खंभा संख्या 1410/9 आर पर मृतक का शव मिला था। परिजनों को शिनाख्त कराकर पोस्टमार्टम के बाद शव सौप दिया गया है। तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

वर्षा के दौरान तालाब पोखरों में नाहने से बचेः योगानंद पांडेय

मथुरा। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व योगानंद पांडेय ने बताया कि मानसून सीजन का प्रदेश में आगमन हो गया हैं तथा जनपद में मौसम विभाग के अनुसार आगामी दिवसों में वर्षा, वज्रपात ठ मेघ गर्जन की सम्भावना व्यक्त की गयी हैं। उक्त के सम्बन्ध में अवगत कराना हैं की पूर्व वर्षों में देखा गया हैं कि अधिक वर्षा की अवधि में वर्षा के दौरान घाटों/ तालाबों/ पोखरों/ नदी आदि में स्नान करने के दौरान बच्चों/ किशोर/ किशोरियों एवं अन्य व्यक्तियों की मृत्यु डूब कर व वज्रपात से जनहानि की घटनायें काफी बढ़ जाती हैं। उन्होंने लोगों से कहा है कि इन बहुमूल्य जिन्दगियों को बचाने के लिए खतरनाक घाटों/ तालाबों/ गड्ढों के किनारे न स्वयं जायें न ही बच्चों को जाने दें। यदि तैरना जानते हों तभी नदियों/तालाबों/घाटों के किनारे जाएँ। डूबते हुए व्यक्ति को धोती, साडी, रस्सी या बांस की सहायता से बचायें तथा तैरना नहीं जानते हों तो पानी में न जाएँ और सहायता के लिए पुकारें। उन्होंने जिले की जनता से अपील की है कि बच्चों को पुल/तालाबों/गड्ढों/तेज पानी के बहाव में स्नान करने से रोकें।बच्चों को पुल/पुलिया/उँचे टीलों से पानी में कूद कर स्नान करने से रोकें। यदि बहुत ही आवश्यक हो तो ही नदी के किनारे जायें, परंतु नदी में उतरते समय गहराई का ध्यान रखें। डूबे व्यक्ति को पानी से निकाल कर तत्काल दें प्राथमिक उपचार सबसे पहले देख लें कि डूबे हुए व्यक्ति के मुँह व नाक में कुछ फंसा तो नहीं है. यदि है तो उसे निकाले। नाक व मुँह पर उँगलियों के स्पर्श से जांच कर लें कि डूबे हुए व्यक्ति की सांस चल रही कि नहीं। नब्ज की जाँच करने के लिए गले के किनारे के हिस्सों में उँगलियों से छूकर जानकारी प्राप्त करें कि नब्ज चल रही है कि नहीं। नब्ज साँस का नहीं पता चलने पर डूबे हुए व्यक्ति के मुँह से मुँह लगाकर दो बार भरपूर साँस दें व 30 बार छाती के बीच में दबाव दें तथा इस विधि को 3-4 बार दुहराएँ। ऐसा करने से धड़कन वापस आ सकती है व साँस चलना शुरू हो सकती है।यदि डूबा हुआ व्यक्ति खाँस/बोल/साँस ले सकने कि स्थिति में है तो उसे ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित करें। मूर्च्छा या बेहोशी आने पर पुनः साँस देने व छाती में दबाव देने की प्रक्रिया शुरू करें।उपरोक्त प्रक्रिया के बाद बचाए गए व्यक्ति को अविलम्ब नजदीकी डॉक्टर अथवा प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र पर ले जाएँ।

गोकुल रेस्टोरेंट के समीप रीगल होटल में महाराणा प्रताप सेवा सदन के पदाधिकारियों की बैठक हुई

मथुरा। जिसमें कमेटी के समस्त लोगों ने आगामी 1 अगस्त को भूमिपूजन व तैयारियों को लेकर रूपरेखा तैयार की गई। समाजसेवी ठाकुर यशवीर सिंह राघव जी ने महाराणा प्रताप भवन के लिए जैंत शेरगढ़ के महाराणा प्रताप मार्ग पर सामलिया फॉर्म हाउस के समीप एक बीघा जमीन दान दी थी। भवन निर्माण हेतु अन्य दानदाताओ ने अपने अपने दान की घोषणा की। बहुत जल्द आप सब के बीच बहुत ही भव्य और दिव्य महाराणा प्रताप भवन बनकर तैयार होगा। जिसके लिए समस्त सवर्ण समाज का सहयोग चाहिए। जिसमें मुख्य अतिथि गोवर्धन विधायक ठाकुर मेघश्याम सिंह, ठाकुर यशवीर सिंह राघव, ठाकुर राजा भोज जैंत, राजेंद्र आचार्य, मास्टर किशन सिंह महरौली, ठाकुर परशुराम सिंह, कन्हैया ठाकुर करनी सेना, बंटी सिसोदिया, विष्णु पहलवान, सौरभ सिसोदिया, रामेश्वर सिंह, लाखन चौहान, राजवीर सिंह राघव, अजय राजावत, सुभाष राजावत, अशोक सिंह, गोविंद जादौन, विक्रम सिसोदिया, विक्रम सिंह, सत्यवीर सिंह, भूरी सिंह प्रधान सतोहा, रामवीर सिंह, सियाराम प्रधान जी भदनवारा, वीरेंद्र सिंह कुशवाह, हेमराज सिंह, भूरी सिंह बसौती, जगदीश सिंह, राजकुमार सिंह तरकर, सत्तो प्रधान जतीपुरा, संजीव कुमार, हरेंद्र सिंह तरकर, सीताराम सिंह छटीकरा, बनवारी लाल, डॉ. नवल सिंह, किशन सिंह एडवोकेट, सुनील तरकर, सुजान सिंह, ठाकुर रामजीलाल, गया प्रसाद तरकर, सियाराम प्रधान जी उपस्थित रहे। अध्यक्षता सुजान सिंह जी ने की।

एसएन मेडिकल कॉलेज में वूमेन हॉस्टल का भूमि-पूजन

आगरा। आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज में वूमेन हॉस्टल का भूमि पूजन बुधवार को हुआ। भूमि पूजन छात्राओं द्वारा कराया गया। 18 महीने में हॉस्टल तैयार करने की योजना है। उप्र राजकीय निर्माण निगम द्वारा निर्माण किया जाएगा। मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. प्रशांत गुप्ता के मार्गदर्शन में वूमेन हॉस्टल का भूमि पूजन कॉलेज की छात्राओं द्वारा किया गया। डॉ. प्रशांत गुप्ता ने बताया कि हॉस्टल का निर्माण उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम द्वारा किया जा रहा है। यह हॉस्टल 50 करोड़ की लागत से तैयार किया जा रहा है। यह हॉस्टल 18 महीने में तैयार हो जाएगा। वूमेन हॉस्टल में 530 छात्राओं के रहने की क्षमता होगी। 44 एकड़ में बनेगी नई बिल्डिंग वर्ष 2022 में मिनी एम्स बनाने के लिए इंटीग्रेटेड प्लान तैयार हुआ था। जिसमें इसमें एसएन की 24 एकड़ और लेडी लायल की 20 एकड़ जमीन को शामिल किया है। इसमें 160 करोड़ रुपए की लागत आएगी। इसमें पुरानी 40 से अधिक छोटी-बड़ी इमारत और भवनों को तोड़कर नए सात ब्लॉक बनाए जाएंगे। एसएन मेडिकल कॉलेज में अभी 976 बेड की सुविधा है।

फिलिस्तीन जिंदाबाद' के नारे मोहर्रम जुलूस से सामने आया वीडियो, 7 युवक गिरफ्तार किए गए

आगरा। आगरा के फतेहपुर सीकरी में मोहर्रम के जुलूस के दौरान 'फिलिस्तीन जिंदाबाद' के नारे लगे। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। पुलिस ने वीडियो का संज्ञान लेते हुए 7 युवकों को चिह्नित किया। देर रात इन युवकों को अरेस्ट कर लिया गया। बुधवार शाम 6.30 बजे बुलंद दरवाजा के पास स्थित बस्ती के युवक ताजिए लेकर तेहरा गेट कर्बला जा रहे थे। मुख्य बाजार में पहुंचते ही युवक रुक जाते हैं। पहले या हुसैन के नारे लगाते हैं। फिर इसी बीच फिलिस्तीन जिंदाबाद के नारे लगाए। कुछ सेकेंड तक फिलिस्तीन जिंदाबाद का नारे लगाते-लगाते युवक आगे बढ़ जाते हैं। 1.05 मिनट का यह वीडियो देर रात सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने इसका संज्ञान लिया। वीडियो के आधार पर युवकों को चिह्नित करना शुरू किया गया। डीसीपी पश्चिमी जोन सोनम कुमार ने बताया कि सोशल मीडिया पर युवकों के फिलिस्तीन जिंदाबाद के नारे लगाने का वीडियो वायरल हुआ है। वीडियो के आधार पर सात युवकों को चिह्नित कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। वीडियो में दिख रहे अन्य युवकों को चिह्नित किया जा रहा है। उनकी गिरफ्तारी को दबिश दी जा रही है। कस्बा चौकी प्रभारी दिनेश कुमार की ओर से इस मामले में मुकदमा दर्ज किया गया है।

दिल का दर्द पहचानें इसके लक्षण

कोरोनरी हार्ट डिजीज किसी भी उम्र में हो सकती है। समय रहते इलाज करा लिया जाए तो आप दिल के दौरे जैसे खतरे से बच सकते हैं।

कोरोनरी धमनी रोग यानी सीएडी एक तरह का हृदय रोग है, जिसमें हमारे हृदय की धमनियों के अंदर प्लेक नाम के एक मोम जैसे पदार्थ का निर्माण होने लगता है, जिससे हमारी धमनियां सिकुड़ जाती हैं और हमारे हृदय तक ऑक्सीजन युक्त खून का प्रवाह घट जाता है। यही प्लेक जब हमारे हृदय की धमनियों के आधे हिस्से में फैल जाता है तो हमारी छाती में दर्द होने लगता है और रोजमर्रा के काम में हमें परेशानी होने लगती है।

इसके अलावा छाती में कसाव और ऐंठन भी महसूस होने लगती है, जिसे एनजाइन कहते हैं। कंधे, बांह, गर्दन, दांत के जबड़े, पीठ और पेट के ऊपरी भाग में भी यह दर्द हो सकता है। सीएडी की वजह से ही दिल का दौरा पड़ता है। किसी व्यक्ति को दिल का दौरा तब पड़ता है, जब उसके प्लेक टूटने लगते हैं और धमनियों पर खून के थक्के जमने लगते हैं, जिससे हृदय की धमनियों में खून का प्रवाह बहुत कम समय में ही अवरुद्ध हो जाता है।

ऐसे में अगर खून का प्रवाह तुरंत पहले जैसा नहीं हुआ, तो हृदय की मांसपेशियां 20 मिनटों के बाद ही मृत होने लगती हैं। ऐसे में व्यक्ति का तुरंत इलाज करवाना चाहिए, नहीं तो सेहत से जुड़ी परेशानियों के अलावा मृत्यु तक का खतरा हो सकता है। सांस की कमी, मिचली आना, उल्टी करना, चक्कर आना आदि दिल के दौरे के लक्षण हैं।

इन वजहों से सीएडी में विकास होता है

धूम्रपान, बीमारी का पारिवारिक इतिहास, मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, सुस्त जीवनशैली, व्यायाम में कमी, तनाव, हाईपरलीपिडेमिया (खून में लीपिड की मात्रा का बढ़ना)।

समय रहते करा लें इलाज

सही समय पर हृदय से जुड़ी इस परेशानी का इलाज न कराया जाए तो हृदय काम करना बंद कर सकता है। इससे हृदय की पम्पिंग क्षमता कम हो जाती है, तो फेफड़ों में खून का जमाव होने लगता है और व्यक्ति को सांस लेने में दिक्कत होने लगती है। इसके अलावा हृदय की गति अचानक से रुक जाना भी इसकी एक बड़ी समस्या है। कई बार मरीज को यह आभास नहीं हो पाता कि उन्हें हृदय से जुड़ी कोई परेशानी है। इसलिए शुरुआत में ही बीमारी की पहचान हो जाए तो इस बीमारी का इलाज करना संभव होगा। फिर भी अगर बीमारी की पहचान नहीं हो पा रही हो और दवाइयों से भी कोई फायदा नहीं हो पा रहा हो, तो कार्डिएक रिसिंक्रोनाइजेशन थेरेपी की मदद ली जा सकती है। वहीं दिल के दौरे पड़ने पर खून के थक्कों को हटाने के साथ एंजियोप्लास्टी (अवरुद्ध धमनियों को खोलने की एक तकनीक) एक सुरक्षित तरीका है।

अपनाएं ये उपाय

अपनी जीवनशैली में कुछ जरूरी बदलाव कर आप इस बीमारी से बच सकते हैं, जिसमें वजन को नियंत्रित रखने के साथ निम्न बातों पर अमल करने की सलाह दी जाती है।

स्वस्थ डाइट अपनाएं

एक स्वस्थ डाइट एक स्वस्थ जीवनशैली का अहम हिस्सा होती है। एक दिन की डाइट में 25-35 प्रतिशत से ज्यादा कैलोरी नहीं होनी चाहिए। इसके साथ ही स्वस्थ डाइट में घुलनशील फाइबर होता है। फाइबर पाचन तंत्र को कोलेस्ट्रॉल सोखने से रोकता है। ओटमील, जई का चोकर, सेब, केले, संतरे, नाशपाती, आलूबुखारे, काबुली चने, राजमा, दाल, लोबिया में फाइबर प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। इसके अलावा खाने में नमक संतुलित मात्रा में होनी चाहिए, साथ ही खाने में ऊपर से नमक कभी न डालें। नियमित तौर पर अल्कोहल का सेवन करने वाले पुरुषों को दिन में दो बार से ज्यादा ड्रिंक नहीं लेनी चाहिए।

शारीरिक तौर पर रहें सक्रिय

नियमित रूप से शारीरिक श्रम हृदय से जुड़ी कई बीमारियों (जैसे उच्च रक्तचाप, अत्यधिक वजन) के खतरे को कम कर देता है। यही नहीं, यह मधुमेह के खतरे को भी कम करता है। शारीरिक रूप से सक्रिय रहने के लिए आप रोज तेज-तेज चलें, सीढियां चढ़ें या कोई खेल खेलें। जॉगिंग, स्विमिंग, बाइकिंग, वॉकिंग जैसे एरोबिक व्यायाम भी आपके हृदय को स्वस्थ बनाते हैं। एक हफ्ते में 150 मिनट यानी करीब ढाई घंटे के हल्के व्यायाम या 75 मिनट यानी सवा घंटे के कड़े व्यायाम की सलाह दी जाती है।

धूम्रपान से बचें

धूम्रपान दिल का दौरा पड़ने का एक बहुत बड़ा कारण है। आंकड़े बताते हैं कि 65 साल के कम उम्र के एक तिहाई लोगों में क्रोनिक हर्ट डिजीज का मुख्य कारण धूम्रपान होता है। वहीं जिन लोगों ने समय रहते ही धूम्रपान छोड़ा है, उनमें कोरोनरी धमनी रोग से उत्पन्न मृत्यु का खतरा करीब आधा कम हो गया। यह भी देखा गया है कि जो लोग घूम्रपान नहीं करते, उनका इलाज धूम्रपान करने वाले लोगों से ज्यादा प्रभावी तरीके से हो पाता है।

तनाव से रहें दूर

रिसर्च बताते हैं कि मानसिक तनाव भी दिल का दौरा पड़ने का एक अहम कारण है। कई बार तनाव दूर करने के लिए लोग ड्रिंक, धूम्रपान या ओवरईटिंग का सहारा लेने लगते हैं, जिससे हृदय की सेहत पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसलिए तनाव से दूर रहें और हृदय को स्वस्थ रखें।

ऐसे पहचानें ब्रेन हैमरेज

सामान्य चिकित्सक सबअरैक्नॉइड हैमरेज़ के मुख्य लक्षण के तौर पर तेज होने वाले सिरदर्द की पहचान करने में विफल रहते हैं और 18 फीसदी मरीज़ों को अस्पताल में भर्ती कराते समय तंत्रिका संबंधी जांच नहीं उपलब्ध नहीं होती है।

ब्रेन हैमरेज यानी मस्तिष्क आघात, विशेषकर धमनी विकार से पीड़ित व्यक्ति की जांच या उसके इलाज में हुई देरी मरीज़ की देखभाल के लिए नुकसानदेह साबित हो सकती है।

इन 7 अंगों में दर्द हो सकता है गंभीर रोगों का इशारा

मरीज़ों की स्थिति और मृत्यु को लेकर राष्ट्रीय विश्वसनीयता जांच रिपोर्ट (एनसीईपीओडी) में कहा कि सामान्य रोग चिकित्सक मस्तिष्क आघात के लक्षणों की पहचान करने में विफल रहते हैं और स्वास्थ्य लाभ की स्थितियां खराब हैं।

बार-बार सिरदर्द के पीछे हो सकती है यह वजह

हालांकि एनसीईपीओडी ने 58 फीसदी मामलों में बेहतर देखभाल पाई है। ब्रिटेन में हर वर्ष पांच हजार लोग सबअरैक्नॉइड हैमरेज़ से प्रभावित होते हैं। एनसीईपीओडी की यह रिपोर्ट सबअरैक्नॉइड हैमरेज़ के 427 मामलों के विश्वसनीय विश्लेषण पर आधारित है। इनमें इंग्लैंड, वेल्स, उत्तरी आयरलैंड, द चैनल आइसलैंड और आइल ऑफ मैन से पीड़ित शामिल हैं। कुल मिलाकर रिपोर्ट में इस प्रकार के मस्तिष्क आघात वाले मरीज़ की देखभाल में बड़े स्तर पर आए बदलाव का एक उपलब्धि के तौर पर स्वगत किया गया है। रिपोर्ट में कहा कि 90 फीसदी अस्पतालों में सप्ताह के साते दिनों सीटी स्कैन की सुविधा उपलब्ध रहती है और 86 फीसदी मरीज़ों का इलाज आधुनिकतम एंडोवैस्कुलर तकनीकों के इस्तेमाल के जरिए होता है। लेकिन दूसरे इलाकों में मरीजों को यह सुविधाएँ उपलब्ध नहीं हैं।

सप्ताहांत में होने वाली देरी

देखा गया है कि सामान्य चिकित्सक सबअरैक्नॉइड हैमरेज़ के मुख्य लक्षण के तौर पर तेज होने वाले सिरदर्द की पहचान करने में विफल रहते हैं और 18 फीसदी मरीज़ों को अस्पताल में भर्ती कराते समय तंत्रिका संबंधी जांच नहीं उपलब्ध नहीं होती है। रिपोर्ट के अनुसार अस्पताल में भर्ती होने के बाद सप्ताहांत के समय इलाज में देरी होना आम बात है। तीस फीसदी मरीजों को 24 घंटों के अंदर इलाज मिल पाता है। जबकि सामान्य दिनों में 70 फीसदी मरीजों का इलाज संभव हो पाता है। एनसीईपीओडी की रिपोर्ट के अनुसार सर्जरी के बाद अस्पताल से छुट्टी होने पर देखभाल में सुधार किया जा सकता है।

इस रिपोर्ट के सह-लेखक और सलाहकार सर्जन प्रोफेसर माइकल गॉह ने कहा कि सबअरैक्नॉइड हैमरेज़ के बहुत से मरीज़ अपनी बाकी के जीवन में रोज़मर्रा के कामकाज के लिए दूसरों पर निर्भर हो जाते है। इसलिए यह जरूरी है कि इस बीमारी से पीड़ित सभी मरीज़ों की न केवल सर्जरी के बाद तुरंत सही देखभाल हो बल्कि बाद में ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि जिनता जल्दी संभव हो, मरीजों की उनके स्वस्थ होने में मदद की जाए। एनसीईपीओडी की इस रिपोर्ट में अस्पतालों को स्थानीय विशेषज्ञ तंत्रिकातंत्र केंद्र से सम्बद्ध करने की सिफारिश की गई है, ताकि मरीजों का समय रहते इलाज संभव हो सके। इसके साथ ही मरीजों की जांच और प्रबंधन सुधारने के लिए देखभाल के मानक प्रक्रियाएं लागू करने की सिफारिश की है।

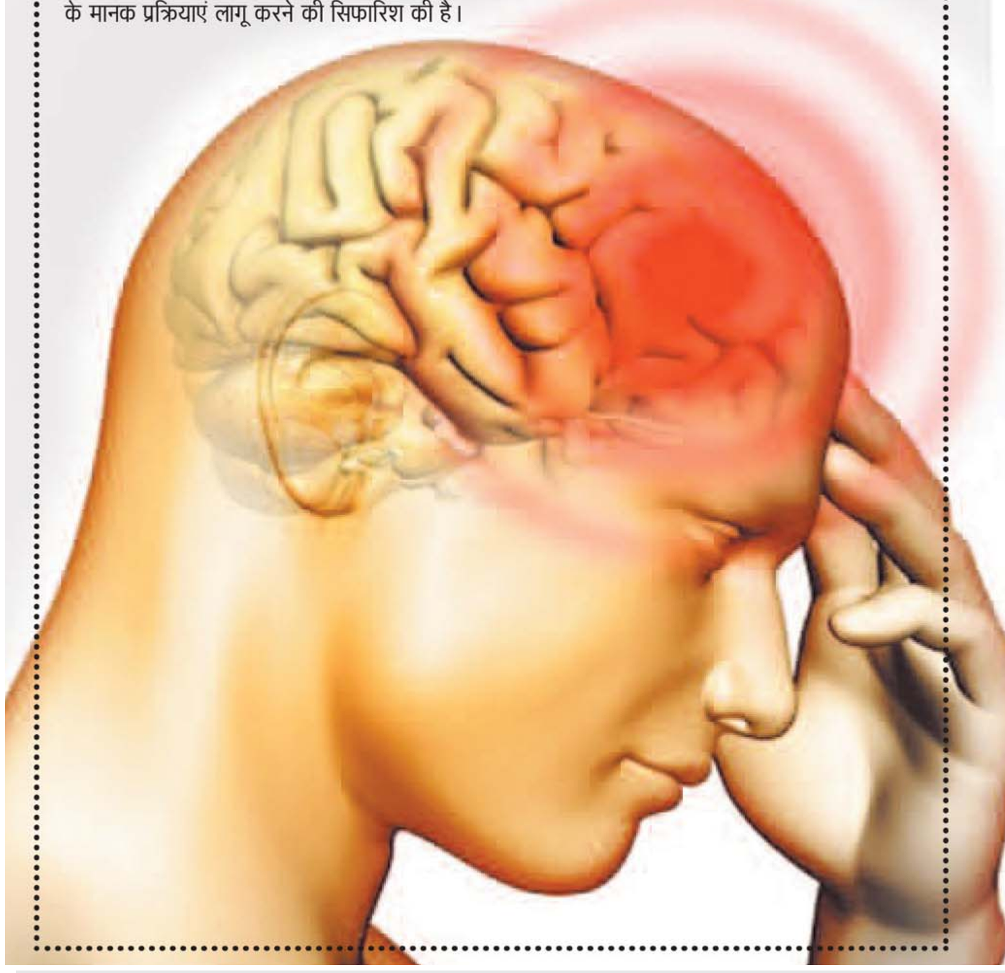

किशोरों में बढ़ रही मधुमेह की बीमारी

एक दशक पूर्व व्यस्कों में होने वाली मधुमेह की बीमारी अब किशोरों को भी चपेट में ले रही है। लेकिन इसके बारे में जानकारी हासिल करना कि बच्चा मधुमेह से पीड़ित है या नहीं प्रत्येक माता-पिता के लिए चिंता का कारण बन रही है। किशोर मधुमेह अनुसंधान फाउंडेशन के मुताबिक तेजी से बच्चों में टाइप-1 मधुमेह की बीमारी बढ़ रही है। जीवन शैली में लगातार हो रहे बदलाव से टाइप-2 मधुमेह भी बढ़ रहा है। जिले में भी एक बड़ी संख्या में बच्चे मधुमेह की चपेट में आ रहे हैं। मधुमेह के प्रति जागरूकता लाने के लिए विश्व मधुमेह दिवस किशोर मधुमेह जागरूकता के रूप में मनाया जाता है।

क्या है मधुमेह बीमारी का कारण

वरिष्ठ फिजीशियन डा. अरविंद डोगरा बताते हैं कि किशोर मधुमेह अनुवाशिक मुद्दा है। बच्चों में टाइप-1 मधुमेह का मतलब है कि उनके शरीर में इंसुलिन नहीं बन रहा और इस बीमारी से बचने के लिए उन्हें बाहर से इंसुलिन लेने की जरूरत है। किशोर मधुमेह या इंसुलिन- डिपेंटेंड मधुमेह के तौर पर जाना जाने वाली यह बीमारी बच्चे के जीवन को पुनर्परिभाषित कर सकती है जिन्हें नियमित रूप से रक्त शर्करा स्तर (बल्ड शुगर लेवल) और उसके प्रबंधन की आवश्यकता होगी।

कैलोरी का च्यादा सेवन, सामान्य चीनी, संतृप्त वसा और कम फाइबर वाले अनुचित आहार एवं कम होती शारीरिक गतिविधि के साथ तेजी से बदलती जीवनशैली उन्हें अधिक घातक टाइप-2 मधुमेह की चपेट में धकेल सकता है।

कैसे पहचाने मधुमेह

ज्यादातर लोग इस बात से अनजान हैं कि मधुमेह बच्चों को भी हो सकता है, जब तक हालात बहुत न बिगड़ जाए तब तक बीमारी का पता नहीं चलता। हालाकि बीमारी की शुरुआत धीमी है और माता-पिता अक्सर लक्षण के बारे में भ्रमित रहते हैं या उसे नजर अंदाज कर देते हैं। इसके बावजूद प्यास या पेशाब में वृद्धि, देखने की क्षमता से जुड़ी समस्याएं, अचानक कम होता वजन या बच्चे में सुस्ती कुछ ऐसे लक्षण हैं जिन्हें गंभीरता से लेना चाहिए। तुरंत किसी डॉ से परामर्श करना चाहिए और बच्चे की जरूरी जाच करनी चाहिए क्योंकि इन समस्याओं की वजह संभव है मधुमेह हो।

सावधानी बरत कर करें बचाव

मधुमेह को रोकने के लिए जरूरी है कि हम अनिवार्य और नियमित शारीरिक गतिविधि के साथ स्वस्थ खानपान और ग्लूकोस के स्तर की नियमित निगरानी करें। स्वस्थ खानपान और शारीरिक गतिविधि के जरिए मोटापे और इसके विनाशकारी परिणाम से बचा सकती है। मधुमेह से पीड़ित कोई बच्चा हाइपोग्लिसेमिक (ब्लड शुगर कम हो जाना) हो जाए, तो जरूरी है कि बच्चे को दो चम्मच चीनी, ग्लूकोज या मीठा पेय दिया जाए।

रोज योग का फायदा जानते हैं आप?

योग हमारी सेहत के लिए कितना फायदेमंद है, यह बताने की जरूरत नहीं। पर यह फेफड़ों की बीमारी से पीड़ित मरीजों की जिंदगी को बेहतर बनाने का बेहद आसान और कम खर्चीला तरीका भी साबित हो सकता है।

ये नौकरियां हैं फेफड़े के लिए खतरनाक

एम्स के डॉक्टरों द्वारा किए गए अध्ययन में यह दावा किया गया है। इस अध्ययन को यहां आयोजित चेस्ट 2013 की बैठक में पेश किया गया।

जानें, एक्सरसाइज के दिलचल्प विकल्प

इसमें 12 हफ्तों की ट्रेनिंग के बाद क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पुलमोनेरी डिजीज (सीओपीडी) से पीड़ित मरीजों के फेफड़े और सांस संबंधी तकलीफों में महत्वपूर्ण सुधार देखने को मिला। ऐसे मरीजों को अपने फेफड़ों से सांस बाहर निकालने में तकलीफ होती है, जिससे ताजी हवा शरीर के अंदर लेना मुश्किल हो जाता है। शोधकर्ताओं ने बताया कि वैसे तो सीओपीडी का कोई इलाज नहीं है, लेकिन सांस लेने में तकलीफ जैसे लक्षणों को नियंत्रित कर इस बीमारी से पीड़ित मरीजों की जिंदगी को बेहतर बनाया जा सकता है। सिगरेट पीने की वजह से ज्यादातर लोग इस बीमारी की चपेट में आ जाते हैं और इसके लक्षण अक्सर 40 की उम्र में देखने को मिलते हैं।

संक्षिप्त समाचार

जनता को सच्चाई बतानी चाहिए, गहलोत ने भजनलाल के दावों पर उठाए सवाल

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के बिजलीघरों को आपूर्ति के लिए छत्तीसगढ़ में कोयला ब्लॉक आवंटन को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दावों पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सवाल उठाए हैं। गहलोत ने कहा- राजस्थान और छत्तीसगढ़ की जनता को इसकी सच्चाई बताई जानी चाहिए. क्या दोनों मुख्यमंत्रियों को अधिकारी इस मुद्दे पर गुमराह कर रहे हैं ? या दोनों मुख्यमंत्री मिलकर अपने-अपने राजनीतिक हितों के अनुरूप जनता को गुमराह कर रहे हैं. बिजली जैसे जरूरी मुद्दे पर दोनों सरकारों को संवेदनशील होने की आवश्यकता है। इस तरह की भ्रम फैलाने वाली राजनीति से किसका भला होगा ? उन्होंने छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री के बयान का हवाला देते हुए कहा है कि राजस्थान के मुख्यमंत्री को जनता को इसकी सच्चाई बतानी चाहिए। दरअसल, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का दावा है कि छत्तीसगढ़ सरकार ने 91.21 हेक्टेयर वन भूमी का उपयोग करने की अनुमति दे दी है, जबकि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का कहना है कि ऐसी कोई बात नहीं है। अशोक गहलोत ने आज एक बयान जारी कर कहा कि यह बेहद ही आश्चर्यजनक है कि राजस्थान के मुख्यमंत्री और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के बयानों में विरोधाभास है। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा दावा करते हैं कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा राजस्थान के विद्युत गृहों के लिए कोयले की आपूर्ति के लिए हसदेव अरण्य कोलफील्ड में संचालित परसा ईस्ट एवं कांता बासन (पीईकेबी) कोल ब्लॉक की 91.21 हेक्टेयर वनभूमि का उपयोग करने की अनुमति प्रदान कर दी है, लेकिन आज छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय कहते हैं कि ऐसी कोई बात ही नहीं है।

बेटे के साथ हैवानियत कर मां ने बनवाया वीडियो

हरिद्वार, एजेंसी। वह 11 साल के लड़के के पेट पर बैठ जाती है। फिर लगातार मुक्कों से उसपर हमला करने लगती है। बच्चे का बाल पकड़कर नोचने लगती है। उसका सिर जोर-जोर से जमीन पर पटकती हुई दिखती है। वायरल हो रहे वीडियो में हैवानियत की हदें पार करने वाली कोई और नहीं बल्कि उस मासूम की मां निकली। जन्म देने वाली मां अपने बेटे को पीटते हुए चिल्लाकर कहती है, बनाओ इसका वीडियो। यह देवभूमि उत्तराखंड के हरिद्वार के झबरेडा का मामला है। मां की दरिंदगी का वीडियो वायरल हो गया है। वीडियो में मासूम रो-रोकर चिल्ला रहा है। वह पीने के लिए पानी मांग रहा है। लेकिन उसकी मां लगातार पीट रही है। वह उसका दोनों हाथ पकड़कर उसके छाती को दांत से काटने लगती है। ऐसा वह दो बार करती है। बेटे का मुंह नोचकर गला दबाने लगती है। मासूम अपनी मां को पीछे हटाने की कोशिश करता है। लेकिन उसकी मां गर्दन मोड़ देती है। फिर वह उसे लात मारकर भगा देती है।

कुत्ते से हैवानियत, डंडे से पीटा फिर गले में रस्सी डाल सड़क पर घसीटा

नंदुरबार, एजेंसी। महाराष्ट्र के नंदुरबार शहर में पुलिस ने एक शख्स पर कुत्ते से हैवानियत की हदें पार करने के मामले में मामला दर्ज किया है। उसने कथित तौर पर पहले डंडे से कुत्ते को बेरहमी से पीटा और फिर गले में रस्सी डालकर उसे सड़क पर घसीटा। इस घटना में कुत्ते की दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पीपुल फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स के लिए काम करने वाली महिला की शिकायत पर मुकदमा दर्ज हुआ है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि 10 जुलाई की शाम माधव गुरव (50) ने लावारिस कुत्ते की डंडे से बेरहमी से पिटाई कर दी। उन्होंने बताया कि गुरव ने कथित तौर पर कुत्ते के गले में रस्सी बांध उसे सड़क पर घसीटा। अधिकारी ने बताया कि पीपुल फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स (पेटा) के लिए काम करने वाली प्रीति जायसवाल और उनकी दोस्त घायल कुत्ते को नंदुरबार के एक सरकारी अस्पताल ले गईं, लेकिन दो घंटे के भीतर ही कुत्ते ने दम तोड़ दिया। जब जायसवाल ने पेटा के अन्य सदस्यों को घटना के बारे में बताया तो सिनचना सुब्रमण्यम (30) ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। अधिकारी ने बताया कि इसके बाद गुरव के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 325 और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के तहत पशु को मारने या अपंग करने का मामला दर्ज किया गया। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने गुरव को नोटिस भेजा है और मामले की जांच जारी है।

विवाद के बाद धाम शब्द हटाया, दिल्ली में केदारनाथ मंदिर बनाकर रहेंगे

रौतेला ने किया ऐलान

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में केदारनाथ मंदिर बनाने के मुद्दे पर उपजा विवाद बढ़ता ही जा रहा है। बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) ने केदारनाथ मंदिर की नकल बनाने की योजना के लिए ट्रस्ट के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की धमकी दी है। वहीं, श्री केदारनाथ धाम दिल्ली ट्रस्ट के संस्थापक सुरेंद्र रौतेला ने बुधवार को कहा कि वह यहां केदारनाथ मंदिर बनाकर ही रहेंगे।

श्री केदारनाथ धाम दिल्ली ट्रस्ट के संस्थापक सुरेंद्र रौतेला ने कहा कि वह दिल्ली में केदारनाथ मंदिर की प्रतिकृति बनाने से पीछे नहीं हटेंगे और जरूरत पड़ने पर कानूनी लड़ाई लड़ने के लिए भी तैयार हैं।

उत्तराखंड में मंदिरों और मंदिरों की देखरेख करने वाली शीर्ष संस्था बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) ने दिल्ली के बुराड़ी में मूल केदारनाथ मंदिर की नकल बनाने की योजना के लिए दिल्ली ट्रस्ट के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की धमकी दी है। वहीं, चार धाम से जुड़े उत्तराखंड के पुजारियों ने भी दिल्ली में केदारनाथ मंदिर बनाने की योजना पर घोर आपत्ति जताई है। विवाद के बीच ट्रस्ट के संस्थापक रौतेला ने कहा कि उन्होंने भ्रम से बचने के लिए अपने ट्रस्ट के नाम से धाम शब्द हटाने का फैसला किया है, लेकिन यहां भक्तों के लिए मंदिर बनाने से पीछे नहीं हटेंगे। रौतेला ने पीटीआई-भाषा से कहा, केदारनाथ की तर्ज पर मंदिर बनाने वाले हम पहले लोग नहीं हैं। इंदौर और मुंबई में भी ऐसा है। अगर वे (बीकेटीसी) कानूनी कार्रवाई करना चाहते हैं तो उन्हें सभी के खिलाफ ऐसा करना चाहिए। उन्होंने कहा, हमने कुछ भी गलत नहीं किया है, हम हिंदुओं और सनातन धर्म के लिए अच्छा काम कर रहे हैं। कानूनी चुनौती के बावजूद हम मंदिर बनाना जारी रखेंगे। रौतेला ने बताया कि दिल्ली में केदारनाथ मंदिर उनके ट्रस्ट द्वारा एकत्रित दान राशि से बनाया जाएगा और अगले दो से तीन वर्षों में तैयार हो जाएगा। वहीं, बीकेटीसी के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने आरोप लगाया कि एक ऑनलाइन एप्लिकेशन का उपयोग करके भक्तों को दिल्ली में केदारनाथ धाम के ऑनलाइन दर्शन की व्यवस्था करने का वादा किया जा रहा है। इसके खिलाफ उन्होंने उत्तराखंड में श्री केदारनाथ धाम दिल्ली ट्रस्ट के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। अजय ने कहा, हमने कानूनी राय ली है और दिल्ली में केदारनाथ मंदिर के निर्माण को रोकने के लिए विभिन्न विकल्पों पर विचार कर रहे हैं।

उमर अब्दुल्ला ने कहा, सरकार को आतंकी हमलों में जिम्मेदारी लेनी होगी

जम्मू, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने डोडा जिले में सोमवार शाम सुरक्षाबलों पर आतंकवादी हमले को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। इस हमले में एक अधिकारी सहित सेना के चार जवान और एक स्थानीय पुलिसकर्मी शहीद हो गया था। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि पिछले एक साल से जम्मू में आतंकी गतिविधियां बढ़ी हैं। शायद ही जम्मू का कोई ऐसा इलाका है, जो आतंकी गतिविधियों से बचा है। पीर पंजाल में लगातार आतंकी हमले हो रहे हैं। रियासी, सांबा, कठुआ में भी हमले हो रहे हैं। अगर हमारी सूचना सही है तो पिछले एक साल में हमारे सुरक्षा बलों के 55 लोग मारे गए हैं। हर हमले के बाद केंद्र सरकार कहती है कि आतंकवाद अपनी अंतिम सांसें ले रहा है, लेकिन हमें आतंकवाद का खात्मा होता नजर नहीं आ रहा है।

सरकार यह नहीं बताती है कि आतंकवाद को खत्म करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं। ऐसे हमलों के बाद किसी न किसी की जिम्मेदारी जरूर बनती है। सरकार को अपनी जिम्मेदारी स्वीकारनी होगी।उन्होंने जम्मू-कश्मीर के डीजी के बारे में कहा कि उन्होंने सियासत में कदम रख दिए हैं। बेहतर यह होता कि सियासत का काम नेताओं को करने देते। उनका काम यहां के हालातों को बेहतर बनाना, आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई करना है। डीजी का काम आतंकवादियों के खिलाफ लड़ना है, इसलिए उनको अपना काम करना चाहिए और हमको अपना काम करने दें।

उमर अब्दुल्ला ने मुहर्रम के जुलूस में लोगों की गिरफ्तारी पर कहा कि पुलिस को इस तरह की कार्रवाई नहीं करनी चाहिए। किसी और धर्म के लोगों को निशाना नहीं बनाया जाता है।

शिमला में अंग्रेजों के जमाने से हो रहे शोर के खिलाफ शिकायत

शिमला, एजेंसी।
हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में रोजाना ऑफिस टाइमिंग के दौरान सुबह व शाम को बजने वाले सायरन के खिलाफ पुलिस में शिकायत की गई है। शिकायतकर्ता महिला ने सायरन बजने से होने वाले ध्वनि प्रदूषण का हवाला देते हुए शहर के दो थानों में शिकायत दर्ज करवाई है। इस शिकायत मिलने से पुलिस भी हैरान है और उसने सायरन बजाने वाले सरकारी विभागों से पत्राचार कर इस सम्बन्ध में जवाब मांगा है। साथ ही पुलिस सायरन को लेकर कानूनी पहलुओं पर भी विचार कर रही है, क्योंकि यह मामला सीधे तौर पर प्रशासन व सरकार से जुड़ा है।

शहर के दो पुलिस थानों सदर व छोटा शिमला में दी शिकायत में मानवाधिकार कार्यकर्ता सुमन कदम ने सायरन बजाए जाने की परम्परा पर सवाल खड़े किए हैं, साथ ही यह भी कहा है कि इसकी तीखी आवाज से शहरवासी परेशान हो रहे हैं और खासकर बुजुर्गों व बीमार लोगों के लिए यह बेहद नुकसानदायक है।

दिलचस्प बात यह है कि उन्होंने सायरन बजाए जाने को गैर कानूनी ठहराते हुए इसके लिए जिम्मेवार अधिकारियों के खिलाफ स्नढ्ढक्र दर्ज करने की भी मांग की है। अपनी शिकायत में महिला ने तर्क दिया है कि आज के तकनीकी युग में ऑफिस टाइमिंग के लिए सायरन बजाना तर्गसंगत नहीं है, क्योंकि सभी के पास मोबाइल व घड़ियां हैं और किसी को भी ऑफिस टाइमिंग की सूचना देने की जरूरत नहीं है।

सर्वोच्च न्यायालय व हिमाचल सरकार द्वारा किसी भी प्रकार की ध्वनि बजाने के लिए इसकी मात्रा 55 डेसिबल निर्धारित की गई है, जबकि शिमला शहर के सी.टी.ओ. कार्यालय और छोटा शिमला में राज्य सचिवालय के समीप पुलिस थाना के पीछे दीवार पर लगे सायरन की ध्वनि इससे कहीं अधिक है। छोटा शिमला में लगे सायरन की ध्वनि को मापा गया तो यह 89.3 डेसिबल पाई गई, जबकि सी.टी.ओ. में लगे भौंपू की ध्वनि की मात्रा 88.30 डेसिबल पाई गई। इस संबंध में शिकायतकर्ता महिला ने पुलिस थाना छोटा शिमला व सदर पुलिस थाना शिमला में इनकी शिकायत देते हुए हिमाचल प्रदेश इंस्ट्रूमैंटल्ज (कंट्रोल ऑफ नोइसेज) एक्ट-1969 की धारा-3 के तहत स्नढ्ढक्र दर्ज करने को लेकर शिकायत पत्र भेजा है। शिकायतकर्ता का कहना है कि इस संबंध में जब जिला प्रशासन से इसकी अनुमति के बारे में पूछा गया तो ए.डी.एम. कानून व्यवस्था ने साफ कहा है कि इस प्रकार की कोई अनुमति जिला प्रशासन की ओर से नहीं दी गई है। यानी जो सायरन लंबे समय से शिमला में बज रहे है, वह पूरी तरह से गैर कानूनी है।

बिजली बिल आधे की जगह दोगुने हुए, बढ़ी दरों को लेकर कांग्रेस का एकसाथ प्रदर्शन

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बुधवार को डिस्कॉम द्वारा बिजली दरों में बढ़ोतरी के खिलाफ राष्ट्रीय राजधानी में 55 से अधिक स्थानों पर विरोध प्रदर्शन किया। हाथों में तख्तियां लिए प्रदर्शनकारी कांग्रेसियों ने आम आदमी पार्टी के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार के खिलाफ नारे लगाए और शहर में डिस्कॉम के साथ मिलीभगत का आरोप लगाया। पार्टी कार्यकर्ताओं और जनता को संबोधित करते हुए दावा किया कि केजरीवाल सरकार ने बिजली की दरों को आधा करने का वादा किया था लेकिन पिछले एक दशक में सरकार ने पिछले दरवाजे से दरों को दोगुना कर दिया। यादव ने कहा, आम आदमी पार्टी की सरकार इस वादे के साथ आई थी कि ये बिजली बिल आधे कर देंगे, आज 10 साल बाद यह साफ दिख रहा है कि जो बिल आधे होने चाहिए थे वह दोगुने हो गए हैं। शीला दीक्षित की सरकार के समय 2013 में औसत बिलिंग दर लगभग 5 रुपए थी, अब यह 10 रुपए प्रति यूनिट हो गई है। अगर केजरीवाल ने आधी दर पर बिजली देने का अपना वादा पूरा किया होता तो दर 2.50 रुपए होनी चाहिए थी। इस सरकार ने वादे बहुत किए लेकिन पूरे कुछ नहीं किए। यह सरकार लगातार लोगों को धोखा देने का काम कर रही है। यादव ने आरोप लगाया कि डिस्कॉम को बिजली खरीद समायोजन शुल्क में नौ प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी करने की अनुमति मिल गई है। कांग्रेस नेता ने कहा कि बिजली दरों में इस वृद्धि से दुकानदारों, लघु एवं मध्यम औद्योगिक इकाइयों और आम घरों पर भारी वित्तीय बोझ पड़ा है। यादव ने आरोप लगाया कि केजरीवाल सरकार पिछले 10 वर्षों से बिजली उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ डालने के लिए बिजली कंपनियों को हर वर्ष चुपचाप पीपीएसी सरचार्ज में छह से 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी करने की अनुमति दे रही है। उन्होंने यह भी दावा किया कि कांग्रेस सरकार ने अपने 15 साल के कार्यकाल में बिजली दरों में केवल चार बार और नाममात्र वृद्धि की थी, लेकिन केजरीवाल सरकार के तहत डिस्कॉम को पीपीएसी सरचार्ज के नाम पर बिजली दरें बढ़ाने की खुली छूट दी गई, जिससे बिजली उपभोक्ताओं पर असहनीय वित्तीय बोझ पड़ा है।

कुवैत दूतावास में महिला का यौन उत्पीड़न, 70 साल के अबू बकर पर आरोप

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली स्थित कुवैत दूतावास के एक कर्मचारी को महिला के यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। सेंट्रल दिल्ली के चाणक्यपुरी में स्थित कुवैत दूतावास में काम करने वाली एक हाउसकीपिंग स्टाफ के साथ यहां के वर्कर पर गलत काम करने का आरोप लगा है। अधिकारियों ने बुधवार को इस बात की जानकारी दी है। आरोपी की पहचान 70 साल के अबू बकर के तौर पर हुई है। पुलिस ने इस मामले में बीते गुरुवार को स्नढ्ढक्रदर्ज की थी और फिर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के मुताबिक, गुरुवार को एक पीसीआर कॉल के जरिए उन्हें इस घटना की जानकारी मिली थी। फोन करने वाले शख्स ने खुद को 20 साल की पीड़िता का पति बताया था। अधिकारी ने कहा कि फोन करने वाले शख्स ने बताया, अबू बकर पिछले दो सालों से दूतावास में काम कर रहा है। उसने काम के दौरान उनकी पत्नी का यौन उत्पीड़न किया है।

अधिकारी ने कहा कि शिकायत मिलने के बाद स्थानीय पुलिस थाने की एक टीम घटनास्थल पर पहुंची थी और फिर मामले की जांच की गई। इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 74 के तहत चाणक्यपुरी थाने में केस दर्ज किया गया।

एयरपोर्ट पर बेहोश होकर गिर पड़े बुजुर्ग, महिला डॉक्टर ने यूं बचा ली जान

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली एयरपोर्ट पर महिला चिकित्सक की सूझबूझ से एक बुजुर्ग की जान बच गई। दरअसल इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के टर्मिनल-2 पर करीब 60 साल के बुजुर्ग अचानक बेहोश होकर गिर गए। एयरपोर्ट पर जमीन पर पड़े बुजुर्ग के आसपास लोगों की भीड़ जमा हो गई। लेकिन तब ही वहां पहुंची एक महिला चिकित्सक ने तुरंत सीपीआर देकर बुजुर्ग की जान बचा ली। बताया जा रहा है कि महिला डॉक्टर ने कुछ मिनटों तक लगातार बुजुर्ग को सीपीआर दिया और फिर उनको होश आ गया।

बताया जा रहा है कि यह घटना 14 जुलाई की है। इस दिन यह बुजुर्ग इंडिया की फ्लाइट संख्या 6ई 2023 से दिल्ली से भुवनेश्वर जाने की तैयारी में थे। उनकी फ्लाइट शाम साढ़े पांच बजे थी। जब वो लेकिन विमान पर चढ़ने से पहले एयरपोर्ट के अंदर फूड कोर्ट में थे तब ही अचानक वो बेहोश हो गए। उस वक्त दिल्ली एयरपोर्ट पर मेदांता अस्पताल की महिला चिकित्सक की तैनाती थी। महिला चिकित्सक बिना वक्त गंवाए तुरंत मदद के लिए वहां पहुंच गई। उन्होंने सीपीआर देकर बुजुर्ग की जान बचा ली।

इस पूरी घटना का एक वीडियो भी अब सामने आया है। इस वीडियो में नजर आ रहा है कि बुजुर्ग यात्री जमीन पर बेहोश पड़े हैं। इस दौरान वहां लोगों की भीड़ लग गई है। भीड़ के बीच एक महिला डॉक्टर बुजुर्ग को लगातार सीपीआर दे रही हैं। महिला को सीपीआर देते दुख कुछ अन्य लोग भी उनकी मदद करने लगते हैं। सोशल मीडिया पर यह वीडियो वायरल होने के बाद कई लोगों ने लेडी डॉक्टर की तारीफ की है।

गालों को काटा, दांत तोड़ दिए...; कोर्ट ने रेप के दोषी को सजा सुनाते हुए कहा- तुम रहम के लायक नहीं

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली की एक अदालत ने पांच साल की बच्ची से बलात्कार के दोषी एक व्यक्ति को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। कोर्ट ने कहा दोषी ने बच्ची के साथ जानवरों जैसा व्यवहार किया था। ऐसे में वह रहम करने के लायक नहीं है।

बच्चों के खिलाफ अपराधों की बढ़ती घटनाओं पर दुख और पीड़ा व्यक्त करते हुए अदालत ने कहा कि इस जघन्य कृत्य के लिए सजा भी वैसी ही मिलनी चाहिए, ताकि यह इस तरह के अपराध को रोकने में एक प्रभावी निवारक के रूप में काम कर सके।

रोहिणी जिला अदालत के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सुशील बाला डागर उस व्यक्ति के खिलाफ मामले की सुनवाई कर रहे थे, जिसे पहले यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की धारा 6 के तहत दोषी ठहराया गया था। 28 वर्षीय व्यक्ति को अपहरण, गंभीर चोट पहुंचाने और बलात्कार के दंडनीय अपराधों का भी दोषी ठहराया गया था।

अतिरिक्त लोक अभियोजक योगिता कौशिक ने कहा कि दोषी के घृणित और निंदनीय कृत्य सहानुभूति के पात्र नहीं हैं। उन्होंने कहा कि बच्चे का अपहरण करते समय आदमी ने उसके गालों को काट लिया और उसके चेहरे पर इतनी जोर से वार किया कि उसके दांत टूट गए।

11 जुलाई को पारित एक आदेश में न्यायाधीश ने कहा था कि यह अदालत बच्चों के खिलाफ अपराधों की बढ़ती दर पर दुख व्यक्त करती है। पांच साल की बच्ची भाई दूज त्योहार के लिए अपने नाना-नानी के घर गई थी, जहां से उसका अपहरण कर दोषी ने उसके साथ जानवरों जैसा व्यवहार किया। बच्ची की गरिमा और शारीरिक पवित्रता नष्ट की गई। यह कहना कि बच्चा समाज के लिए एक उपहार है, दोषी जैसे व्यक्ति के कारण बेतुका लगता है। पीड़िता को बिना किसी गलती के ऐसी पीड़ा सहनी पड़ी।

अदालत ने सजा सुनाने के दौरान कहा कि यौन अपराध ने बच्चे के जीवन पर गहरा प्रभाव डाला है और इसलिए सजा जघन्य कृत्य की गंभीरता के अनुरूप होनी चाहिए ताकि यह समान विचारधारा वाले व्यक्तियों के लिए एक चेतावनी के रूप में काम कर सके। अपराध की गंभीरता, बच्चे और दोषी की उम्र, दोषी और पीड़ित बच्चे की पारिवारिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए दोषी को पॉक्सो अधिनियम की धारा 6 के तहत आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। अदालत ने दोषी व्यक्ति को अपहरण और गंभीर चोट पहुंचाने के अपराध के लिए सात साल के कठोर कारावास की सजा भी सुनाई। साथ ही बच्ची के परिजनों को 10.5 लाख रुपये मुआवजा देने का भी आदेश दिया।

शरद की पार्टी का बड़ा दावा- अजित पवार को सरकार से बाहर जाने के लिए कह रही भाजपा

मुंबई, एजेंसी।
राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) ने बुधवार को दावा किया कि आरएसएस से जुड़े मराठी साप्ताहिक में भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के गठबंधन पर सवाल उठाने वाली एक रिपोर्ट उपमुख्यमंत्री अजित पवार को महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ दल छोड़ने का एक सूक्ष्म संदेश है। आरएसएस से जुड़े प्रकाशन विवेक का दावा है कि अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के साथ गठबंधन के बाद महाराष्ट्र में मतदाताओं की भावनाएं भाजपा के खिलाफ हो गईं, जिसके परिणामस्वरूप भगवा पार्टी का प्रदर्शन खराब रहा।

प्रकाशन द्वारा किए गए एक अनौपचारिक सर्वेक्षण के अनुसार, भाजपा के सदस्यों ने पवार के साथ हाथ मिलाने के पार्टी के फैसले को अस्वीकार कर दिया। अजित पवार ने अपने चाचा शरद पवार की एनसीपी को तोड़ दिया और पिछले साल जुलाई में महायुति गठबंधन में शामिल हो गए।

लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र में भाजपा के सांसदों की संख्या घटकर नौ रह गई। शिवसेना और एनसीपी ने क्रमशः सात और एक सीट जीती। इसके विपरीत, विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) ने शानदार प्रदर्शन किया। 48 में से 30 सीटें जीतीं।

बुधवार को एनसीपी (एसपी) के प्रवक्ता क्लाइड क्रैस्टो ने दावा किया कि भाजपा को एहसास हो गया है कि अजीत पवार के नेतृत्व वाली पार्टी के साथ उसका गठबंधन महाराष्ट्र में आने वाले विधानसभा चुनावों में उसकी संभावनाओं को नुकसान पहुंचाने वाला है। उन्होंने कहा, वास्तविकता यह है कि महाराष्ट्र के लोगों ने बड़े पैमाने पर एनसीपी (एसपी) के पक्ष में मतदान किया है। भाजपा भी पूरे मामले में सावधानी से काम कर रही है क्योंकि वह चुनाव जीतना चाहती है। लेकिन उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के साथ उसका गठबंधन उन्हें लोकसभा चुनावों की तरह चुनाव हारने वाला है।

उन्होंने आगे कहा, साप्ताहिक (विवेक) के जरिए भाजपा खुद को अजीत पवार से दूर करने की कोशिश कर रही है। शायद उन्हें किसी न किसी तरह महायुति छोड़ने के लिए कह रहे हैं।

क्रैस्टो ने दावा किया कि महाराष्ट्र के मतदाताओं ने भाजपा के एनसीपी और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के साथ गठबंधन को स्वीकार नहीं किया है। उन्होंने कहा, अजित पवार को साथ लाने के फैसले ने भाजपा के लिए परेशानी खड़ी कर दी है।

दबिश के दौरान पिस्टल अनलॉक करते में चली गोली, एसओजी सिपाही की मौत

अलीगढ़, एजेंसी।
अलीगढ़ में गौकशी के अभियुक्तों की गिरफ्तारी को दबिश देने जा रही पुलिस व एसओजी टीम के साथ बुधवार देर रात बड़ी घटना हो गई। टीम में शामिल एक दरोगा की पिस्टल लोड करते समय फंस गई। जिसे दूसरे सब इंस्पेक्टर द्वारा अनलॉक करने का प्रयास किया तो अचानक गोली चल गई। गोली सब इंस्पेक्टर के पेट पर लगते हुए पास में खड़े एसओजी सिपाही के सिर में जा घुसी। सिपाही की मौके पर ही मौत हो गई। घायल का एसआई का इलाज जारी है।

अलीगढ़ के एसएसपी संजीव सुमन के अनुसार नौ जुलाई को थाना गभाना क्षेत्र में एक गौकशी की घटना घटित हुई थी। गौकशी के अभियुक्तों की तलाश में पुलिस टीमें लगीं थीं। बुधवार देर रात इन अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए एक ज्वाइंट टीम का गठन किया गया था। जिसमें थाना गांधीपार्क, गभाना व एसओजी को शामिल किया गया था। दबिश के लिए टीम ने अपने-अपने हथियार लोड किए। इस दौरान एक दरोगा मजहर हसन की पिस्टल लोड करते में फंस गई। उनके द्वारा जब पिस्टल अनलॉक नहीं हो सकी तो पास में ही खड़े सब इंस्पेक्टर राजीव कुमार ने पिस्टल को अनलॉक करने का प्रयास किया तो अचानक गोली चल गई। गोली एसआई राजीव के पेट से लगते हुए पास में खड़े एसओजी सिपाही याकूब के सिर में लगी। घटना से पुलिस टीम में हड़कंप मच गया। घायलों को जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां डाक्टरों ने एसओजी सिपाही को ब्रॉड डेड घोषित कर दिया। घायल एसआई का इलाज जारी है। एक बार फिर से पुलिस कर्मियों के हथियार चलाने की ट्रेनिंग पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

कर्नाटक में नौकरियों में कोटा से नाराज हुआ उद्योग जगत

- कर्नाटक के मुख्यमंत्री कार्यालय के मुताबिक इस विधेयक को फिलहाल टाल दिया गया है

नई दिल्ली ।

कर्नाटक सरकार के उस विधेयक पर उद्योग जगत नाराज है जिसके तहत निजी क्षेत्र में स्थानीय लोगों के लिए प्रबंधन की नौकरियों में 50 फीसदी और गैर-प्रबंधन नौकरियों में 75 फीसदी आरक्षण देने की बात कही गई है। इस विधेयक को उद्योग जगत के नेताओं और उद्योग संगठनों की आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। भारतीय आईटी कंपनियों के प्रतिनिधि संगठन नैसकॉम ने इस फैसले को काफी चिंताजनक करार दिया है। हालांकि कर्नाटक के मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि इस विधेयक को फिलहाल टाल दिया गया है। नैसकॉम ने एक बयान में कहा है कि कर्नाटक स्टेट एम्प्लॉयमेंट ऑफ लोकल इंडस्ट्रीज फैक्टरीज इस्टाब्लिशमेंट ऐक्ट बिल, 2024 के बारे में उसके सदस्यों ने काफी निराशा और चिंता जताई है। राज्य मंत्रिमंडल ने मंगलवार को इस विधेयक को मंजूरी दी थी। अब इसे विधानमंडल के मौजूदा सत्र में ही पेश किए जाने की संभावना है। मणिपाल ग्लोबल एजुकेशन सर्विसेज के एक वे रिष्ठ अधिकारी ने एक्स पर जारी एक पोस्ट में कहा कि इस विधेयक को रद्द कर देना चाहिए। यह भेदभावपूर्ण, पीछे की ओर लौटने वाला और संविधान के खिलाफ है। बायोकॉन की एक कार्यकारी चेयरपर्सन ने एक्स पर जारी एक पोस्ट में लिखा है, प्रौद्योगिकी केंद्र के रूप में हमें कुशल प्रतिभा की आवश्यकता है। हमारा उद्देश्य स्थानीय लोगों को रोजगार प्रदान करना है। हमें इस कदम से प्रौद्योगिकी में अपनी अग्रणी स्थिति को प्रभावित नहीं करना चाहिए। ऐसे प्रावधान होने चाहिए ताकि अत्यधिक कुशल कर्मचारियों की नियुक्ति को इस नीति से छूट मिल सके।

नैसकॉम ने कहा कि कर्नाटक के आर्थिक एवं सामाजिक विकास के लिए प्रौद्योगिकी क्षेत्र काफी अहम रहे हैं। बेंगलूरु को दुनिया भर में भारत का सिलकन वैली कहा जाता है। मगर इस प्रकार के विधेयक को देखकर काफी निराशा होती है जो उद्योग की वृद्धि, रोजगार और राज्य के लिए वैश्विक ब्रांड को प्रभावित करेगा। यह विधेयक निजी क्षेत्र में निचले पदों पर स्थानीय लोगों के लिए 100 फीसदी आरक्षण का प्रावधान करता है। इसके अलावा यह प्रबंधन के पदों पर 50 फीसदी और गैर-प्रबंधन पदों पर 75 फीसदी कन्नड़ लोगों को नियुक्त करने का निर्देश देता है। एसोचैम कर्नाटक के एक वरिष्ठ अधिकारी ने एक्स पर जारी एक पोस्ट में इस विधेयक को अदूरदर्शी करार दिया। उन्होंने लिखा, कर्नाटक सरकार का एक अन्य मेधावी पहल। स्थानीय

सैनस्टार का आईपीओ 19 जुलाई को खुलेगा

- कंपनी इश्यू के जरिए 510.15 करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी में

नई दिल्ली ।

सैनस्टार लिमिटेड का आईपीओ 19 जुलाई को का खुलेगा। इस इश्‍ यू के शेयरों के लिए निवेशक 23 जुलाई तक बोली लगा सकेंगे। कंपनी इश्यू के जरिए 510.15 करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी में है। ग्रे मार्केट में सैनस्‍ टार लिमिटेड आईपीओ के अनलिस्‍ टेड शेयरों को अच्‍ छा रिस्‍ पॉंस मिल रहा है और ये 43 फीसदी प्रीमियम पर कारोबार कर रहे हैं। सैनस्‍ टार आईपीओ का प्राइस बैंड प्रति शेयर 90-95 रुपये है। सैनस्‍ टार भारत में प्लांट-बेस्ड स्पेशियलिटी प्रोडक्ट्स और इनग्रेडिएंट्स सॉल्यूशन के प्रमुख निर्माताओं में से एक है। महाराष्ट्र के धुले और गुजरात के कच्छ में कंपनी की फैक्‍ टरियां हैं। इसके प्रोडक्ट्स में लिक्विड ग्लूकोज, ड्रा इड ग्लूकोज सॉलिड्स, माल्टोडेक्सट्रिन पाउडर, डेक्सट्रोज मोनोहाइड्रेट, देशी मक्का स्टार्च, ग्लूटेन, फाइबर और समृद्ध प्रोटीन जैसे को-प्रोडक्ट शामिल हैं। आईपीआई के तहत 397.10 करोड़ रुपये के 4.18 करोड़ फ्रेश इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे। इसके अलावा 113.05 करोड़ रुपये के 1.19 करोड़ शेयरों की बिक्री ऑफर फार से के जरिए की जाएगी। अहमदाबाद स्थित इस कंपनी ने अपने इश्यू का आधा हिस्सा क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए, 35 फीसदी रिटेल निवेशकों के लिए और शेष 15 फीसदी शेयर नॉन-इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स के लिए आरक्षित किया है। ग्रे मार्केट में इस आईपीओ की जबरदस्त डिमांड है। अनलिस्टेड मार्केट में 17 जुलाई को यह इश्यू 41.50 रुपये प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा था। इस तरह अपर प्राइस बैंड के हिसाब से कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग 136.5 रुपये के भाव पर होने की संभावना है। अगर ऐसा होता है तो निवेशकों को 43.68 फीसदी का तगड़ा मुनाफा होगा। लेकिन यह जरूरी नहीं है कि अगर किसी आईपीओ के शेयर ग्रे मार्केट में प्रीमियम पर ट्रेड कर रहे हों तो उनकी लिस्टिंग भी प्रीमियम पर ही हो। इसका विपरीत भी हो सकता है।

सैमसंग के नए फोल्डेबल्स स्मार्टफोन के लिए 40 फीसदी से ज्यादा की हुई प्री-बुकिंग

-कंपनी के उपाध्यक्ष ने कहा- भारत के यूजर नई तकनीक को सबसे पहले अपनाने वाले

नई दिल्ली।

सैमसंग ने छठी पीढ़ी के फोल्डेबल स्मार्टफोन गैलेक्सी जेड फोल्ड6 और गैलेक्सी जेड फ्लिप6 के लिए रिकॉर्ड प्री-ऑर्डर की घोषणा की है। पहले 24 घंटों में गैलेक्सी जेड फोल्ड6 और जेड फ्लिप6 के लिए प्री-बुकिंग पिछली पीढ़ी की तुलना में 40फीसदी ज्यादा हुए। सैमसंग इंडिया के एमएक्स बिजनेस के उपाध्यक्ष ने कहा कि हम भारत में अपने नए फोल्डेबल गैलेक्सी जेड फोल्ड6 और गैलेक्सी जेड फ्लिप6 के लिए यूजर्स की प्रतिक्रिया से खुश हैं। नए फोल्डेबल स्मार्टफोन के लिए प्री-ऑर्डर में 1.4 गुना वृद्धि बताती है कि भारत के यूजर नई तकनीक को सबसे पहले अपनाने वालों में से हैं। उन्होंने कहा नए फोल्डेबल स्मार्टफोन में गैलेक्सी एआई का अनुभव यूजर्स को नई ऊंचाइयों पर ले जाते हैं। साथ ही गैलेक्सी जेड फोल्ड6 और गैलेक्सी जेड फ्लिप6 की सफलता हमें भारत में अपने प्रीमियम सेगमेंट नेतृत्व को मजबूत करने में मदद करेगी। भारतीय यूजर्स के लिए गैलेक्सी जेड फोल्ड6 और जेड फ्लिप6 का निर्माण सैमसंग की नोएडा फैक्ट्री में किया जा रहा है। नए फोल्डेबल अब तक के सबसे पतले और हल्के गैलेक्सी जेड सीरीज डिवाइस हैं और सिमिट्रिकल डिजाइन के साथ आते हैं। गैलेक्सी जेड सीरीज भी बेहतर आर्मर एल्युमिनियम और कॉर्निंग गोरिल्ला ग्लास विक्टस दो से लैस है, जो इसे अब तक की सबसे टिकाऊ गैलेक्सी जेड सीरीज बनाता है। गैलेक्सी जेड फोल्ड6 में बड़ी स्क्रीन का इस्तेमाल करने और आपकी उत्पादकता को बढ़ाने के लिए एआई-संचालित सुविधाओं और उपकरणों की एक सीरीज दी है जिसमें नोट असिस्ट, कंपोजर, स्केच टू इमेज, इंटरप्रेटर, फोटो असिस्ट और इंस्टेंट स्लो-मो शामिल है। गैलेक्सी जेड फोल्ड6 की शुरुआती कीमत 164,999 रुपय इसमें 12जीबी+256जीबी) है, जबकि गैलेक्सी जेड फ्लिप6, 109,999 रुपए इसमें 12जीबी+256जीबी दी गई है। गैलेक्सी जेड फोल्ड6 और गैलेक्सी जेड फ्लिप6 के अलावा सैमसंग ने एआई-इन्फ्यूज्ड गैलेक्सी इकोसिस्टम उत्पाद गैलेक्सी वॉच अल्ट्रा गैलेक्सी वॉच7 और गैलेक्सी बड्स3 सीरीज भी लॉन्च की है जिनके प्री-ऑर्डर 10 जुलाई से शुरु हो चुके हैं।

एल्युमीनियम कबाड़ आयात पर शून्य शुल्क की मांग

नई दिल्ली ।

बजट से पहले पुनर्चक्रण उद्योग निकाय एआई ने सरकार से एल्युमीनियम कबाड़ पर आयात शुल्क हटाने की मांग करते हुए कहा कि इससे उद्योग में स्थिरता को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। मैटेरियल रिसाइक्लिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एमआरएआई) के अनुसार एल्युमीनियम कबाड़ (स्क्रैप) की पुनर्चक्रण प्रक्रिया से प्रति टन उत्पादन पर केवल तीन लाख टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जित होता है, जबकि स्मेल्टर के जरिये एक मीट्रिक टन एल्युमीनियम के उत्पादन पर 14 टन कार्बन उत्सर्जन होता है। इसमें बिजली आपूर्ति के लिए कोयला आधारित क्षमता बनाए रखना शामिल है। एआई ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को लिखे पत्र में कहा कि भारतीय एल्युमीनियम पुनर्चक्रण उद्योग के सामने सबसे बड़ी चुनौती एल्युमीनियम कबाड़ पर 2.5 प्रतिशत आयात शुल्क है। यह एल्युमीनियम पुनर्चक्रण के लिए एक प्रमुख कच्चा माल है और सरकार को इसे तब तक शून्य करना चाहिए जब तक कि घरेलू बाजार में गुणवत्तापूर्ण सामग्री (कबड़ा) पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध न हो जाए।

वित्त मंत्री 23 जुलाई को संसद में वित्त वर्ष 2024-25 के लिए पूर्ण केंद्रीय बजट पेश करेंगी। भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की अनुमानित उच्च वृद्धि तथा महत्वाकांक्षी बुनियादी ढांचे के विकास के कारण अगले कुछ वर्षों में एल्यूमीनियम की मांग काफी अधिक होने वाली है। एआई के एक वरिष्ठ उपाध्यक्ष ने कहा कि एल्युमीनियम कबाड़ पर आयात शुल्क लगाना प्रतिगामी हो सकता है और इससे सतत लक्ष्यों तक पहुंचने के हमारे प्रयासों में कमी आएगी। निकाय ने तांबा तथा पीतल कबाड़ पर भी शून्य शुल्क की मांग की है, जिन पर वर्तमान में 2.5 प्रतिशत शुल्क लगता है। जस्ता तथा सीसा पर पांच प्रतिशत आयात शुल्क है।

एयर इंडिया ने लांच की वीआरएस और वीएसएस योजना

- एयरलाइंस के करीब 600 कर्मचारियों पर गिर सकती है गाज

मुंबई ।

टाटा समूह के स्वो मित्व वाली एयरलाइन एयर इंडिया ने उड़ान सेवा के कर्मचो रियों को छोड़कर दूसरे कार्यों से जुड़े कम से कम पांच साल तक की सेवा वाले स्थायी कर्मचारियों के लिए वॉलंटरी रिटायरमेंट स्कीम (वीआरएस) पेश की है। साथ ही पांच साल से कम समय से काम कर रहे कर्मचारियों के लिए भी वॉलंटरी सेपरेशन स्कीम (वीएसएस) लाई गई है। विस्तारा के साथ मर्जर (विलय) से पहले यह फैसला लिया गया है। सूत्रों ने कहा कि वीआरएस योजना उन कर्मचारियों के लिए है, जिन्होंने कंपनी में पांच साल की सेवा पूरी कर ली है। वहीं स्वैच्छिक पृथक्करण योजना की पेशकश एयरलाइन में पांच साल से कम सेवा वाले कर्मचारियों के लिए की गई है। योजनाएं 17 जुलाई से लागू हो गई हैं। एयर इंडिया ने योजनाओं की पुष्टि कर दी है। हालांकि, इस बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी गई है। संबंधित कर्मचारियों को वीआरएस या वीएसएस के लिए आवेदन करने के लिए एक महीने का समय दिया गया। ढाई साल पहले कंपनी के निजीकरण के बाद से यह तीसरा मौका है जबकि एयर इंडिया अपने स्थायी कर्मचारियों के लिए स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना लेकर आई है। टाटा समूह ने जनवरी, 2022 में एयर इंडिया की कमान संभाली थी। एयर इंडिया और विस्तारा का मर्जर होना है। ऐसे में दोनों एयरलाइंस के करीब 600 कर्मचारियों पर

इसका असर देखने को मिल सकता है। घाटे में चल रही इन दोनों एयरलाइन कंपनियों का स्वामित्व टाटा समूह के पास है। इनके कर्मचारियों की संख्या कुल मिलाकर 23,000 से अधिक है। सरकार से अधिग्रहण के बाद टाटा समूह अपने विमानन कारोबार को मजबूत करने के लिए अपनी एयरलाइंस के मर्जर की योजना पर काम रहा है। विलय की प्रक्रिया सितंबर के अंत या अक्टूबर की शुरुआत में पूरा होने की उम्मीद है।

रुपया डॉलर के मुकाबले सीमित दायरे में

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजारों में कमजोर रुख और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी की वजह से रुपये ने गुरुवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सीमित दायरे में कारोबार किया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि डॉलर, रुपये की जोड़ी के सीमित दायरे में रहने की उम्मीद है, क्योंकि विदेशी निवेशकों और तेल कंपनियों की ओर से डॉलर की मांग भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से आपूर्ति के बराबर है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.57 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद 83.55 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से तीन पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.58 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 प्रतिशत की बढ़त के साथ 103.80 पर रहा।

आईटीआर भरने की आखिरी तारीख 31 जुलाई

- आखिरी तारीख बीतने के बाद देना होगा 5 से 10 हजार तक जुर्माना

नई दिल्ली । इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने का आखिरी तारीख 31 जुलाई 2024 तक है। अगर आपने 31 जुलाई तक अपना आईटीआर नहीं फाइल किया तो आपको जुर्माना भरना पड़ सकता है। आपको बता दें कि समय पर आईटीआर भरने के कुछ बड़े फायदे भी होते हैं। अगर आप 31 जुलाई के बाद आईटीआर फाइल करते हैं और आपकी इनकम 5 लाख रुपए से ज्यादा है तो आपको 5 हजार रुपए पेनल्टी देनी होगी। वहीं अगर आपकी आय 5 लाख रुपए से कम है तो आपके 1 हजार रुपए जुर्माना देना होगा। अगर आप 31 दिसंबर 2024 के बाद आईटीआर दाखिल करेंगे तो आपको 10 हजार रुपए जुर्माना देना होगा। इसके अलावा अगर आपने आईटीआर दाखिल करते समय अपनी इनकम की गलत जानकारी दी है तो भी आप पर टैक्स डिपार्टमेंट की तरफ से जुर्माना लगाया जाएगा। कम इनकम दिखाने पर 50 फीसदी तक और गलत जानकारी देने पर 200 प्रतिशत तक पेनल्टी लगाई जा सकती है। इसके अलावा आखिरी तारीख तक अगर आईटीआर दाखिल नहीं किया तो आपको इनकम टैक्स फाइल करने के दौरान मिलने वाले रिफंड में देरी हो सकती है। सीबीडीटी के आंकड़ों के मुताबिक, 14 जुलाई तक लगभग 2.7 करोड़ आईटीआर दाखिल हुए है, जो पिछले साल की समान अवधि के दौरान दाखिल रिटर्न की तुलना में 13 फीसदी ज्यादा है। वित्त वर्ष 2023-24 के लिए एक करोड़ आईटीआर का माइलस्टोन 23 जून को पहुंचा था। वहीं 2 करोड़ का माइलस्टोन 7 जुलाई को पार हुआ था। पिछले साल से इसकी तुलना करें तो वित्त वर्ष 2022-23 में 26 जून तक एक करोड़ और 11 जुलाई तक 2 करोड़ आईटीआर फाइल हुए थे। वित्त वर्ष 2022-23 के लिए 31 जुलाई 2023 तक कुल 6.91 करोड़ रिटर्न दाखिल किए गए थे। 31 मार्च 2024 तक यह संख्या बढ़कर 8.62 करोड़ हो गई। वहीं इस साल पहली बार, टैक्स डिपार्टमेंट ने टैक्सपेयर्स को नए वित्त वर्ष के पहले दिन रिटर्न दाखिल करने की अनुमति दी थी।

जापान का व्यापार घाटा घटकर 21 अरब डॉलर हो गया

तोक्यो । जापान में जून महीने में व्यापार अधिशेष सालाना आधार पर पांच गुना बढ़कर 224 अरब येन (1.4 अरब डॉलर) हो गया। वित्त मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार इस वर्ष की पहली छमाही में जापान का व्यापार घाटा पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में आधे से अधिक घटकर 3230 अरब येन (21 अरब डॉलर) रह गया। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले येन की कमजोरी ने हाल के महीनों में जापान के निर्यात को बढ़ावा देने में मदद की है। वाहनों तथा कंप्यूटर चिप के बढ़ते निर्यात से जून में व्यापार अधिशेष एक साल पहले की तुलना में पांच गुना बढ़कर 224 अरब येन या 1.4 अरब डॉलर हो गया। कमजोर येन जापान के आयात के लिए नकारात्मक माना जाता है, खास तौर पर मुद्रास्फीति के रुझान और बढ़ती ऊर्जा लागत के बीच। संसाधन-विहीन जापान अपनी करीब पूर्ण ऊर्जा जरूरत आयात करता है। जापान ने लगातार छह वित्तीय छमाही में व्यापार घाटा दर्ज किया जिसकी शुरुआत 2021 की अंतिम छमाही से हुई। इसका मुख्य कारण कमजोर येन और बढ़ती वैश्विक कीमतें रहीं। जापान एक अप्रैल से 31 मार्च के वित्त वर्ष का अनुसरण करता है। आंकड़ों के अनुसार, जून महीने में आयात तीन प्रतिशत बढ़कर 8980 अरब येन (58 अरब डॉलर) हो गया, जबकि निर्यात पांच प्रतिशत बढ़कर 9200 अरब येन (59 अरब डॉलर) रहा।

शेयर बाजार रिकार्ड स्तर पर पहुंचा , सेंसेक्स पहली बार 81 हजार के ऊपर निकला

निफ्टी भी 24,800 से ऊपर बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को भारी उछाल के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही आईटी शेयरों में हुई जबरदस्त खरीददारी से आई है। आज कारोबार के दोरान 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स पहली बार 81,000 अंक के ऊपर पहुंचा। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 50 इंट्राडे कारोबार में 24,800 से ऊपर निकल गया।

अंत में सेंसेक्स 626.91 अंक करीब 0.78 फीसदी ऊपर आकर 81,343.46 के शीर्ष स्तर पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर निफ्टी भी 187.85 अंक तकरीबन 0.76 फीसदी बढ़कर 24,800.85 के नए स्तर पर बंद हुआ।

आज के कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 22 शेयर ऊपर आये। टीसीएस, बजाज फिनसर्व, एमएंडएम, इंफोसिस और टेक महिंद्रा के पांच शेयर सबसे लाभ में रहे। इसके अलावा, एचयूएल, एसबीआई, एचसीएल टेक, आईटीसी, कोटक बैंक, भारती एयरटेल, टाइटन, सन फार्मा, आईसीआईसीआई बैंक, रिलायंस, बजाज फाइनेंस, एलएंडटी, टाटा मोटर्स, नेस्ले इंडिया, एक्सिस बैंक, इंडसइंड बैंक और मारुति के शेयर ऊपर आये।

दूसरी तरफ सेंसेक्स के 8 शेयर नीचे ओय। एशियन पेंट्स, जएसडब्लू स्टील, एनटीपीसी, अदाणी पोर्ट्स और टाटा स्टील सेंसेक्स के सबसे अधिक नुकसान वाले पांच शेयर रहे। इसके अलावा, पावर ग्रिड, एचडीएफसी बैंक और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर नुकसान में रहे।

बाजार जानकारों के अनुसार दूसरे सत्र में फ्रंटलाइन इंडेक्स मजबूत हुए और आईटी शेयरों में नए सिरे से खरीदारी के कारण नई ऊंचाई पर पहुंच गए। बाजार गुरुवार को शुरुआती कारोबार में गिरावट के साथ खुले। बीएसई सेंसेक्स खुलते ही 111 अंक गिरकर 80,605 के स्तर पर आ गया, जबकि निफ्टी भी गिरावट के साथ 24,600 अंक से नीचे चला गया।

दूसरी ओर एशियाई शेयर बाजार आज सुबह बड़ी गिरावट के साथ खुले। जापान का निक्केई 2 फीसदी से अधिक गिर गया जबकि कोस्पी और ताइवान 1 फीसदी नीचे थे।

एएसके प्रॉपर्टी फंड ने कल्पतरु में 190 करोड़ का किया निवेश

नई दिल्ली । एएसके प्रॉपर्टी फंड ने मुंबई में कल्पतरु द्वारा विकसित की जा रही एक रियल एस्टेट परियोजना में 190 करोड़ रुपये का निवेश करने की गुरुवार को घोषणा की। एएसके प्रॉपर्टी फंड, ब्लैकस्टोन समर्थित एएसके एसेट एंड वेल्थ मैनेजमेंट समूह की एक रियल एस्टेट निजी इक्विटी शाखा है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि उसने कल्पतरु द्वारा विकसित की जा रही एक परियोजना में 190 करोड़ रुपये का निवेश किया है। यह एक उच्च मध्य-खंड परियोजना है। यह बोरीवली पश्चिम में स्थित है, जिसमें 310 इकाइयां और यह छह एकड़ में फैली हुई है। इसमें कुल बिक्री योग्य क्षेत्रफल करीब 6.5 लाख वर्गफुट है। बयान में कहा गया कि इस धनराशि का उपयोग परियोजना के अधिग्रहण तथा कार्यशील पूंजी की जरूरतें पूरी करने के लिए किया जाएगा।

प्लैटिनम व अन्य धातुएं मिलाकर हो रहा सोने का आयात

- सरकार को सालाना 63,375 करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली ।

प्लैटिनम और दूसरी धातुएं मिलाकर, इनने बनाई गई वस्तुओं को कम आयात शुल्क चुकाकर सोना आयात किया जा रहा है। इन अलॉय उत्पादों को गलाकर सोना निकाला जा रहा है और उसे डिस्काउंट पर बेचा जा रहा है। इस शिकायत के साथ ऑल इंडिया जूलर्स एंड गोल्डस्मिथ फेडरेशन (एआईजेजीएफ) ने वो णिज्य मंत्रालय को पत्र लिखकर मांग की है कि जिन चीजों में 5 फीसदी से अधिक सोना मिला हो, उनके लिए अलग आयात शुल्क तय किए जाएं। कीमती धातुओं के ड्यूटी स्ट्रक्चर को लेकर थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव ने भी चिंता जताई है। एआईजेजीएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हाल के दिनों में प्लैटनिम अलॉय का आयात काफी बढ़ा है, जिसमें असल में 88 प्रतिशत तक गोल्ड मिला होता है। गोल्ड पर आयात शुल्क 15 फीसदी है, लेकिन ऐसे अलॉय पर 5 फीसदी है। इसमें टेक्निकल तौर पर हो सकता है कि कुछ भी गलत न हो, लेकिन यह टैरिफ रेगुलेशंस को किनारे करने वाली बात है। इससे सरकार को राजस्व का नुकसान भी

हो रहा है। उन्होंने कहा कि इसके जरिए इंपोर्टेड गोल्ड की कॉस्ट आर्टिफिशियल तरीके से घटाई जाती है और इसका बुरा असर डोमेस्टिक गोल्ड इंडस्ट्री पर पड़ रहा है क्योंकि ऐसी हरकत करने वाले बुलियन डीलर रिफाइंड गोल्ड बेचते समय डिस्काउंट दे रहे हैं। इससे वैध तरीके से सोना आयात करने वालों के लिए मुश्किल हो रही है। फेडरेशन ने वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल से मांग की है कि 5 फीसदी से अधिक गोल्ड कंटेंट वाले किसी भी आइटम के लिए उसमें गोल्ड कंटेंट के आधार पर एक अलग आयात शुल्क तय किए जाए।

मॉडर्न, बोल्ड और मस्कुलरः कंपनी ने दिखाई नई कॉम्पैक्ट एसयूवी के डिजाइन की झलक

जमशेदपुर : स्कोडा ऑटो इंडिया का जलवा दुनिया भर में अपनी 129वीं वर्षगाँठ और भारत में 24वीं वर्षगाँठ के करीब पहुँच रहा है ।कंपनी के ब्रांड डायरेक्टर, पेट्र जेनेबा ने कहा, हमने 2024 की शुरूआत अपनी ऑल-न्यू कॉम्पैक्ट एसयूवी के ऐलान के साथ की थी। नई कॉम्पैक्ट एसयूवी भारतीय सड़कों पर हमारी यूरोपीय तकनीक को सही मायने में लोकप्रिय बनाएगी। ये भारत के प्रति हमारी ब्रांड प्रतिबद्धता के अनुरूप है, क्योंकि यूरोप के बाहर स्कोडा ऑटो के लिए भारत सबसे महत्वपूर्ण बाजार है। यूरोप के बाहर बनाई गई स्कोडा की ज्यादातर कारें हमारी स्थानीय फैक्ट्रियों में निर्मित होती हैं और हम स्थानीय रूप से बनाई जाने वाली स्कोडा कारों को 14 देशों में निर्यात कर रहे हैं।

डिजाइन दृष्टिकोण आगामी कॉम्पैक्ट एसयूवी 4-मीटर की लंबाई कायम रखते हुए, बोल्ड और मस्कुलर शेप के साथ आगामी एसयूवी में कार के साइड और रियर पर हेक्सागन पैटर्न भी होगा।

कार यह इस सेगमेंट में ब्रांड का पहला कदम है और कंपनी इस बिल्कुल नई गाड़ी के साथ नए ग्राहकों को आकर्षित करने के साथ बाजारों को टारगेट कर रही है। पूरे 5-स्टार हासिल के साथ इन्हें 14 देशों में निर्यात किया जा रहा है।

धारणा कैपिटल ने अर्बन कंपनी में किया 400 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली । घर पर आकर विभिन्न प्रकार की सेवाए प्रदान करने वाली उद्यम पूंजी कंपनी धारणा कैपिटल ने अर्बन कंपनी में 400 करोड़ रुपये के निवेश से अघोषित हिस्सेदारी हासिल की है। दोनों कंपनियों ने बुधवार को संयुक्त बयान जारी कर कहा कि धारणा कैपिटल ने कर्मचारियों और अन्य शेयरधारकों से एक महत्वपूर्ण शेयर बाजार में लेनदेन के माध्यम से ये शेयर खरीदे हैं। बयान के अनुसार भारत पर केंद्रित निवेश कंपनी धारणा कैपिटल ने अर्बन कंपनी (अर्बनक्लैप टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड) में 400 करोड़ रुपये (लगभग पांच करोड़ डॉलर) से अधिक मूल्य के शेयरों के अधिग्रहण की घोषणा की है। धारणा कैपिटल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अर्बन कंपनी ने चुनौतीपूर्ण स्थानीय सेवा बाजार में एक मजबूत, पूंजी-कुशल और टिकाऊ व्यवसाय बनाया है। हम यूसी संस्थापकों और टीम के मुख्य ध्यान और निष्पादन से बहुत प्रभावित हैं।

भारतीय परम्पराओं के अनुपालन से देश बढ़ रहा आगे

प्रहलाद सबनानी

भारत का योग सारे विश्व के लिए मार्गदर्शक हो गया है और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भारत के साथ अन्य राष्ट्र भी उन्नति करते जा रहे हैं। भारतीय नागरिक विदेशों में जाकर झंडे गाड़ रहे हैं। अमेरिका की अर्थव्यवस्था में भारतीयों का बहुत बड़ा योगदान है। प्रवासी भारतीय कई देशों की अर्थव्यवस्थाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। भारतीयों का डंका आज पूरे विश्व में बज रहा है। भारतीय अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में प्रवासी भारतीय भी अपना योगदान कर रहे हैं।

भारत जो किसी वक्त में सोने की चिड़िया रहा है जिसका किसी वक्त में वैश्विक अर्थव्यवस्था में बहुत बड़ा योगदान रहा है, उस भारत के गुलाम होने के बाद उसकी अर्थव्यवस्था को मुगलों ने एवं अंग्रेजों ने तहस-नहस किया है। भारत का सनातन चिंतन जितना अधिक शक्तिशाली था गुलामी के उस दौर में उस पर किए गए आक्रमण उसे कमजोर बनाने में कामयाब रहे। परंतु, अब समय आ गया है कि भारत के प्राचीन आर्थिक चिंतन को गंभीरता के साथ देखते हुए वर्तमान आर्थिक विकास की दृष्टि को उसके साथ सामंजस्य स्थापित करना चाहिए तभी जाकर आर्थिक विकास की दृष्टि से भारत के वैभवकाल को पुनः प्राप्त किया जा सकेगा।

भारत में प्राचीन ऋषियों और मनीषियों की परंपरा एक गृहस्थ परंपरा रही है और उस गृहस्थ परंपरा में आध्यात्म के साथ-साथ सामाजिक,राजनीतिक एवं आर्थिक चिंतन भी जुड़ा रहा है। अपने राज्य के ऋषियों के जीवन यापन की चिंता जहां राजा की प्राथमिकता में रहता था वहीं राजा को राज्य चलाने के लिए उचित मार्गदर्शन देने का सांस्कृतिक कार्य उन ऋषि-मुनियों द्वारा किया जाता था। इसलिए उन मनीषियों का चिंतन आर्थिक दिशा में भी सदैव बना रहता था। राजा अपने राज्य का विस्तार करने के साथ-साथ उसे आर्थिक रूप से और अधिक समृद्ध कैसे बनाएं इसके बारे में ऋषि-मुनियों के साथ बैठकर ही राज दरबार में चिंतन होता था और राज्य आर्थिक रूप से सशक्त बन जाते थे। इसलिए भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता था।

प्राचीन भारत में धार्मिक आयोजनों एवं धार्मिक पर्यटन का भारत के आर्थिक विकास पर पूर्ण प्रभाव रहा है। प्राचीन भारत में धार्मिक आयोजनों से अर्थव्यवस्था को बल मिलता रहा है इसलिए उस कालखंड में धार्मिक आयोजन निरंतर होते रहे हैं। भारत की ऋषि परंपरा ने जन सामान्य को उन सबके साथ जोड़ कर रखा था। त्यौहारों की निरंतरता और उन्हें मनाए जाने का उत्साह भारत की तत्कालीन अर्थव्यवस्था को गति देता रहा है। आज के वक्त में भी धार्मिक पर्यटन के चलते भारतीय पर्यटन उद्योग में रोजगार के नए अवसर निर्मित हो रहे हैं। वर्तमान केंद्र सरकार के द्वारा भी पिछले 10 वर्षों में भारत में विभिन्न तीर्थस्थलों को विकसित किया जा रहा है। अभी तक जो तीर्थस्थल विकसित हो चुके हैं,वहां का पर्यटन एकदम से कई गुना बढ़ गया है। वहां की आर्थिक समृद्धि बढ़ गई है। वहां के लोगों का जीवन स्तर बढ़ गया है। वहां संपत्तियों के दाम बढ़ गए हैं। इसलिए इस दिशा में सरकार अब आगे और कार्य करने जा रही है तथा कई नवीन धार्मिक कारीडोर बनाने जा रही है,क्योंकि इससे रोजगार के लाखों नए अवसर उत्पन्न होंगे।

भारत की कुटुंब व्यवस्था अपने आप में एक अनूठी कुटुंब व्यवस्था है। भारत के संयुक्त परिवार विश्व के लिए आश्चर्य

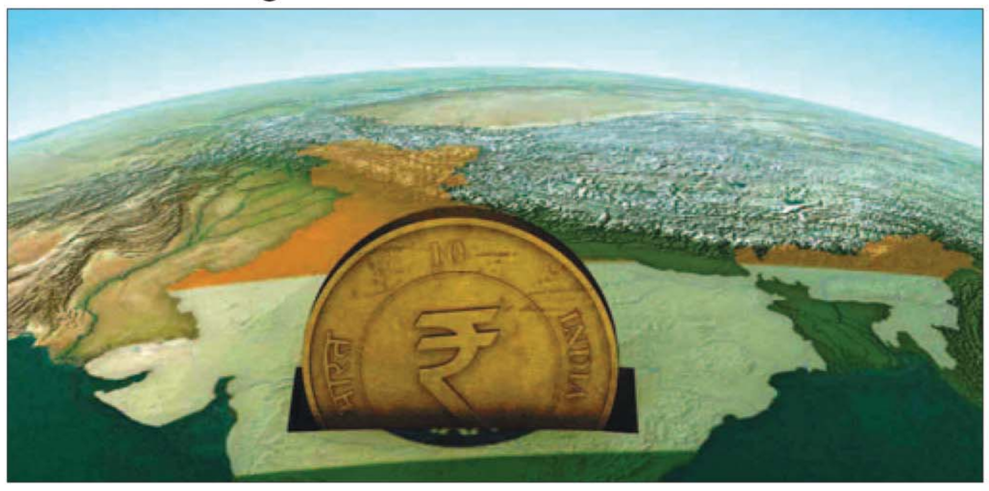

का विषय रहे हैं। इन दिनों संयुक्त परिवार विघटित अवश्य होते जा रहे हैं,लेकिन बावजूद उसके आपातकाल में एक दूसरे के लिए सबके एकत्र होने की जो जिजीविषा उन सबके भीतर है वह भारत में कुटुंब व्यवस्था का अनूठा स्वरूप है, तथा यह स्वरूप देश की अर्थव्यवस्था को भी आगे बढ़ाने का काम करता है। एक परिवार में दो हाथ कमाने जाते हों और वहीं दस हाथ कमाने जाते हों, दोनों बातों का फर्क होता है। इसलिए कुटुंब व्यवस्था में एक दूसरे के लिए आपस में खड़े होने का जो व्यवहार होता है,वह व्यवहार आर्थिक चिंतन के साथ भी जुड़ कर परिवार को आगे बढ़ाने का काम करता है।

भारत में प्राचीन काल से पर्यावरण को पर्याप्त महत्व दिया जाता रहा है। देश में नदियां शुद्ध रहती थी वृक्ष घने जंगलों के रूप में रहते थे और पूरा पर्यावरण शुद्ध रहता था। पूरे विश्व में भारत एकमात्र ऐसा देश है जहां पर नदियों को,वृक्षों को,धरती को पूजा जाता है। पूरे पर्यावरण से परिवार का जुड़ाव धार्मिक रूप से रहता है। बहुत सारे व्रत और त्यौहार पर्यावरण से जुड़े हुए रहते हैं। इसलिए सनातन काल से भारत में पर्यावरण की चिंता रही है। जैविक विविधता ने भी भारत के सनातन काल को समृद्ध किया। पर्यावरण संरक्षण को उस समय में नैतिक कर्तव्य माना गया है। बाद में जब मुगलों ने भारत में शासन किया और हिंदुओं का धर्मांतरण किया तो बहुत सारी परंपराएं भी खंडित होने लगी। सनातन काल में जिस गौ माता को पूजा जाता था मुस्लिम उस गौ माता को खाने लगे। मुस्लिम शासन काल भारत के पतन और विखंडन का समय था। उनके बाद जब इस देश में अंग्रेज आ गए तो उनकी निगाह में भारतीय अपरिपक्व और मूर्ख रहे इन दोनों के समय में, मुगलों ने और अंग्रेजों न भारत को दोनों हाथों से लूटकर खाली कर दिया। जो भारतीय अर्थव्यवस्था कभी विश्व की अर्थव्यवस्था का 33 प्रतिशत हिस्सा थी वह बहुत नीचे जा चुकी थी। पर्यावरण बिखरने लगा। नालंदा जैसे विश्वविद्यालय को नुकसान पहुंचाया गया। उसकी लाइब्रेरी को जला दिया गया। इस सब के पीछे भारत को ज्ञान के स्तर पर समाप्त करने की साजिश काम कर रही थी। मुस्लिम शासक हिंदुओं के धर्मांतरण पर, हिंदुओं को मारने पर और उनकी संपत्ति हड़पने पर काम कर रहे थे। ऐसा कहा जाता है कि औरंगजेब ब्राह्मणों को मारकर रोज सवा मन जनेऊ जलाता था। मंदिरों को नष्ट कर उन पर मस्जिदें बना दी गई। दक्षिण ने अपने आपको इस मुस्लिम आक्रमण से बहुत बचाया और इसीलिए भारत के दक्षिण भाग में आज भी समृद्ध मंदिर हैं,जो उस कालखंड के गौरव की प्रस्तुति के रूप में हमारे सामने खड़े हुए हैं। इसी कालखंड में भारत का भक्ति काल जरूर समृद्ध हुआ और उसने भारत के निवासियों को मानसिक ताकत प्रदान की। तुलसीदास की भक्ति के सामने अकबर जैसा आदमी डर गया और झुक गया।

भारत की आजादी की लड़ाई तो सफलतापूर्वक लड़ी गई परंतु एक दुष्परिणाम भारत विभाजन के रूप में भी सामने आया,जिसमे लाखों हिंदुओं का नरसंहार हुआ। आजादी के 70 वर्ष में भारत की वह आर्थिक उन्नति नहीं हो पाई जैसी कि अपेक्षा की गई थी। वर्ष 2014 में केंद्र में एक मजबूत सरकार ने शासन को संभाला। कठोर आर्थिक निर्णय लिए। जनता का भी उन्हें साथ मिला तथा लगभग 10 वर्ष के कार्यकाल में भारत की अर्थव्यवस्था विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित हो गई। वर्तमान सरकार के समक्ष बहुत बड़ी बड़ी चुनौतियां हैं और आज भारत, बहुत सी विदेशी ताकतों एवं उनके षड्यंत्रों के साथ जूझ रहा है। लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि जो संकल्प लेकर भारतीय परम्पराओं के अनुरूप सरकार काम कर रही है, उसमें भारत की अर्थव्यवस्था शीघ्र ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी। यह इस अर्थव्यवस्था की ताकत है कि कोरोना खंडकाल में भारत ने अपने 80 करोड़ गरीब लोगों को निशुल्क अन्न उपलब्ध कराया तथा कोरोना की वैक्सीन भी समस्त नागरिकों को निशुल्क उपलब्ध कराई गई। भारत अब न सिर्फ सड़क निर्माण के क्षेत्र में बड़ा काम कर रहा है, अपितु वैकल्पिक ऊर्जा के क्षेत्र में भी भारत निरंतर आगे बढ़ता जा रहा है। साफ सफाई, गरीबों के लिए मकान, गरीबों के लिए शौचालय जैसे छोटे-छोटे विषय भी सरकार की प्राथमिकता में हैं। सरकार किसानों का ध्यान रख रही है, किसानों को समृद्ध बना रही है और उद्योगों को भी नई दिशा प्रदान कर रही है, नए संसाधन प्रदान कर रही है। यह भारतीय अर्थव्यवस्था की ताकत है कि जब विश्व के अन्य देशों में मंदी की स्थिति बन रही है और वहां की अर्थव्यवस्था नीचे की ओर जा रही है तब भारत की अर्थव्यवस्था दिन-ब-दिन समृद्ध होती जा रही है।

देश में कुटीर एवं लघु उद्योग के गौरवशाली दिन वापिस लाने हेतु निरंतर कई प्रयास किए जा रहे हैं। सरकार ने सहकारिता मंत्रालय का गठन कर देश में सहकारिता आंदोलन को सफल होने का रास्ता खोला है। भारत के आर्थिक विकास में विभिन्न सामाजिक और धार्मिक संस्थानों का भी बहुत बड़ा योगदान होने लगा है। बहुत सारे धार्मिक संस्थान बड़े-बड़े अस्पताल खोलकर सेवा का कार्य कर रहे हैं। समाज के विभिन्न वर्गों के द्वारा इलाज की बहुत सारी सुविधाएं देश में कई अस्पतालों में मुफ्त में प्रदान की जा रही है। सरकार ने भी एम्स के माध्यम से चिकित्सा सुविधाएं सारे देश में उपलब्ध करवाने का काम किया है। विभिन्न सामाजिक संगठन भी अपना योगदान समाज की सेवा के साथ देश की अर्थव्यवस्था के विकास में प्रदान कर रहे हैं।

भारत का योग सारे विश्व के लिए मार्गदर्शक हो गया है और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भारत के साथ अन्य राष्ट्र भी उन्नति करते जा रहे हैं। भारतीय नागरिक विदेशों में जाकर झंडे गाड़ रहे हैं। अमेरिका की अर्थव्यवस्था में भारतीयों का बहुत बड़ा योगदान है। प्रवासी भारतीय कई देशों की अर्थव्यवस्थाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। भारतीयों का डंका आज पूरे विश्व में बज रहा है। भारतीय अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में प्रवासी भारतीय भी अपना योगदान कर रहे हैं। विश्व के कई देशों में भारतीय मूल के नागरिकों की बढ़ती संख्या एवं भारतीय सनातन दर्शन का प्रसार विदेशों में हो रहा है। भारत की तरह वहां पर भी मंदिरों का निर्माण हो रहा है। भारत की साधना पद्धति वहां स्वीकार की जाने लगी है।

संपादकीय

आतंकवाद के विरुद्ध

जम्मू संभाग के ड़ोड़ा जिले के जंगलों में आतंकवादियों के साथ सुरक्षा बलों की भीषण मुठभेड़.ने एक बार फिर सुरक्षा ढांचे की कमियों को उजागर कर दिया है। इस पूरे इलाके ने हाल के वर्षों तक लंबे समय तक शांति देखी है। 2021 के बाद से पूंछ जिले से लेकर पीर पंजाल तक के क्षेत्रमें सुरक्षा बलों और नागरिकों पर आतंकवादियों ने लक्ष्य करके हमले किए हैं। ड़ोड़ा, रियासी, कठुआ, पूंछ और राजौरी जिलों में आतंकी हमलों ने सुरक्षा बलों और केंद्रशासित प्रदेश के पुलिस के जवानों को भारी दबाव में ला दिया है। पिछले दो-ढाई महीनों से कुछ ज्यादा समय से आतंकी हमलों में तेजी देखने को मिली है। सोमवार की रात को ड़ोड़ा जिले के जंगलों में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़.में सेना के एक कैप्टन सहित चार सैनिक शहीद हो गए। अभी पिछले सप्ताह कठुआ जिले के माचेड़ी वन क्षेत्र में सेना के गश्ती दल पर आतंकवादियों द्वारा घात लगाकर किए गए हमले में पांच सैनिक शहीद हो गए थे और कई घायल हुएथे। जम्मू संभाग में आतंकी हमलों की तीव्रता का पता इस बात से चलता है कि पिछले ढाई महीने में सेना और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़.में 12 सुरक्षाकर्मी शहीद हुए और 20 नागरिक मारे गए जबकि 5 आतंकी ढेर हुए। स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि हाल के दिनों में आतंकवादियों ने कश्मीर घाटी की बजाय जम्मू संभाग के जंगलों में अपना कैंप बनाया है। यहां के घने वन क्षेत्रों में वारदात करके छिपना आसान है। सीमा पार से घुसपैठ करके आने वाले आतंकवादियों के लिए यहां की पहाड़ियां मददगार साबित हो रही हैं। यह इलाका छिपने के लिए मुफीद साबित हो रहा है। यही वजह है कि सेना और सुरक्षा बलों को इनके आतंक के विरुद्ध लड़ाई में संघर्ष करना पड़.रहा है। इस क्षेत्र में लगातार होने वाले आतंकी हमले खुफिया मोर्चे पर चूक की ओर इशारा करते हैं। विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय में कमी दिखाई दे रही है जिसका आतंकवादी फायदा उठा रहे हैं। यह सही समय है जब सरकार आतंक के विरुद्ध लड़ाई के सुरक्षा तंत्र की समीक्षा करे। राजनीतिक और आर्थिक मोर्चे पर अस्थिर पाकिस्तान अपनी पुरानी कश्मीर नीति से पीछे हटने के लिए तैयार नहीं है। लोक सभा चुनावों में कश्मीर की जनता ने भारी उत्साह से मतदान किया है। पाकिस्तान को यह फूटी आंख नहीं सुहा रहा है। इसलिए वह आसन्न विधानसभा चुनावों में व्यवधान पैदा करने के लिए आतंकवाद को नये सिरे से हवा दे रहा है। लेकिन उसके मंसूबे पूरे नहीं होंगे।

चिंतन-मनन

सुख की उपेक्षा क्यों?

मेरे पास लोग आते हैं। जब वे अपने दुख की कथा रोने लगते हैं, तो बड़े प्रसन्न मालूम होते हैं। उनकी आंखों में चमक मालूम होती है। जैसे कोई बड़ा गीत गा रहे हों! अपने घाव खोलते हैं, लेकिन लगता है जैसे कमल के फूल ले आए हैं। सुख की तो कोई बात ही नहीं करता। और ऐसा नहीं है कि सुख नहीं है; हम सुख पर पर ध्यान नहीं देते हैं। हम दुःख-दुख चुन लेते हैं; हम सुख की उपेक्षा कर देते हैं। फिर जिसकी उपेक्षा कर देते हैं, स्वभावतः धीरे-धीरे वह दूर चला जाता है और जिसमें हम रस लेते हैं वह पास होता चला जाता है। संतों की बात तुम्हें तभी जमेगी, रुचेगी, भली लगेगी, प्रीतिकर मालूम होगी-जब तुम दुख को पकड़ना छोड़ दोगे; जब तुम जागोगे और सुख की सचेष्ट खोज शुरू करोगे। तुम्हारे भीतर अगर अभी भी दुख को पकड़ने का आयोजन चल रहा है, तो संतों के वचन तुम्हारे कानों में गूजेंगे और खो जाएंगे। तुम्हारे हृदय तक नहीं पहुंचेंगे। क्योंकि संतों के वचनों में बड़ा सुख भरा है। तुम सुखोन्मुख हो जाओ, तुम आनंद की खोज में लग जाओ; तो ये एक-एक शब्द ऐसे जाएंगे तुम्हारे भीतर जैसे तीर चले जाएं। और ये एक-एक शब्द तुम्हारे भीतर ऐसे-ऐसे हजार-हजार फूल खिला देंगे, जैसे कभी न खिले थे। तुम्हारे भीतर बड़ी रोशनी होगी। ये छोटे-छोटे शब्द हैं। मगर ये बड़े सार्थक शब्द हैं। सुनो- ह्यबोलू हरिनाम तू छोड़ि दे काम सब, सहज में मुक्ति होई जाय तेरी।काम यानी कामना। काम यानी वासना। काम यानी इच्छा, तृष्णा। यह मिले वह मिले-कुछ मिले! जब तक हम मिलने की दौड़ में होते हैं, हम भिखमंगे होते हैं। और जब तक हम भिखमंगे होते हैं, तब तक परमात्मा नहीं मिलता। परमात्मा भिखमंगों को मिलता ही नहीं।

समानता की बानगी पेश करता सुप्रीम कोर्ट का फैसला!

सोनम लववंशी

बीते दिनों सुप्रीम कोर्ट ने तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं को गुजारा भत्ता पाने का अधिकार देकर महिलाओं के पक्ष में ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। कोर्ट ने माना कि महिलाएं चाहे किसी भी जाति धर्म की क्यों ना हो, उन्हें गुजारा भत्ता पाने का अधिकार है। यह फैसला तलाकशुदा परित्यक्ता, बेसहारा महिलाएं जो पतियों द्वारा किसी न किसी वजह से त्याग दी गई हैं। उन्हें आर्थिक रूप से संबल प्रदान करने के लिहाज से लिया गया है। अक्सर महिलाएं अपना संपूर्ण जीवन परिवार के त्याग और समर्पण में लगा देती है। इसके बावजूद कई बार परिस्थितियां ऐसी बन जाती हैं कि महिलाएं प्रताड़ना का शिकार होकर, दर-दर की ठोकरे खाने के लिए मजबूर हो जाती है। सरकार ने ऐसी महिलाओं को जिनका कोई आर्थिक सहारा ना हो। गुजारा भत्ता देने की एक सराहनीय पहल की है। यह फैसला न केवल मुस्लिम महिलाओं के हक की बात नहीं करता है, बल्कि पूरे देश की आधी आबादी के प्रति संविधान की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। सीआरपीसी की धारा 125 उन्हें यह अधिकार देती है। यह फैसला उन महिलाओं के पक्ष में है जो अपने अधिकारों के लिए लंबे समय से संघर्ष कर रही है।

यह फैसला राजीव गांधी सरकार के समय लिए गए फैसले के बिल्कुल विपरीत है। जिसमें शाह बानो केस में गुजारा भत्ता देने के कोर्ट के आदेश को पलट दिया गया था। कोर्ट का मत है कि भारत का संविधान किसी धर्म विशेष के आधार पर नहीं चलेगा। अभी हाल ही में तेलंगाना के एक पारिवारिक अदालत में अब्दुल समद ने अपनी पत्नी को 20 हजार रुपए गुजारा भत्ता देने के फैसले को चुनौती दी थी। जबकि इस मामले में सुप्रीम कोर्ट का यह जजमेंट आया है कि पत्नी को गुजारा भत्ता दिया जाए। जस्टिस नागरत्ना और जस्टिस आगोस्टीन जॉर्ज मसीह ने एकमत फैसला सुनाया जो मुस्लिम महिलाओं के पक्ष में है और यह महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में उठाया गया एक नेक और सशक्त कदम है। ये सच है कि किसी भी धर्म में कोई गलत प्रथा हो तो उस प्रथा को खत्म किया जाना चाहिए। बशर्ते कि शुरूआत उसी धर्म के लोगों द्वारा हो। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा है कि महिलाएं भारतीय परिवार की रीढ़ होती हैं। उन्हें कमजोर करके मजबूत राष्ट्र और सशक्त समाज का निर्माण नहीं किया जा सकता। एक प्रगतिशील समाज वह है जो अपने नागरिकों को उनकी धार्मिक पहचान से परे समान अधिकार व न्याय मुहैया कराए। देखा जाए तो यह फैसला महिला सशक्तिकरण की दिशा में उठाया गया एक बड़ा कदम है। सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले के जरिए न्याय व्यवस्था और समाज को यह संदेश दिया है कि कानून को लागू करते हुए और इसकी व्याख्या करते हुए स्त्री पुरुष समानता और कमजोर तबको के हितों की सुरक्षा जैसे मूल्यों को ध्यान में रखने की महती आवश्यकता है, क्योंकि अगर न्याय व्यवस्था की नजरों से ही ये तबका ओझल हो जाएगा। तो इनके लिए जीवनयापन करना और संवैधानिक अधिकारों को संरक्षित करना कठिन हो जाएगा।

गौरतलब है कि, अब से पहले मुस्लिम पर्सनल कानून के तहत ही तलाकशुदा महिलाओं का गुजारा भत्ता तय होता था। शरीअत कानून के मुताबिक ईद्दत की अवधि तक ही गुजारा भत्ता दिया जा सकता है। ईद्दत यानी तीन महीने की वह अवधि जिसमें महिला किसी दूसरे पुरुष के साथ विवाह नहीं कर सकती। भारतीय समाज में आज भी अधिकतर महिलाएं विवाह के बाद अपने पति पर निर्भर हैं। अगर किन्हीं स्थितियों में पति उन्हें छोड़ देता है, तो उनका भरण-पोषण मुश्किल हो जाता है। खासकर वे महिलाएं जिनके कंधों पर बच्चों को पालने, पढ़ाने-लिखाने का बोझ है, उन पर तो जैसे मुसीबतों का पहाड़ ही टूट पड़ता है। बहुत सारी तलाकशुदा मुसलिम औरतें दुबारा शादी नहीं करतीं, इसलिए केवल इद्दत तक गुजारा भत्ता पाने से उनके जीवन की मुश्किलें दूर नहीं हो पातीं। कुछ महिलाएं दूसरा विवाह कर भी लेती हैं, तो जरूरी नहीं कि उससे उनके बच्चों का उचित भरण-पोषण हो ही जाए। असल सवाल है कि किसी महिला को केवल धर्म के आधार पर दूसरी महिलाओं से अलग क्यों माना जाना चाहिए? एक नागरिक के तौर पर हर महिला को समान अधिकार मिलना चाहिए। इस दृष्टि से सर्वोच्च न्यायालय का ताजा फैसला एक कल्याणकारी राज्य के कर्तव्यों के अनुकूल और सराहनीय है।

(स्वतंत्र लेखिका एवं शोधार्थी)

अमेरिका: हिंसक मोनवृत्ति से घिरा युवा तबका

प्रमोद भार्गव

दुनिया के सबसे सफल माने जाने वाले लोकतंत्र में अराजक हिंसा हिलोरे मार रही है। अमेरिका के पेंसिलवेनिया में 13 जुलाई शनिवार की सुबह 6:10 बजे पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चुनावी सभा अचानक गोलियों की आवाज से गूंज उठी। ट्रंप हमलावर के निशाने पर थे, एक गोली उनके दाएं कान को भेदती हुई निकल गई। 78 वर्षीय ट्रंप झुक गए और तुरंत आत्मबल की प्रेरणा से मुट्ठी लहलराते हुए उठ खड़े हुए और बोले, 'फाइट, फाइट'! हालांकि हमलावर को सुरक्षाकर्मियों ने तत्काल मार गिराया। एक नेता की इतनी दिलेरी ने सभा में उपस्थित स्तब्ध रह गए मतदाताओं में जान फूंक दी और वे यूएस, यूएस के नारे लगाने लगे। अमेरिकियों ने ट्रंप के प्रति जो समवेत सहानुभूति जताई, उससे कहा जा सकता है कि ट्रंप का चुनावी पलड़ा भारी हो गया है।

दरअसल, अमेरिका में ये हालात दोनों दलों के प्रमुख नेताओं और उनके समर्थकों द्वारा नस्लभेद और हिंसा से जुड़े भड़काऊ बयान देने के कारण उत्पन्न हुए हैं। हालांकि अमेरिका में राजनीतिक हिंसा कोई नई बात नहीं है। जब बाइडेन ट्रंप को हराकर चुनाव जीते थे तब 7 जनवरी, 2021 को ट्रंप सर्मथकों ने अमेरिकी संसद में बाइडेन की जीत पर मोहर लगने के समय यूएस कैपिटल में घुसकर हिंसक हमला बोल दिया था। अमेरिकी संसद के इतिहास में यह जो काला अध्याय जुड़ा था, उसी की यह प्रतिक्रियास्वरूप की गई पुनरावृत्ति भी हो सकती है?

ट्रंप पर हमला ऐसे समय हुआ है, जब मुकाबले में वे बाइडेन पर भारी पड़ते दिखाई देने लगे थे। इससे लगता है कि हमलावर उनकी जीत के पक्ष में नहीं था। परंतु अब ट्रंप के जिंदा बच जाने से उनकी जीत की संभावनाएं और प्रबल हो गई हैं। पॉली मार्केट के सर्वे में ट्रंप की जीत अब 70 प्रतिशत बताई जा रही है। ट्रंप को अपनी ही पार्टी में निक्की हेली और चेनी से भी रही-सही चुनौती लगभग खत्म हो गई है। वस्तुतः अमेरिका का एक बड़ा समुदाय ट्रंप के हर अतिवादी निर्णय का प्रबल समर्थक दिखाई देगा। ट्रंप राष्ट्रवाद की धारणा को आगे बढ़ाने और मूल अमेरिकियों के हित साधने की पैरवी न केवल अपने पिछले कार्यकाल में करते रहे, बल्कि कानून बना कर उन्हें साधने का काम भी किया था।

बावजूद वे आर्थिक विषमता की खाई नहीं पाट पाए थे। आज अमेरिकीवासियों के हालात इतने बदतर हैं कि पांच करोड़ से ज्यादा लोग खाद्य असुरक्षा से जूझ रहे हैं। 31.5 करोड़ की आबादी वाले अमेरिका में हर छठा व्यक्ति और चौथा बच्चा भूखा है। बहरहाल, खरबों के कारोबारी ट्रंप राष्ट्रपति चुने जाते हैं, तो इस चुनौती से उन्हें फिर जूझना होगा? अमेरिका की आबादी की तुलना में उसका भू-क्षेत्र बहुत बड़ा यानी 98,33,520 वर्ग किमी. है। इतने बड़े भू-लोक के मालिक अमेरिका के साथ विडंबना यह भी रही है कि 15वीं शताब्दी तक इसकी स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में पहचान नहीं थी। दुनिया एशिया, यूरोप और अफ्रीका महाद्वीपों से ही परिचित थी। 1492 में नई दुनिया की खोज में निकले क्रिस्टोफर कोलंबस ने अमेरिका की खोज की। हालांकि कोलंबस अमेरिका की बजाय भारत की खोज में निकले थे लेकिन रास्ता भटक कर अमेरिका पहुंच गए। वहां के लोगों को उन्होंने 'रेड इंडियन' कह कर पुकारा क्योंकि वे तांबई रंग के थे और प्राचीन भारतीयों से इनकी नस्ल मेल खाती थी। हालांकि इस क्षेत्र में आने के बाद कोलंबस जान गए थे था कि वह भारत की बजाय कहीं और पहुंच गए हैं।

कालांतर में यहां अनेक औपनिवेशिक शक्तियों ने अतिक्रमण किया। 17वीं शताब्दी में ऑस्ट्रेलिया और अन्य प्रशांत महासागरीय द्वीप समूहों की खोज कप्तान जेम्स कुक ने की। जेम्स ने यहां अनेक प्रवासियों की बस्तियों को आबाद किया। इसी क्रम में 1607 में अंग्रेजों ने वर्जीनिया में अपनी बस्तियां बसाईं। इसके बाद खंस, स्पेन और नीदरलैंड़ ने उपनिवेश बनाए। 1733 तक यहां 13 बस्तियां अस्तित्व में आ गइृ। इन सब पर ब्रिटेन का प्रभुत्व कायम हो गया। 1775 में ब्रिटेन के विरुद्ध युद्ध छिड़ गया। 4 जुलाई, 1776 में जॉर्ज वाशिगटंन के नेतृत्व में अमेरिकी जनता ने विजय प्राप्त कर ली और संयुक्त राज्य अमेरिका स्वतंत्र और शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में अस्तित्व में आ गया। इसीलिए कहा जाता है कि अमेरिका के इतिहास और अस्तित्व में प्रवासियों का बड़ा योगदान रहा है लेकिन अमेरिका महाद्वीप के जो रेड इंडियन नस्ल के मूल निवासी थे, वे हाशिये पर चले गए। गोया, मूल अमेरिकी तो वंचित रह गए और विदेशी-प्रवासी प्रतिभावान किंतु चालाक अमेरिका के मालिक बन बैठे। इस विरोधाभास का मूल्यांकन करके ट्रंप ने अमेरिका-फर्स्ट की नीति को महत्त्व दिया जिसने रंगभेदी मानसिकता को अराजकता में बदलने का काम किया। ट्रंप इसी साल नवम्बर में फिर से राष्ट्रपति बनते हैं, तो एक बार फिर अमेरिका में राष्ट्रवाद और अमेरिकी प्रथम का नारा बुलंद होता दिखाई देगा।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादक: श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवारे मैनेजिंग एडिटर: डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादक: डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादक: तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

इन अभिनेत्रियों का अभिनय देख दर्शकों ने पीटा माथा

ओवरएक्टिंग के हर पायदान पर आईं अव्वल

बॉलीवुड हसीनाओं के लाखों-करोड़ों में चाहने वाले होते हैं। इनके फैंस इनकी एक झलक पाने के लिए उत्सुक दिखाई देते हैं। कई लड़कियां इन अभिनेत्रियों के स्टाइल को भी कॉपी करना पसंद करती हैं। ये हसीनाएं फिल्मों में अपने किरदार को रियल दिखाने के लिए कड़ी मेहनत करती हैं. इसके बावजूद भी कई बार फैंस इनके अभिनय को ओवरएक्टिंग का टैग दे देते हैं। इंडस्ट्री में कई मशहूर अभिनेत्रियां, जिनकी एक्टिंग देखकर दर्शकों ने अपना माथा पीट लिया है। इसके चलते कई बार ये ट्रोलर्स के निशाने पर भी आ जाती हैं. तो चलिए जानते हैं इन अभिनेत्रियों के बारे में...

1. करीना कपूर खान

बॉलीवुड में बेबो के नाम से मशहूर करीना कपूर खान की फिल्मों के लोग दीवाने हैं। अपनी शानदार अदाकारी से करीना फैंस के दिलों पर राज करती हैं। हाल में करीना क्रू में नजर आई थीं। मगर दर्शकों ने करीना की भी कई फिल्मों में उनके अभिनय को ओवरएक्टिंग करार दिया है।

2. जान्हवी कपूर

अभिनेत्री जान्हवी कपूर का नाम इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर आता है। जान्हवी कई फिल्मों में अपनी एक्टिंग का जलवा बिखेर चुकी हैं। अभिनेत्री के फैशन और उनके स्टाइल के लोग दीवाने हैं। मगर अभिनय के में जान्हवी भी कई बार ट्रोल हो चुकी हैं। उनकी कई फिल्मों में दर्शकों ने उनके अभिनय को ओवरएक्टिंग बताया है।

3. सारा अली खान

बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान का नाम इस लिस्ट में पहले नंबर पर आता है। सारा ने फिल्म केदारनाथ से बॉलीवुड में कदम रखा था। सारा को भी उनके अभिनय प्रदर्शन के लिए कई बार ट्रोलर्स के निशाने पर आना पड़ गया है। यूजर्स सारा को ओवरएक्टिंग का टैग दे चुके हैं।

4. तारा सुतारिया

अभिनेत्री तारा सुतारिया का नाम भी इस लिस्ट में शामिल है। तारा ने फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 से बॉलीवुड में कदम रखा था। अभिनेत्री की तस्वीरें और स्टाइल फैंस को काफी पसंद आता है। तारा सुतारिया की एक्टिंग के मामले में कई दर्शक ओवरएक्टिंग का टैग दे चुके हैं।

5. अनन्या पांडे

अभिनेत्री अनन्या पांडे भी अपने अभिनय प्रदर्शन को लेकर कई बार ट्रोलर्स के निशाने पर आ चुकी हैं। सोशल मीडिया पर नेटीजन्स उनकी एक्टिंग को ओवरएक्टिंग का बता चुके हैं। वह आखिरी बार फिल्म खो गये हम कहां में नजर आई थीं।

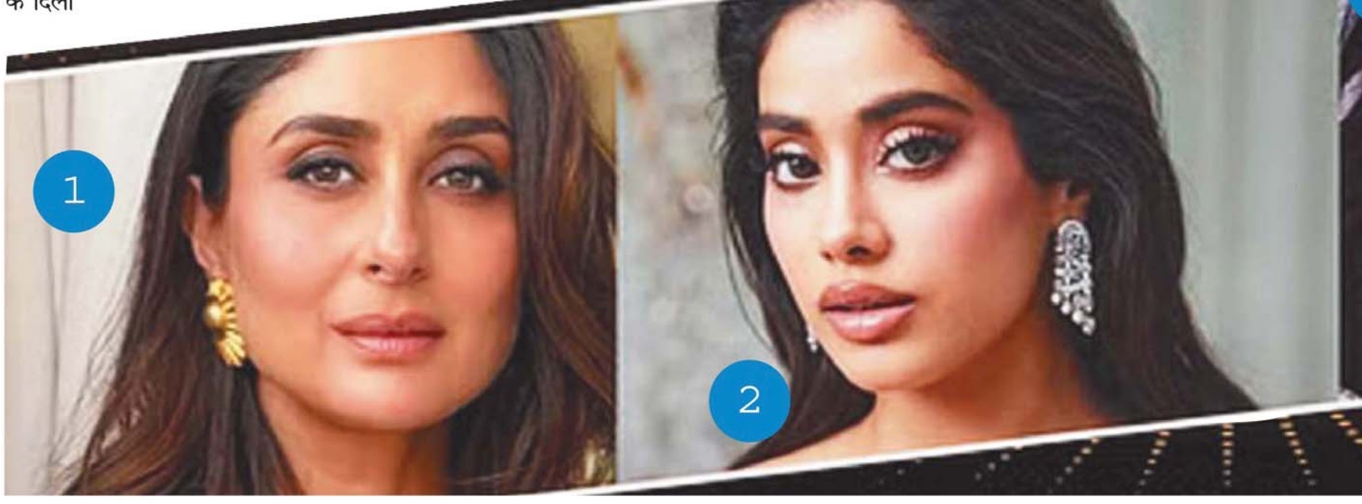

फिर आई हसीन दिलरुबा

नेटफ्लिक्स ने विक्रांत मैसी, तापसी पन्नू और सनी कौशल के पोस्टर जारी किए

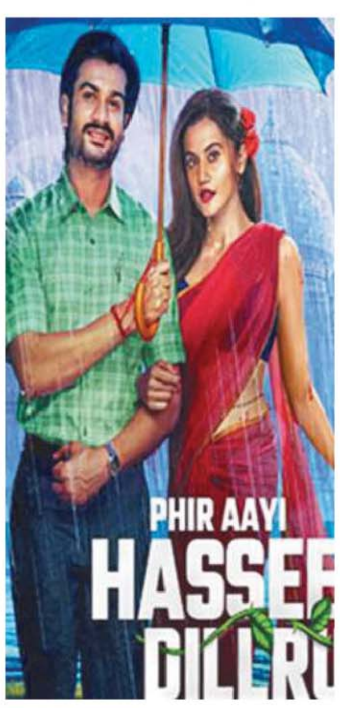

फिर आई हसीन दिलरुबा की रिलीज़ डेट की घोषणा करने के बाद, नेटफ्लिक्स ने बुधवार को आगामी फिल्म के दिलचस्प पोस्टर जारी किए। तापसी पन्नू, विक्रांत मैसी और सनी कौशल अभिनीत यह फिल्म 9 अगस्त से प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीमिंग शुरू करेगी। कुछ महीने पहले, नेटफ्लिक्स ने प्रशंसकों को इसका पहला टीज़र दिखाया था। पहले पोस्टर में विक्रांत मैसी, तापसी पन्नू और सनी कौशल, तीनों खून की बूंदों के साथ बारिश में भीगते हुए दिखाई दे रहे हैं। और इसमें विक्रांत और तापसी एक छतरी के नीचे भी दिखाई दे रहे हैं, इस बीच, सनी एक हाथ में गुलाब का गुलदस्ता लिए और तापसी का हाथ थामे हुए दिखाई दे रहे हैं। दूसरे पोस्टर में, विक्रांत और सनी की भूमिकाएँ बदल दी गई हैं, जो पूर्व-आवश्यक प्रेम के विषय को जोड़ती हैं।इस हफ़्ते की शुरुआत में, फ़िल्म के निर्माताओं ने इसकी रिलीज़ की तारीख़ की घोषणा की और तीनों मुख्य सितारों की विशेषता वाला एक टीज़र साझा किया। टीज़र में जिमी शेरगिल की एक झलक भी दिखाई गई। नेटफ्लिक्स द्वारा साझा की गई पोस्ट में लिखा गया है, 9 अगस्त की हसीन शाम, दिलरुबा के नाम फिर आई हसीन दिलरुबा, 9 अगस्त को रिलीज़ हो रही है, सिर्फ़ नेटफ्लिक्स पर। यह इशारा करता है कि मूल फ़िल्म वहीं से शुरू होगी जहाँ से फ़िल्म खत्म हुई थी। इस साल फरवरी में, विक्रांत मैसी, तापसी पन्नू और सनी कौशल अभिनीत आगामी थ्रिलर फिल्म फिर आई हसीन दिलरुबा के निर्माताओं ने फिल्म का आधिकारिक टीज़र जारी किया था।

नेटफ्लिक्स ने इंस्टाग्राम पर टीज़र शेयर करते हुए कैप्शन दिया, रानी की कहानी में प्यार और पागलपन, दोनो अभी बाकी हैं।

क्या कोरियोग्राफर गीता कपूर ने गुपचुप तरीके से कर ली शादी?

पॉपुलर कोरियोग्राफर गीता कपूर इन दिनों टेरेंस लुईस और करिश्मा कपूर के साथ इंडियाज बेस्ट डांसर 4 को जज कर रही हैं। गीता ने हाल ही में अपनी सीक्रेट मैरिज पर चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने अपनी शादी की अफवाहों को लेकर बात की कहा हम सभी, जो फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े हुए हैं और हम लोगों को अक्सर अपनी नेटवर्थ के बारे में अफवाहों का सामना करना पड़ता है। जैसे मैंने कहीं देखा कि किसी ने लिखा कि मेरे पास करोड़ों की कारें और बंगले हैं। फिर, मैं सोचती हूं कि ये सब कहां हैं।

गीता ने आगे कहा कि, मुझे भी पता होना चाहिए, मुझे लगता है कि ये करोड़ों की गाड़ियां कहां हैं, मैं इन्हें चलाना चाहती हूं, ये करोड़ों के बंगले कहां हैं, मैं वहां रहना चाहती हूं, मेरे पास ये करोड़ों रुपये किस बैंक में हैं, मैं इन्हें खर्च करना चाहती हूं। इसलिए ये अफवाहें मुझे काफी शॉक्ड करती हैं ऐसी सब अफवाहों का नकारा हैं। उन्होंने आगे कहा, मेरे बारे में एक और अफवाह फैली हुई है कि मैं शादीशुदा हूं और मैंने गुपचुप तरीके से शादी कर ली है, जो मैंने नहीं की, अगर मैंने शादी की होती तो मैं बड़े गर्व से कहती कि हां मैं शादीशुदा हूं। मेरे कई बच्चे हैं। ये अफवाह बंद होनी चाहिए। बता दें कि इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 4 का प्रीमियर 13 जुलाई को हुआ है। आपको बता दें कि गीता जब फराह खान के साथ जुड़ीं, उस वक्त उनकी उम्र महज 15 साल थी। सबसे पहले वह तुझे याद न मेरी आई, और गोरी गोरी आदि गानों में बतौर बैकग्राउंड डांसर नजर आई थी। इसके बाद गीता ने कई हिट गानों को कोरियोग्राफ करके अपना नाम शोहरत की बुलंदियों पर पहुंचा दिया।

संगीत मेरा जीवन है, इसके बिना मैं नहीं चल सकता: आयुष्मान

युवा बॉलिवूड स्टार आयुष्मान खुराना ने खुलासा किया है कि वह अपने जीवन में संगीत के बिना नहीं रह सकते। अभिनेता-कलाकार के सोशल मीडिया पर अपलोड किए गए वीडियो में, हिट-मेकिंग संगीतकार ने अपने जीवन में संगीत के महत्व के बारे में बात की है। वह कहते हैं, संगीत मेरा जीवन है। मैं संगीत के बिना काम नहीं कर सकता। मैं फिल्मों के बिना रह सकता हूं लेकिन संगीत के बिना नहीं। आयुष्मान, जिन्होंने अभी-अभी रेह जा नामक एक आत्मीय ट्रैक रिलीज़ किया है, जो वर्तमान में ट्रेंडिंग है, कहते हैं, जीवन छोटे-छोटे क्षणों के बारे में है। मैं वास्तव में छोटे-छोटे क्षणों और जीवन की छोटी-छोटी चीज़ों की सुंदरता को संजोता हूं। मैं छोटी-छोटी चीज़ों से परेशान हो जाता हूं और छोटी-छोटी चीज़ों से खुश भी हो जाता हूं। मैं ऐसा ही हूं।

शरवरी ने आईएमडीबी की लोकप्रिय भारतीय हस्तियों की सूची में पाया प्रथम स्थान

शरवरी ने इस सप्ताह आईएमडीबी की लोकप्रिय भारतीय हस्तियों की सूची में पहला स्थान हासिल किया है! इस सप्ताह की आईएमडीबी लोकप्रिय भारतीय हस्तियों की सूची में बॉलीवुड की उभरती हुई स्टार शरवरी शीर्ष स्थान पर हैं। उनके मनमोहक अभिनय ने मुंजा नामक हॉरर कॉमेडी फिल्म में बेला की भूमिका निभाई और महाराज में उनके शानदार विशेष उपस्थिति ने पर्दे पर चमक बिखेरी।

निरहुआ ने आम्रपाली दुबे को कहा अर्धांगिनी

भोजपुरी के जुबली स्टार और यूट्यूब क्वीन आम्रपाली दुबे की जोड़ी इंडस्ट्री की पॉपुलर जोड़ियों में से एक रही है। फिल्मों में दोनों की केमिस्ट्री अक्सर फैंस का दिल जीत लेती है। फिल्मों के अलावा दोनों स्टार्स को लेकर अक्सर मीडिया में खबरें रही हैं कि वो एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। रिलेशनशिप की चर्चाओं के बीच खबर सामने आ रही है कि निरहुआ ने आम्रपाली दुबे से चोरी-छिपे शादी कर ली है। बताया जा रहा है कि शादीशुदा और दो बच्चों के पिता निरहुआ ने आम्रपाली से दूसरी शादी कर ली है। इस बात का खुलासा उन्होंने खुद किया है। उनका एक वीडियो भी सामने आया है।

दरअसल, निरहुआ और आम्रपाली दुबे का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें एक्टर अपनी शादी की पोल खुद खोलते हुए नजर आ रहे हैं। उनका ये वीडियो अयोध्या में राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के दिन का है। दोनों एक्टर्स साथ में इस इवेंट में पहुंचे थे। इस दौरान इस कपल ने जगदुरु रामभद्राचार्य से मुलाकात की थी। उनसे बातों ही बातों में ये साफ हो गया था कि आम्रपाली निरहुआ की 'अर्धांगिनी' हैं। वीडियो में देखने के लिए मिल रहा है कि जब निरहुआ रामभद्राचार्य से मिले तो आम्रपाली भी उनके साथ थीं और उनके पड़ोस में ही बैठी थीं। रामभद्राचार्य ने निरहुआ को कहा, 'ये इतना बदमाश है।'

इसके बाद वो पास में बैठीं आम्रपाली की तरफ इशारा कर कहते हैं, 'ये तुम्हारी बहन है?' इस पर भोजपुरी एक्ट्रेस मुंह छिपाकर हंसने लगती हैं। रामभद्राचार्य के सवाल के जवाब में निरहुआ उन्हें कहते हैं, 'वो अब अर्धांगिनी बन गई हैं। सिस्टर कहां रहीं।' रामभद्राचार्य फिर कहते हैं, 'ऐसा क्यों किया तुमने गड़बड़ हो गई क्या? ये तो कह रहा है कि अर्धांगिनी बन गई।' इस पर निरहुआ, आम्रपाली से करते हैं, 'झूठ क्यों बोल रह हो बताओ। गुरुजी से झूठ नहीं बोलना चाहिए।'

उर्वशी का बाथरूम वीडियो हुआ लीक

उर्वशी रौतेला अक्सर ही किसी ना किसी कॉन्ट्रोवर्सी के चलते सुर्खियों में रहती हैं। अब अभिनेत्री एक बार फिर सुर्खियों में हैं और इस बार उनके चर्चा में होने की वजह बना है एक वीडियो। जी हां, उर्वशी अब एक वीडियो को लेकर सुर्खियों में हैं, जिसे देखने के बाद इंटरनेट यूजर्स ने एक्ट्रेस को निशाने पर ले लिया है। सोशल मीडिया पर उर्वशी रौतेला का एक बाथरूम वीडियो लीक हो गया है, जिसमें वह अभिनेत्री अपना कुर्ता उतार रही हैं। ये वीडियो जैसे ही सामने आया, अभिनेत्री एक बार फिर नेटिजन्स के निशाने पर आ गईं। मशहूर पैपराजी सहित कई सोशल मीडिया यूजर्स ने उर्वशी का ये प्राइवेट वीडियो शेयर किया है, जिसके बाद एक्ट्रेस विवादों में घिर गई हैं। सेलिब्रिटी पैपराजी मानव मंगलानी ने भी अपने इंस्टा अकाउंट पर उर्वशी रौतेला का ये वीडियो शेयर किया है। वीडियो में उर्वशी सूट पहने नजर आ रही हैं, उनके गले में मंगलसूत्र भी दिखाई दे रहा है। अभिनेत्री बाथरूम में एंटर करती हैं, टॉवल टांगती हैं और अपने कपड़े उतारने लगती हैं और तभी ये वीडियो खत्म भी हो जाता है। इस वीडियो को देखने के बाद यूजर एक्ट्रेस से फिर नाराज हो गए हैं और अभिनेत्री की सोशल मीडिया पर ही क्लास लगाना शुरू कर दिया है।

टली होती दिखीं उर्फी जावेद

लोगों ने लगाई क्लास

एक्ट्रेस उर्फी जावेद हमेशा ही अपनी अतरंगी ड्रेस की वजह से वायरल होती रहती हैं। इनकी ड्रेस देख लोग तरह-तरह के कमेंट्स भी करते हैं, जिससे वह सोशल मीडिया पर छाई रहती है। उनका एक नया वीडियो सामने आया जिसमें वह टली होती दिखी वह येलो ड्रेस पहनी हुई है ,ढंग से चल भी नहीं पा रही । तस्वीरों में देखा जा सकता है की उर्फी की आंखें भी नहीं खुल रही उनके साथ उनकी बहन और एक महिला ने पकड़ा हुआ है लोग इसे देखने के बाद खूब ट्रोल कर रहे हैं वहीं एक ने लिखा आजकल ज्यादा ही पीने लगी है। बता दें , उर्फी पहले भी पब में ड्रक होती देखी गयी थी और उस वक्त भी उनका वीडियो खूब वायरल हुआ था अब उर्फी का एक नया वीडियो सामने आया हैं जिसे देखने के बाद उनके फैंस ने खूब ट्रोल किया।

-साभार एजेंसी

यशस्वी जायसवाल टेस्ट और टी20 रैंकिंग में भारत के एकमात्र टॉप-10 बल्लेबाज

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के बाएं हाथ के युवा ओपनर यशस्वी जायसवाल आईसीसी टी20 रैंकिंग में छठे नंबर पर हैं। उनके प्रदर्शन की निरंतरता ने उनको टेस्ट मैचों में भी टॉप-10 में जगह दिलाई है। वे टेस्ट क्रिकेट में 8वें स्थान पर मौजूद हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ हालिया टी20 सीरीज में जायसवाल दूसरे सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। जायसवाल ने शुरुआती दो मैच नहीं खेले थे, वर्ना वह सीरीज के टॉप रन स्कोरर भी बन सकते थे। जायसवाल सीरीज के तीसरे मैच में टीम के साथ जुड़े , और उन्होंने तीन मैचों की तीन पारियों में 70.50 की औसत के साथ 141 रन बनाए।

सीरीज के टॉप स्कोरर शुभमन गिल थे, जिन्होंने 5 मैचों की पांच पारियों में 170 रन बनाए थे। हालांकि गिल की औसत 42.50 रही थी। जायसवाल इस समय इकलौते भारतीय बल्लेबाज हैं, जो टेस्ट और टी0 रैंकिंग में टॉप-10 में शामिल हैं। टी20 मैचों में ऑस्ट्रेलियाई सनसनी ट्रेविस हेड नंबर एक पर हैं। भारत के मिस्टर 360 डिग्री खिलाड़ी सूर्यकुमार यादव नंबर दो पर हैं। उसके बाद भारतीय बल्लेबाज के तौर पर यशस्वी जायसवाल और ऋतुराज गायकवाड़ टॉप-10 में शामिल हैं। टेस्ट मैचों में न्यूजीलैंड के स्टार बल्लेबाज केन विलियमसन नंबर एक पर हैं। दूसरे और तीसरे स्थान पर क्रमशः जो रूट और बाबर आजम हैं।

यशस्वी जायसवाल ने अपने टेस्ट करियर में 9 मैचों में 68.53 की औसत के साथ 1028 रन बनाए हैं। उन्होंने 20 टी20 मैचों में 37.20 की औसत के साथ 643 रन बनाए हैं। खास बात यह है कि जायसवाल ने अभी तक एक भी वनडे मैच नहीं खेला है। वह दो फॉर्मेट में भारत के लिए खेलते हैं और दोनों में टॉप-10 में हैं।

15 की उम्र में पहला ओलिंपिक गोल्ड

पेरिस ओलंपिक

23 साल में लिया संन्यास

नईदिल्ली, एजेंसी। चीन ओलिंपिक के सबसे सफल देशों में शामिल है। हर ओलिंपिक में अमेरिका और चीन में सबसे ज्यादा मेडल जीतने की टक्कर होती है। लेकिन क्या आपको पता है कि टीम की सबसे सफल ओलिंपियन कौन है? चीन के लिए 4 खिलाड़ियों ने सबसे ज्यादा 5-5 मेडल जीते हैं। इसमें एक ऐसी भी खिलाड़ी का नाम है, जिसने सिर्फ 23 साल की उम्र में ही खेल से संन्यास ले लिया था। उस खिलाड़ी का नाम है- चेन रुओलिन।

डेब्यू ओलिंपिक में ही दो गोल्ड

डाइविंग की खिलाड़ी चेन रुओलिन ने घरेलू बीजिंग ओलिंपिक में ही डेब्यू किया था। तब उनकी उम्र 15 साल थी। उन्होंने बीजिंग 10 मीटर प्लेटफॉर्म और 10 मीटर सिंक्रो प्लेटफॉर्म में गोल्ड मेडल जीता था। फिर लंदन ओलिंपिक में भी इन दोनों इवेंट में गोल्ड पर कब्जा जमाया।

रियो में एक ही इवेंट में उतरीं

चेन का जन्म जिआंग्सू के नानटोंगमें हुआ था। वह 2016 में हुए रियो ओलिंपिक में सिर्फ सिंग्रो प्लेटफॉर्म इवेंट में ही उतरीं। यहां भी उन्होंने गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया। उन्होंने 2014 यूथ ओलंपिक में मशाल प्रज्वलित की थी।

चोट की वजह से लिया संन्यास

अक्टूबर 2016 में 23 साल की उम्र में चेन को संन्यास लेना पड़ा। रियो ओलिंपिक से पहले ही उनके गर्दन में समस्या थी। इसके कारण एक ही इवेंट में क्वालीफाई कर पाई थीं। अगर वह खेलना जारी रखती तो जीवन को भी खतरा हो सकता था।

सबसे सफल चीनी ओलिंपियन

चेन रुओलिन चीन की सबसे सफल ओलिंपियन में शामिल हैं। वह ओलिंपिक में 5 गोल्ड जीतने वाली टीम की चार खिलाड़ियों में एक हैं। इन चारों में 5वां गोल्ड हासिल करने के समय चेन की उम्र सबसे कम रही।

वर्ल्ड चैंपियनशिप में भी 6 गोल्ड

ओलिंपिक में कभी एक भी इवेंट नहीं हारने वालीं चेन के नाम वर्ल्ड चैंपियनशिप में 6 गोल्ड के साथ ही फिना डाइविंग वर्ल्ड कप में 8 गोल्ड हैं। एशियन गेम्स में भी उन्होंने दो गोल्ड जीते हैं।

कप्तान रोहित और कोच द्रविड़ के समर्थन ने मुझे प्रेरित रखा: शिवम दुबे

नई दिल्ली, एजेंसी। शिवम दुबे को यूएसए और कैरेबियन में टी20 विश्व कप 2024 में अपने खराब प्रदर्शन के लिए काफी आलोचना का सामना करना पड़ा। क्रिकेट पंडितों ने उन्हें भारत की बल्लेबाजी लाइनअप की सबसे कमजोर कड़ी तक करार दिया।

हालांकि, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल में, दुबे ने अपनी उपयोगिता साबित की जब भारत 13.3 ओवर के बाद 103-4 पर संकट में था। दबाव में आकर दुबे विराट कोहली से जुड़ गए, जो भी अपनी लय हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहे थे। उन्होंने 16 गेंदों में 27 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली, जिसमें तीन छक्के और एक चौका लगाया।

पांचवें विकेट के लिए कोहली के साथ उनकी 57 रन की साझेदारी पारी को स्थिर करने में महत्वपूर्ण रही। बात करते हुए, हार्ड-हिटिंग बल्लेबाज ने संयुक्त राज्य अमेरिका और वेस्टइंडीज में टी20 विश्व कप में अपनी यात्रा साझा की, और कैसे उन्होंने बहुत अधिक गर्मी का सामना करने के बावजूद खुद को शांत रखा।

चामरी आगामी महिला एशिया कप में श्रीलंका का नेतृत्व करेंगी

कोलंबो, एजेंसी। बिग-हिट ऑलराउंडर चामरी अथापथु 19 जुलाई से दांबुला में शुरू होने वाले आगामी महिला एशिया कप में 15 सदस्यीय श्रीलंका टीम का नेतृत्व करेंगी। विकेटकीपर अनुष्का संजीवनी, बाएं हाथ की तेज गेंदबाज उदेशिका प्रबोधनी और दाएं हाथ की तेज गेंदबाज अचिनी कुलसुरिया, जो वेस्टइंडीज के खिलाफ श्रीलंका की घरेलू टी20 सीरीज हार का हिस्सा नहीं थीं, मेहमानों के खिलाफ वनडे चरण में अच्छा प्रदर्शन करने के बाद खुद को टीम में शामिल पाती हैं। टीम में अन्य परिचित नामों में हर्षिता समरविक्रमा, हसिनी परेरा, कविशा दिलहारी, नीलाक्षी डी सिल्वा के साथ-साथ युवा खिलाड़ी - सलामी बल्लेबाज विशमी गुणरत्ने और बाएं हाथ की कलाई की स्पिनर शशिनी गिम्हानी शामिल हैं। श्रीलंका अपने अभियान की शुरुआत 20 जुलाई को रंगिरी दांबुला अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में ग्रुप बी प्रतिद्वंद्वी बांग्लादेश के खिलाफ करेगा, जिसके बाद उसे क्रमशः 22 और 24 जुलाई को मलेशिया और थाईलैंड का सामना करना पड़ेगा। 2022 में महिला एशिया कप के पिछले संस्करण की उपविजेता श्रीलंका इस बार खिताब जीतने के प्रबल दावेदारों में से एक के रूप में टूर्नामेंट में जा रही है, जिसने पिछले 12 महीनों में घर से दूर टी20 श्रृंखला में इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका को हराया है। साथ ही बांग्लादेश में होने वाले आगामी टी20 विश्व कप के लिए भी अपनी जगह पक्की कर ली है।

भारतीय दल को सर्वश्रेष्ठ सुविधा देने का प्रयास कर रहे, फिर भी हो रही आलोचना : पीटी उषा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने बुधवार को कहा कि पेरिस ओलंपिक में भाग ले रहे खिलाड़ियों को उनकी पसंद का सहयोगी स्टाफ मुहैया कराने के लिए खेल मंत्रालय, आईओए और राष्ट्रीय महासंघों ने मिलकर बहुत अच्छा काम किया। उन्होंने इस शानदार तालमेल पर गौर नहीं करने के लिए आलोचकों को लताड़ भी लगाई।

खेल मंत्रालय ने 26 जुलाई से शुरू होने वाले पेरिस ओलंपिक खेलों के लिए 117 खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के 140 सदस्यों को मंजूरी दी है। इनमें निजी कोच, मानसिक ट्रेनर और फिजियोथैरेपिस्ट भी शामिल हैं। आईओए विशेष रूप से प्रसिद्ध खेल चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. दिनशॉ पारदीवाला के नेतृत्व में गठित 13 सदस्यीय खेल विज्ञान टीम भी दल के साथ भेज रहा है। उषा ने कहा, 'आईओए में हम एक ऐसे युग में प्रवेश कर चुके हैं, जहां खिलाड़ी हमारी योजना और तैयारियों के केंद्र में हैं। खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के सदस्यों के बीच सामान्य 3:1 अनुपात के बजाय

हमने इसे 1:1 अनुपात से थोड़ा बेहतर करने के लिए कड़ी मेहनत की है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की हर मांग पूरी करने के प्रयासों के बावजूद कुछ रिपोर्टों में काम की नकारात्मक तस्वीर पेश करना निराशाजनक है। उषा ने कहा, 'खेल मंत्रालय और इसकी इकाइयों, राष्ट्रीय खेल महासंघों और कॉर्पोरेट भागीदारों के साथ मिलकर आईओए ने शानदार टीमवर्क से काम किया है। यह देखकर हैरानी होती है कि कुछ लोगों ने इस तरह के तालमेल को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया है।

ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाले छह पहलवानों में से एक अंतिम पंघाल कथित तौर पर अपने चार सदस्यीय सहायक स्टाफ के लिए वीजा का इंतजार कर रही हैं, जिससे उनके अभ्यास में बाधा पड़ रही है। उषा ने कहा कि वह सुनिश्चित करेंगी कि खिलाड़ियों के गैर मान्यता प्राप्त सहयोगी स्टाफ के लिए वीजा में और देरी न हो और वह भारत में फ्रांस के दूतावास के साथ अंतिम के कोच भगत सिंह, फिजियोथेरेपिस्ट हीरा और स्पारिंग पार्टनर विकास का मुद्दा उठाएंगी।

डोपिंग के संदेह में

पोलिश कैनोइस्ट बोरोस्का पेरिस ओलंपिक से चूकेंगी

वारसॉ, एजेंसी। पोलिश कैनो फेडरेशन ने कहा है कि डोपिंग रोधी नियमों के कथित उल्लंघन के कारण स्प्रिंट कैनोइस्ट डोरोटा बोरोस्का को 2024 पेरिस ओलंपिक खेलों के लिए पोलैंड की टीम से वापस ले लिया गया है। 28 वर्षीय ने जून में हंगरी के सेज्ड में 2024 ईसीए कैनो स्प्रिंट यूरोपीय चैंपियनशिप में महिलाओं की सी1 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था।

रिपोर्ट के अनुसार, बोरोस्का को ओलंपिक खेलों में पोलैंड की पदक उम्मीदों में से एक के रूप में देखा गया था। पोलिश कैनो फेडरेशन (पीसीएफ) ने एक बयान में कहा, हम खेल में शुद्धता का समर्थन करते हैं और प्रतिबंधित डोपिंग पदार्थों के उपयोग की कड़ी निंदा करते हैं। हम संबंधित डोपिंग रोधी अधिकारियों के साथ पूर्ण सहयोग की भी घोषणा करते हैं। हालांकि, हम एथलीट के अपराध को पूर्वाग्रह से ग्रस्त नहीं करते हैं और हमारा मानना है कि हर किसी को निष्पक्ष ट्रायल का अधिकार है। जून में बोरोस्का से लिए गए एक नमूने में प्रतिबंधित पदार्थ पाया गया था।

एथलीट अंतर्राष्ट्रीय कैनो फेडरेशन के फैसले के खिलाफ अपील कर सकता है, जिसने पेरिस 2024 के लिए उसकी योग्यता को निलंबित कर दिया है।

शिखर धवन बने मोटोजीपी के ब्रांड एंबेसडर

मुंबई (एजेंसी)। यूरोस्पोर्ट इंडिया ने भारत में मोटोजीपी के लिए ब्रांड एंबेसडर के रूप में भारतीय क्रिकेट आइकन शिखर धवन की नियुक्ति की आज घोषणा की। धवन यूरोस्पोट इंडिया के अभियान, 'फेस कर रेस कर' के जरिए रेसिंग के प्रति अपने जुनून का प्रदर्शन करेंगे। धवन ने कहा, 'प्रतिष्ठित मोटोजीपी के साथ इसके भारत के राजदूत के रूप में साझेदारी करना मेरे लिए सम्मान की बात है। भारत में मोटोजीपी को लेकर बढ़ता उत्साह वास्तव में रोमांचकारी है, और यह मेरे लिए एक पूर्ण-चक्र क्षण जैसा है, खासकर जब मैं अपने गृहनगर, दिल्ली की सड़कों पर अपनी पसंदीदा बाइक की सवारी करने के अपने दिनों को याद करते हुए सोचता हूं। इस जीवंत शहर में जन्मे और पले-बढ़े एक क्रिकेटर के रूप में मेरी यात्रा यूरोस्पोट इंडिया के माध्यम से इस नई भूमिका के साथ एक व्यक्तिगत संबंध जोड़ेगी। 2024 मोटोजीपी सीजन में अब तक 9 रेस हो चुकी हैं। यूरोप, एशिया और डाउन अंडर में 11 और दौड़ें निर्धारित हैं, जिनका समापन दो अगस्त से सिल्वरस्टोन में ब्रिटिशजीपी के साथ होगा।

महिला एशिया कप

जीत के साथ शुरूआत करना चाहेगी टीम इंडिया, चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से पहला मैच

दाम्बुला (एजेंसी)। गत चैम्पियन भारतीय महिला क्रिकेट टीम एशिया कप के पहले मैच में शुक्रवार को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से खेलेगी और अक्टूबर में होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारियों के लिये इस टूर्नामेंट को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हरमनप्रीत की कप्तानी वाली भारतीय टीम का एशिया कप में दबदबा रहा है जिसने चार में से तीन टी20 खिताब और चारों बार 50 ओवरों के प्रारूप में जीत दर्ज की है। महिला एशिया कप टी20 टूर्नामेंट में भारत ने 20 में से 17 मैच जीते हैं। उसने 2022 में फाइनल में बांग्लादेश को हराया था। पाकिस्तान के खिलाफ भारत ने इस टूर्नामेंट में 14 मैचों में 11 जीत दर्ज की है और हरमनप्रीत कौर का लक्ष्य इस सिलसिले को आगे बढ़ाने का होगा

इस महीने की शुरूआत में भारत ने दक्षिण अफ्रीका से 1-1 से ड्रॉ खेला जबकि तीन टी20 मैचों में से दूसरा बारिश में धुल गए। पाकिस्तान का मनोबल गिरा हुआ होगा जिसे मई में इंग्लैंड ने 3-0 से हराया था। भारत के लिए सबसे अच्छी बात स्मृति मंधाना का शानदार फॉर्म है और हाल ही में गेंदबाजों ने एक ईकाई के रूप में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। तेज गेंदबाज पूजा वस्त्राकर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों में आठ विकेट लिए जबकि स्पिनर राधा यादव भी कामयाब रही है। स्पिनरों में दीप्ति शर्मा, सजीवन साजना और श्रेयांका पाटिल शामिल है। पाकिस्तान ने एशिया कप के लिए निदा दर को कप्तान बनाए रखा है लेकिन टीम में काफी बदलाव किये गए हैं।

ईरम जावेद, ओमैमा सोहेल और सैयदा आरूब शाह को इस साल पहली बार टीम में जगह मिली है जबकि तस्मिया रूबाब पदार्पण करेंगी। ग्रुप ए में नेपाल और संयुक्त अरब अमीरात का भी सामना पहले दिन होगा। दोनों ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल खेलेंगी। नेपाल 2016 के बाद पहली बार टूर्नामेंट में खेल रहा है जबकि यूएई का यह लगातार दूसरा टूर्नामेंट है।

टीम भारत: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, जेमिमा रौड्रिग्स, रिचा घोष, उमा छेत्री, पूजा वस्त्राकर, दीप्ति शर्मा, अरूंधति रेड्डी, रेणुका सिंह, डी हेमलता, आशा शोभना, राधा यादव, श्रेयांका पाटिल, संजीवन साजना।

अमेरिकी सेना गाजा से हटाएगी.... मानव निर्मित तैरता हुआ घाट

वाशिंगटन । गाजा में मानवीय सहायता पहुंचाने के लिए अमेरिकी सेना द्वारा निर्मित तैरते घाट को हटाकर वापस लाया जाएगा। इस घाट को मौसम और सुरक्षा संबंधी समस्याओं से जूझना पड़ा, इसकारण फलस्तीनियों तक भोजन और अन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति पर असर पड़ा। आलोचकों का कहना है कि यह घाट 23 करोड़ अमेरिकी डॉलर की लागत वाली बेकार कवायद थी, जो आसन्न अकाल को रोकने के लिए आवश्यक सहायता प्रदान करने में विफल रही। हालांकि, अमेरिकी सेना ने बताया कि परियोजना के द्वारा फलस्तीनियों को करीब दो करोड़ पौंड (90 लाख किलोग्राम) की अत्यंत आवश्यक आपूर्ति पहुंचाई। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपने 'स्टेट ऑफ द यूनियन' भाषण के दौरान घाट के निर्माण की घोषणा की थी। उन्होंने इस पर निराशा व्यक्त की कि घाट उम्मीद के मुताबिक फायदेमंद नहीं रहा। यह घाट 16 मई को स्थापना के बाद 25 दिनों से भी कम समय तक संचालित हुआ और सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण सहायता एजेंसियां इसका उपयोग केवल आधे समय कर सकी।

चीन के डिपार्टमेंट स्टोर में आग...16 लोगों की मौत

चेंगदू। चीन के सिचुआन प्रांत के जिगोंग शहर में एक डिपार्टमेंट स्टोर में आग लगने से मरने वालों की संख्या गुरुवार सुबह बढ़कर 16 हो गई। अग्निशमन और बचाव मुख्यालय ने इसकी जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि शहर के हाई-टेक ज़ोन में स्थित 14 मंजिला इमारत में आग लगने की सूचना शाम करीब छह बजे मिली और घटनास्थल पर काफी मात्रा में घना धुआँ था।

राफा क्रॉसिंग को फिर खोलने के लिए क्यों तैयार नहीं हुआ फिलिस्तीन

रामल्लाह। फिलिस्तीन ने इजरायल की वापसी के बिना राफा क्रॉसिंग को फिर से खोलने के प्रस्ताव को खारिज किया है। सूत्र के अनुसार पिछले सप्ताह मिस्र और गाजा पट्टी के बीच राफा सीमा क्रॉसिंग के संचालन की संभावना का पता लगाने के लिए फिलिस्तीन, अमेरिका और इजरायल के प्रतिनिधियों की एक बैठक हुई थी। सूत्र ने कहा कि इजरायली पक्ष ने प्रस्ताव दिया कि छह फिलिस्तीनी कर्मचारी बिना वर्दी या पुलिस के और फिलिस्तीनी झंडा फहराए बिना क्रॉसिंग के प्रबंधन में भाग लें। सूत्र ने बताया कि प्रस्ताव को इसलिए खारिज किया, क्योंकि इसका उद्देश्य फिलिस्तीनी संप्रभुता के बिना अस्थायी रूप से क्रॉसिंग को खोलना था जो फिलिस्तीनी स्थिति और अंतर्राष्ट्रीय समझौतों के विपरीत है। सूत्र के अनुसार फिलिस्तीनी रुख राफा क्रॉसिंग पर 2005 के समझौते के अनुरूप है जिसके लिए फिलिस्तीनी संप्रभुता, यूरोपीय भागीदारी और क्रॉसिंग से इजरायल की पूरी तरह वापसी की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इजरायल-अमेरिका के प्रस्ताव को फिलिस्तीनियों द्वारा खारिज किए जाने के बाद बैठक समाप्त हो गई और बैठक के बाद कोई और बातचीत नहीं हुई।

बैंकॉक घूमने गए 6 विदेशी मेहमानों की मौत, पुलिस को शक, सभी लोगों की मौत साइनाइड से हुई

बैंकॉक। बैंकॉक घूमने गए 6 विदेशी मेहमानों की मौत हो गई। इन दोस्तों ने फाइव स्टार होटल में कमरा बुक किया था लेकिन कुछ ही घंटों बाद उनकी मौत हो गई। ब्लड टेस्ट रिपोर्ट ने सभी छह लोगों की मौत का राज आखिरकार सामने आ गया। थाई पुलिस ने कहा, सभी लोगों की मौत शायद साइनाइड से हुई। इन्हीं में से एक शख्स ने शायद सबको जहर दिया था। थाईलैंड की पुलिस ने कहा, इन लोगों ने जिन गिलासों से पानी पीया, उसमें साइनाइड पाया गया। इनके परिजनों से बातचीत करने पर पता चला कि कर्ज को लेकर इनके बीच काफी विवाद था। मरने वालों में 6 वियतनाम के रहने वाले थे, जिनके पास अमेरिकी पासपोर्ट भी था। बैंकॉक के पुलिस प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल थिति सांगसावांग ने मृतकों की पहचान दो वियतनामी अमेरिकियों और चार वियतनामी नागरिकों के रूप में की। मृतकों में तीन पुरुष और तीन महिलाएं थीं। जांच टीम ने बताया कि जब इन शवों को देखा गया तो इनके मुंह से झाग निकल रहा था। इनके लिए बैंकॉक के मशहूर ग्रैंड हयात इरावन होटल में सात नाम से कई कमरे बुक किए गए थे। इनमें से कुछ लोग उस कमरे से अलग मंजिल पर रह रहे थे, जहां वे मृत पाए गए। पुलिस ने कहा, अभी हम उस सातवें शख्स की तलाश कर रहे हैं, जिसके नाम से बुकिंग की गई थी। जिस कमरे में शव मिले हैं, वहां रहने वाले लोगों ने मंगलवार को पहले ही चेक आउट कर लिया था और उनका सामान पहले ही पैक कर दिया गया था। चेकआउट की जानकारी मिलने के बाद दोपहर में जब साफ सफाई करने महिला कर्मी पहुंची, तो देखा कि कमरा अंदर से बंद था। पहले से जो खाना ऑर्डर किया गया था, वह यूं ही पड़ा हुआ था। उसे किसी ने छुआ तक नहीं था। हालांकि, ड्रिंक्स पी ली गई थीं।

जिगोंग में शॉपिंग सेंटर में लगी आग, 16 की मौत, कई लापता

जिगोंग। चीन के दक्षिण पश्चिम शहर जिगोंग के एक शॉपिंग सेंटर में आग लगने से 16 लोगों की मौत हो गई है। यह घटना बुधवार शाम 6 बजे के बाद एक 14 मंजिला कॉमर्शियल बिल्डिंग में हुई। आग लगने की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और बचाव कर्मियों की टीम मौके पर पहुंची। बचाव कार्य रात भर जारी रहा, जिसमें सुबह 3 बजे तक लोग बाहर निकालने की कोशिश की गई। आग लगने के कारण इमारत के निचले हिस्से में धुआं भर गया, जिससे स्थिति और भी गंभीर हो गई। हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि आग किस कारण से लगी और आग लगने के समय बिल्डिंग में कितने लोग मौजूद थे। प्रारंभिक जांच में यह संकेत मिले हैं कि आग लगने का कारण कंस्ट्रक्शन का काम हो सकता है, लेकिन इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। घटना की जांच की जा रही है ताकि सटीक कारणों का पता लगाया जा सके। यह घटना चीन में आग से संबंधित बढ़ती घटनाओं का एक हिस्सा है। 20 मई तक, देश में आग लगने के कारण 947 लोगों की मौत हो चुकी है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 19 प्रतिशत अधिक है। राष्ट्रीय अग्नि और बचाव प्रशासन के प्रवक्ता के अनुसार, सार्वजनिक स्थानों जैसे होटल और रेस्तरां में आग लगने की घटनाओं में 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसके पीछे आमतौर पर बिजली या गैस लाइनों में खराबी और लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। इस घटना ने एक बार फिर से आग की सुरक्षा के मुद्दे को उजागर किया है। लोगों की सुरक्षा और बचाव कार्य की तत्परता के लिए आवश्यक कदम उठाने की आवश्यकता है।

डियर हसबैंड आप किसी गैर के साथ व्यस्त हैं, इसलिए तलाक, तलाक, तलाक, दुबई की राजकुमारी ने इंस्टाग्राम पर की पोस्ट, तोड़ लिया पति से रिश्ता

दुबई । यहां की राजकुमारी शेखा महरा बिंत मोहम्मद बिन राशिद अल मख्तूम उर्फ शेखा महरा ने अपने पति को तलाक देने की घोषणा की है। शेखा महरा ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर कहा कि डियर हसबैंड आप किसी गैर के साथ व्यस्त हैं, ऐसे में मैं आपको तलाक देती हूं। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में संभवतः यह पहला मौका है जब रॉयल फैमिली के किसी सदस्य ने इस तरह से तलाक का ऐलान किया है। राजकुमार महरा के इंस्टाग्राम पोस्ट से खलबली मच गई। लोगों को लगा कि किसी ने शेखा महरा के इंस्टा अकाउंट को हैक कर लिया। हालांकि, बाद में इस बात की पुष्टि हो गई कि उन्होंने सच में पति से रिश्ते तोड़ने का ऐलान किया है। राजकुमारी शेखा महरा की ओर से इंस्टाग्राम पर किए गए पोस्ट से पति के साथ उनकी तल्खी का अंदाजा लगाया जा सकता है।

यूक्रेन में लोग हादसे का शिकार हुए मलेशियाई विमान में मारे गये लोगों की याद में झंडे लेकर स्मारक पर पहुंचे। ये हादसा दस साल पहले हुआ था।

एक बार फिर कोविड से संक्रमित हुए बाइडन, चुनाव प्रचार पर पड़ेगा असर

वॉशिंगटन। अमेरिका में इन दिनों राष्ट्रपति के चुनाव चल रहे है। यहां दो उम्मीदवारों के बीच मेन मुकाबला है। एक राष्ट्रपति जो बाइडन हैं तो दूसरे पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप है। बाइडन एक बार फिर कोविड-19 से संक्रमित हो गए हैं। हालांकि, उनमें संक्रमण के 'हल्के लक्षण' हैं। व्हाइट हाउस ने गुरुवार को यह जानकारी दी। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरिन जीन-पियरे ने एक बयान में कहा,

''आज लास वेगास में अपने पहले कार्यक्रम के बाद राष्ट्रपति बाइडन के कोविड-19 से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। उन्हें कोविड-19 रोधी टीका लगा हुआ है और उन्होंने बूस्टर डोज भी ले रखी है। उनमें हल्के लक्षण नजर आ रहे हैं। बाइडन डेलावेयर लौटेंगे, जहां वह एकांतवास में रहेंगे। हालांकि, इस दौरान वह अपने सभी दायित्वों का निर्वहन करेंगे। प्रेस सचिव ने कहा कि व्हाइट हाउस राष्ट्रपति की स्थिति के बारे में नियमित जानकारी उपलब्ध कराता रहेगा, क्योंकि वह एकांतवास में रहते हुए भी अपने कार्यालय के दायित्वों का निर्वहन जारी रखेंगे। राष्ट्रपति का बुधवार दोपहर लास वेगास में यूनीडोस कार्यक्रम में अभिभाषण था। व्हाइट हाउस ने कहा, ''बाइडन में हल्के लक्षण हैं। उनकी श्वसन दर 16, शरीर का तापमान 97.8 डिग्री फारेनहाइट और पल्स ऑक्सीमेट्री 97 प्रतिशत है, जिसे सामान्य माना जाता है। राष्ट्रपति को पैक्सलोविड की पहली खुराक दे दी गई है। वह रेहोबोथ में अपने आवास पर एकांतवास में रहेंगे।

भारत-इजरायल आमने-सामने, अजरबैजान ने निकाला LORA, अब प्रलय लाने की तैयारी में आर्मेनिया

मिलवाउकी (एजेंसी)। अर्मेनिया और अजरबैजान दुनिया के नक्शे में दो छोटे से देश हैं। मगर इसमें एक तरफ से एक ईसाई देश आर्मीनिया है तो उसके ठीक सामने खड़ा है एक इस्लामिक मुल्क अजरबैजान। ये वो ठिकाना है जहां यूरोप और एशिया मिलते हैं। दोनों की सेनाओं के बीच अक्सर संघर्ष होता रहता है। इस बीच खबर है कि अजरबैजान ने आर्मेनिया के खिलाफ इजरायल की एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज की ओर से विकसित लॉन्ग रेंज आर्टिलरी यानी LORA मिसाइल तैनात कर दिया है। अजरबैजान के इस कदम ने आर्मेनिया को परेशान कर दिया है। अब आर्मेनिया की नजर भारत की प्रलय मिसाइल पर है। भारत की प्रलय मिसाइल हासिल करने में आर्मेनिया की कथित दिलचस्पी भारत के लिए एक बड़ा अवसर है। ब्रह्मोस मिसाइल के निर्यात के बाद प्रलय निर्यात अनुबंध संभवतः मिसाइल निर्यातक के रूप में डीआरडीओ की छवि को मजबूत करेगा।

डीआरडीओ ने दशकों के निरंतर प्रयास के माध्यम से सभी प्रकार की मिसाइलों को विकसित करने की क्षमता हासिल कर ली है, और अब इस कड़ी मेहनत से हासिल की गई क्षमता का लाभ उठाने का समय आ गया है। यह देखते हुए कि प्रलय मिसाइल में स्वदेशी सामग्री का प्रतिशत फिलीपींस को निर्यात किए गए ब्रह्मोस संस्करण में स्वदेशी सामग्री के प्रतिशत से बहुत अधिक होगा, भारत की प्रति मिसाइल कमाई बहुत अधिक होगी। आर्मेनिया इज़राइल एयरोस्पेस

इंडस्ट्रीज द्वारा विकसित LORA (लॉन्ग रेंज आर्टिलरी) बैलिस्टिक मिसाइलों की खरीद के माध्यम से अजरबैजान द्वारा हासिल की गई क्षमता का मुकाबला करने के लिए प्रलय का अधिग्रहण करना चाहता है।

LORA एक थिएटर अर्ध-बैलिस्टिक मिसाइल है जिसकी रेंज 400 किलोमीटर है और टर्मिनल मार्गदर्शन के लिए जीपीएस और टीवी के संयोजन का उपयोग करते समय 10 मीटर की सीईपी (सर्कुलर एरर प्रोबेबिलिटी) होती है। प्रलय एक मोबाइल कनस्तर-आधारित सतह से सतह पर मार करने वाली एसआरबीएम (छोटी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल) है जिसकी मारक क्षमता 150-500 किमी है। इसे डीआरडीओ की बीएमडी प्रणाली की पृथ्वी एडी मिसाइल से विकसित किया गया था। मिसाइल जड़त्वीय मार्गदर्शन का उपयोग करके अपने लक्ष्य तक पहुंचती है। इसे पूरी उड़ान के दौरान नियंत्रित किया जा सकता है।

प्रलय में टर्मिनल मार्गदर्शन के लिए एक रेडियो फ्रीक्वेंसी (डीएसएमएसी-डिजिटल दृश्य-मिलान क्षेत्र सहसंबंध) साधक की सुविधा है। यह मिसाइल स्वदेशी रूप से विकसित फ्यूज्ड सिलिका रडार डोम (रेडोम) से सुसज्जित है। प्रलय में टर्मिनल मार्गदर्शन के लिए एक रेडियो फ्रीक्वेंसी साधक की सुविधा है। इस मिसाइल में स्वदेशी रूप से विकसित फ्यूज्ड सिलिका रडार डोम लगा है।

ट्रम्प पर हमले की बाबा वेंगा ने की थी भविष्यवाणी, पुतिन का भी किया जिक्र

वाशिंगटन (एजेंसी)। बुल्गारिया के बाबा वेंगा की भविष्यवाणी काफी प्रसिद्ध हैं। इनकी कई भविष्यवाणियां सच साबित हो चुकी हैं। बाबा वेंगा नेत्रहीन थे। बताया जाता है जब वह 12 साल के थे तब उनकी आंखे खराब हो गई थी लेकिन उन्हें दिव्य दृष्टि प्राप्त हुई, जिससे उन्होंने कुछ सालों ही नहीं बल्कि 5079 साल तक की भविष्यवाणियां कर दी थी।

साल 2024 के लिए भी बाबा वेंगा ने कई डराने वाले भविष्यवाणियां की, जिनमें कुछ सच साबित होती नजर आ रही है। हाल ही में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर चुनावी रैली में जानलेवा हमला हुआ। ट्रंप पर गोली चलाकर उन्हें जान से मारने की कोशिश की गई थी। हालांकि वह इस हमले में बाल-बाल बच गए।

ट्रंप पर हमले के बाद बाबा वेंगा की भविष्यवाणी भी चर्चा में आ गई. क्योंकि बाबा वेंगा ने पहले ही ट्रंप पर हमले की भविष्यवाणी की थी। 2024 के लिए बाबा वेंगा ने भविष्यवाणी की थी कि पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति की जान खतरे में रहेगी। इसके साथ ही बाबा वेंगा ने ट्रंप को लेकर भविष्यवाणी की थी कि ट्रंप को कोई गंभीर और रहस्यमय

बीमारी हो सकती है, जिससे वह बहरे भी हो सकते हैं। हाल ही में जब ट्रंप पर गोली चली तो चौंकाने वाली बात यह रही कि हमले के दौरान उनकी जान तो बच गई लेकिन गोली लगने से उनके कान को नुकसान हुआ है।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को लेकर भी बाबा वेंगा ने भविष्यवाणी की थी। बाबा वेंगा के मुताबिक पुतिन की मृत्यु हो सकती है। कथित तौर पर उनकी मृत्यु का कारण हत्या बताया है। बाबा वेंगा की भविष्यवाणियां एक ओर जहां लोगों का आकर्षित करती है तो वहीं दूसरी ओर संदेह भी पैदा करती हैं क्योंकि उनकी कई भविष्यवाणियां सच साबित हो चुकी हैं, जिसमें 9/11 के हमले और कुर्स्क पनडुब्बी घटना, 2004 में सुनामी आदि हैं. लेकिन ऐसी कई भविष्यवाणियां भी हैं जो सच साबित नहीं हुईं। जैसे 2016 में यूरोप का अंत, 2010-14 के बीच परमाणु युद्ध आदि।

स्वास्थ्य संबंधी समस्या होगी तब ही लूंगा राष्ट्रपति चुनाव से नाम वापस: बाइडन

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन राष्ट्रपति चुनाव में अपनी दावेदारी को वापस लेने की अटकलों को नकारते रहे हैं। पिछले कुछ दिनों से उनकी पार्टी के ही सांसदों ने उन्हें अपना नाम वापस लेने की सलाह दी है। इस बीच अब बाइडेन ने कहा है कि वह अपनी दावेदारी तभी वापस लेंगे जब उन्हें कोई स्वास्थ्य संबंधी समस्या होगी। यह पहली बार है जब बाइडेन ने पिछले महीने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ बहस में अपने खराब प्रदर्शन के बाद अपनी दावेदारी वापस लेने की बात की है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक 81 वर्षीय बाइडेन से पूछा गया कि क्या ऐसा कुछ हो सकता है जिससे वह 2024 नवंबर में होने वाले चुनाव से अपना नाम वापस ले लें तो बाइडेन ने कहा, अगर मेरी स्वास्थ्य संबंधी समस्या सामने आती है। डॉक्टर मेरे पास आते हैं और कहते हैं कि आपको बड़ी समस्या है। हालांकि राष्ट्रपति जो बाइडेन ने यह साफ नहीं किया कि वह किस तरह की स्वास्थ्य संबंधी समस्या की बात कर रहे हैं। बाइडेन ने इससे पहले कई बार कहा है कि वह दूसरा कार्यकाल पूरा करने के लिए स्वस्थ और तंदुरुस्त हैं। वह ट्रम्प को हराने के लिए सबसे उपयुक्त दावेदार हैं। वह बार-बार इस बात पर जोर दे रहे हैं क्योंकि पिछले कुछ दिनों से उनके उम्र और मानसिक स्वास्थ्य पर लगातार बहस चल रही है। बाइडेन ने यह भी कहा कि वह 2020 के चुनाव में ट्रांजिशनल उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़े थे और उन्हें उम्मीद थी कि वह अपने से कम उम्र के किसी और को इस बार यह जिम्मेदारी सौंपेंगे लेकिन मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य को देखते हुए उन्होंने फिर से चुनाव लड़ने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि उम्र बढ़ने के साथ थोड़ी सी समझदारी ही आती है। उन्होंने अपनी योग्यता साबित कर दी है कि वे देश के लिए काम कर सकते हैं।

अपने राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान बाइडेन ने तीन बार फिजिकल एग्जामिनेशन करवाए हैं जिनमें न्यूरोलॉजिकल जांच भी शामिल है। इस बीच अमेरिकी प्रतिनिधि एडम शिफ बाइडेन से फिर से चुनाव ना लड़ने की मांग करने वाले सबसे हाई-प्रोफाइल हाउस डेमोक्रेट बन गए हैं। उन्होंने चिंताओं का हवाला देते हुए कहा कि बाइडेन पांच नवंबर के चुनाव में ट्रम्प को नहीं हरा पाएंगे। इस महीने की शुरुआत में तीन में से एक डेमोक्रेट या 32 प्रतिशत सांसदों ने कहा था कि बाइडेन को इस रेस से हट जाना चाहिए।

बांग्लादेश में आरक्षण खत्म करने को लेकर पुलिस-छात्रों में झड़प, 6 की मौत, सैकड़ों घायल

लास वेगास (एजेंसी)। ढाका,(ईएमएस)। भारत ही नहीं उसके पड़ोसी देश में भी आरक्षण को लेकर बवाला मचा है। बांग्लादेश में आरक्षण की वजह से हुए हंगामे में अब तक कम से कम छह लोगों की जान चली गई है। बांग्लादेश में हजारों छात्र सड़कों पर विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं और आरक्षण खत्म करने की मांग कर रहे हैं। इस प्रदर्शन ने हिंसक रूप ले लिया है।

जानकारी के मुताबिक पुलिस और छात्रों के बीच हुई झड़प में छह लोगों की जान चली गई. वहीं, 400 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। एक रिपोर्ट के मुताबक बुधवार शाम ढाका में आंदोलन शुरू हुआ था। इस बीच छात्रों और पुलिस के बीच हिंसक झड़प हो गई इसमें एक बच्चे समेत छह लोगों को गोली लगी है। छात्रों ने सुरक्षा बलों की

कार्रवाई का जवाब देने के लिए गुरुवार को देशव्यापी बंद का आह्वान किया है।

छात्र नेताओं ने कहा है कि गुरुवार को हॉस्पिटल और आपातकालीन सेवाओं को छोड़कर सब कुछ बंद रहेगा। इस दौरान सिर्फ एम्बुलेंस को ही सड़कों पर निकलने की छूट रहेगी। वहीं, बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने हिंसा में लोगों के मारे जाने पर गहरा दुख जताया और कहा कि इस मामले में एक न्यायिक जांच समिति गठित की जाएगी। दरअसल, बांग्लादेश में ये विरोध आरक्षण खत्म करने के लिए हो रहा है। छात्र 1971 के युद्ध में लड़ने वाले सैनिकों के बच्चों के लिए सरकारी नौकरियों में आरक्षण खत्म करने की मांग कर रहे हैं। रिपोर्ट की मानें तो एक हफ्ते पहले ही बांग्लादेश की सुप्रीम कोर्ट ने इस आरक्षण पर रोक लगा दी थी लेकिन पीएम शेख हसीना ने इसे लागू नहीं होने दिया। इसको लेकर ही छात्र हंगामा कर रहे हैं। वहीं शेख हसीना का कहना है कि ये फैसला उनके हाथों में है। बांग्लादेश में 30फीसदी नौकरियां वॉर हीरो के बच्चों के लिए रिजर्व हैं। इसी के खिलाफ छात्रों का गुस्सा भड़का है, क्योंकि छात्र मेरिट के आधार पर नौकरियों की मांग कर रहे हैं। वहीं, पीएम शेख हसीना ने कहा कि इन छात्रों को भड़काया गया है। इसके लिए उन्होंने कुछ स्वार्थी तत्वों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने छात्रों से अपील की है कि वे उपद्रवियों को स्थिति का फायदा उठाने का मौका न दें।

हिजबुल्ला की धमकी, इजराइल नागरिकों की हत्या करना बंद करे नहीं तो मचा देंगे तबाही

तेल अवीव। गाजा में इजरायल और हमास का युद्ध जारी है। इस बीच हिजबुल्ला के नेता हसन नसरल्लाह ने इजरायल को धमकी दी है कि अगर इजरायल लेबनान में नागरिकों की हत्या करना बंद नहीं करेगा तो वह नए इजरायली ठिकानों पर हमला करेगा और तबाही मचा देंगे। नसरल्लाह ने हाल के दिनों में लेबनान में मारे गए नागरिकों को बढ़ती संख्या को बताया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मंगलवार को लेबनान में इजरायली हमलों में पांच नागरिक मारे गए, जिनमें सभी सीरियाई थे और इसमें तीन बच्चे भी शामिल थे। इससे एक दिन पहले कम से कम तीन लेबनानी नागरिक मारे गए थे। नसरल्लाह ने मुहर्रम के मौके पर टीवी पर संबोधन दिया था। इसमें नसरल्लाह ने कहा कि इजराइल नागरिकों को निशाना बनाना जारी रखने से हिजबुल्लाह उन बस्तियों पर मिसाइल लॉन्च करने को मजबूर हो जाएगा, जिन्हें पहले निशाना नहीं बनाया गया था। ईरान के समर्थन वाला संगठन हिजबुल्लाह इजरायली आबादी वाले इलाके को बस्ती के रूप में संदर्भित करता है और इजरायल को मान्यता नहीं देता है। ईरान के समर्थन वाले गुट तब से इजरायल के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक लेबनान में लड़ाई में 100 से ज्यादा नागरिक और 300 से ज्यादा हिजबुल्लाह लड़ाके मारे गए हैं। नसरल्लाह ने वादा किया कि पूरी तरह से या आंशिक रूप से तबाह घरों को पहले से भी सुंदर बनाएंगे।

चीनी वायुसेना ने किया ये कारनामा....भारत और अमेरिका चिंतित

बीजिंग (एजेंसी)। अमेरिका को चुनौती देने की राष्ट्रपति शी जिनपिंग की योजना को साकार करने के लिए चीन की पीपल्स लिबलेरशन आर्मी (पीएलए) अपनी ताकत बढ़ाने जुटी है। इसके तहत पीएलए की एयर फोर्स ने पहली बार अपने परमाणु सक्षम शीआन एच-6के बमवर्षक विमानों को चार आधुनिक वॉयजे-21 हाइपरसोनिक मिसाइल से लैस करने का दावा किया है। मिसाइलों को दक्षिणी थिएटर कमांड की वायु सेना से जुड़ी एक रेजीमेंट से जुड़े एच-6के बॉम्बर पर तैनात देखा गया था। चीन के परमाणु बॉम्बर के हाइपरसोनिक मिसाइल से लैस होने के बाद अमेरिका और भारत दोनों की चिंता बढ़ने वाली है।

चीनी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पीएलए के दक्षिणी थिएटर कमांड के अकाउंट से बताया गया है कि बॉम्बर ने कथित तौर पर देर रात के अभ्यास में हिस्सा लिया था। एच-6के बमवर्षक विमान इसके पहले सबसोनिक और सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों को ले जाने की क्षमता का प्रदर्शन कर चुका है। अब पहली बार बमवर्षक पर हवा से मार करने वाली हाइपरसोनिक मिसाइल तैनात की गई है।

हाइपरसोनिक मिसाइल की फ्लाइंग स्पीड मैक 6 है और यह मैक 10 की टर्मिनल स्पीड पर पहुंचती है। यह 1500 किलोमीटर की दूरी तक मार कर सकती है, जो इसकी लंबी दूरी की क्षमता को प्रदर्शित करती है। चीनी रक्षा एक्सपर्ट ने बताया कि चूंकि यह मिसाइल बॉम्बर एच-6के पर तैनात दूसरे हथियारों की तुलना में बड़ी और भारी है। इसके बाद यह अनुमान लगाया जा रहा था कि यह केवल दो मिसाइलों को ही ले जा पाएगा, लेकिन नई फोटो ने आशंकाओं को खारिज कर दिया है। एक्सपर्ट ने बताया कि एच-6के की नई तस्वीरों से पता चलता है कि बॉम्बर में पेलोड ले जाने की पर्याप्त क्षमता है और इसके पंखों में चार वाईजे-21 मिसाइलों को ले जाने की पर्याप्त क्षमता है।

रील बनाने का शौक बना... अन्वी की मौत का कारण

रायगढ़। अपनी ट्रैवल से जुड़ी रील बनाकर मशहूर हुई अन्वी कामदार की मौत हो गई है। अन्वी मुंबई के करीब रायगढ़ में कुंभे झरने में शूटिंग के लिए गई थी। तभी दुर्घटना में उसकी मौत हो गई। अधिकारियों की ओर से बताया गया कि, एक रील शूट करते समय अन्वी का पैर अचानक फिसल और 300 फीट गहरी खाई में गिर गई। यह हादसा रायगढ़ के पास कुंभे झरने पर हुआ। अन्वी 16 जुलाई को अपने सात दोस्तों के साथ ट्रैक पर निकली थी। सुबह करीब 10-30 बजे के आस-पास अन्वी वीडियो शूट करते समय एक गहरी खाई में गिर गई, जिसके बाद स्थानीय अधिकारियों ने तुरंत आपातकालीन स्थिति पर एक बचाव दल घटनास्थल पर भेजा। तटरक्षक बलों के साथ महाराष्ट्र राज्य विद्युत बोर्ड के कर्मचारियों से अतिरिक्त सहायता मांगी गई, लेकिन अन्वी को नहीं बचाया जा सका। अन्वी को ट्रैवलिंग का शौक था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि कुंभे झरने की सुंदरता को कैमरे में कैद करने में अन्वी हादसे का शिकार हुई, जिसमें उसकी मौत हो गई।

ऑस्ट्रेलिया में दो भारतीय छात्रों की मौत

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया में दो भारतीय छात्रों की झरने में डूबने से मौत हुई है। आंध्र प्रदेश के दो छात्र क्वींसलैंड केर्न्स के पास मिल्ला फॉल्स में तैरते समय डूब गए। बापटला जिले के चैतन्य मुप्पाराजू और आंध्र के प्रकाशम जिले के सूर्य तेजा बोब्बा जिसकी आयु 20 साल की थी ऑस्ट्रेलिया पढ़ाई के लिए गए थे। पानी में बहाव के चलते दोस्त को बचाने की कोशिश में दोनों की मौत हुई। दोनों भारतीय छात्र 16 जुलाई, 2024 को डूब गए। ऑस्ट्रेलियाई आपातकालीन सेवाओं को घटना की जानकारी मिली और आपातकालीन सेवा कर्मियों ने तुरंत कॉल का जवाब दिया। छात्रों की तलाश के प्रयास छात्रों को खोजने के लिए काफी प्रयास किए गए, लेकिन वे तुरंत नहीं मिले। पुलिस ने खुलासा किया कि घटनास्थल पर एक और छात्र मौजूद था। हालांकि, उसकी पहचान बताए बिना, उन्होंने उसे स्पष्ट रूप से सदमे में बताया। पुलिस के अनुसार, घटना तब हुई जब एक दोस्त पानी में संघर्ष करता हुआ दिखाई दिया। दूसरे ने मदद करने का प्रयास किया, लेकिन दोनों डूब गए। क्वींसलैंड पुलिस ने पुष्टि की कि तीन लोग वॉटरहोल पर तैर रहे थे। दोनों छात्रों के शवों को भारत वापस लाने के खर्च को कवर करने के लिए एक ऑनलाइन धन संचयक, की स्थापना की गई थी।

उत्तराखंड में अनियंत्रित होकर खाई में गिरी कार, दो की मौत, चार की हालत गंभीर

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड में रुद्रप्रयाग के चोपता-डूंगरी मार्ग पर कोटेश्वर के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। बताया जा रहा है कि एक कार अचानक अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी, कार में छह लोग सवार थे जिसमें से दो की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि चार अन्य घायल हैं। एसडीआरएफ टीम ने सभी घायलों का रेस्क्यू कर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां चारों उनका इलाज चल रहा है। साथ ही मृतकों के शव भी एसडीआरएफ ने खाई से बाहर निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं। बताया जा रहा है इस हादसे में मरने वाले और घायल सभी एक ही परिवार के हैं जिसमें चार महिलाएं और दो पुरुष थे। सभी मृतकों और घायलों की पहचान रुद्रप्रयाग के डूंगरी गांव के निवासी के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि गुरुवार को उन्हें आपदा कंट्रोल रूम से सूचना मिली कि कोटेश्वर के पास चोपता-डूंगरी मार्ग पर एक कार 150 मीटर गहरी खाई में गिर गई है। इसके बाद तुरंत पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू कार्य शुरू किया। एसडीआरएफ की टीम ने बड़ी मुश्किल से रस्सी के सहारे खाई में उतर कर स्ट्रेचर की मदद से हादसे में घायल चार लोगों को बाहर निकाला। जब एसडीआरएफ की टीम खाई में उतरी थी तब तक दो महिलाओं की मौत हो चुकी थी। जिसके बाद टीम ने मृतक महिलाओं के शव बाहर निकाले और पुलिस सौंप दिए। इस हादसे में देवेश्वरी देवी (45), पूजा (27) पुरुष जीतपाल (50), बुद्धिलाल (70) गंभीर रूप से घायल हैं। कल्पेश्वरी (58) और आरती (24) की मौके पर ही मौत हो गई।

शंकराचार्य ने केदारनाथ मंदिर से 228 किलो सोना गायब होने का लगाया आरोप

- हालांकि बद्री-केदार मंदिर समिति की ओर से आरोपों को निराधार बताया

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम के जगद्गुरु शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने आरोप लगाया है कि केदारनाथ मंदिर से 228 किलो सोना गायब किया गया है और इसकी जांच होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अब केदारनाथ धाम के नाम पर दिल्ली में मंदिर बनाया जाना सरासर गलत है। केदारनाथ मंदिर को वर्ष 2022 में स्वर्णमंडित किया गया था। उस दौरान भी तीर्थ पुरोहित समाज ने आरोप लगाया था कि मंदिर के गर्भगृह में सोने की जगह तांबा लगाया गया है। लेकिन तब यह मामला ठंडे बस्ते में चला गया था। हालांकि बद्री-केदार मंदिर समिति की ओर से इस मामले में कई बार बयान जारी किया गया और आरोपों को निराधार बताया गया। केदारसभा के पूर्व अध्यक्ष किशन बगवाड़ी ने भी शंकराचार्य की बातों की समर्थन किया है। उन्होंने कहा ?कि इसकी जांच होनी चाहिए। वहीं शंकराचार्य के बयान के बाद बद्री-केदार मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेन्द्र अजय ने कहा ?कि मैं इस बहस में नहीं पड़ना चाहता हूं कि वह शंकराचार्य हैं कि नहीं, लेकिन वह संत होने के नाते सही बयानबाजी करें। इतनी प्रेस वार्ता कोई राजनेता भी नहीं करता है, जितनी वह कर रहे हैं, और प्रेस वार्ता से कुछ न कुछ विवाद खड़ा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनके पास यदि कोई साक्ष्य है, तो वह सबके सामने पेश करें। मंदिर के गर्भगृह को स्वर्णमंडित कराने में प्रदेश सरकार और मंदिर समिति का कोई योगदान नहीं हैं। जिस दानदाता ने मंदिर को स्वर्ण मंडित किया है, उन्होंने अपने ज्वैलर्स के माध्यम से केदारनाथ मंदिर में सोना पहुंचाया। जो सोना केदारनाथ धाम के गर्भगृह में लगा है, वह चांदी की लेयर में लगा है और इसमें 23 किलोग्राम सोना है। इस पूरे मामले पर कांग्रेस जिला प्रवक्ता नरेंद्र बिष्ट ने भी अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि पिछले एक साल से कांग्रेस इस सोने के मुद्दे को उठा रही है, लेकिन प्रदेश की भाजपा सरकार इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं कर रही है।

उमर अब्दुल्ला ने कहा, सरकार को आतंकी हमलों में जिम्मेदारी लेनी होगी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने डोडा जिले में सोमवार शाम सुरक्षाबलों पर आतंकवादी हमले को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। सरकार यह नहीं बताती है कि आतंकवाद को खत्म करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं। ऐसे हमलों के बाद किसी न किसी की जिम्मेदारी जरूर बनती है। सरकार को अपनी जिम्मेदारी स्वीकारनी होगी। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के डीजी के बारे में कहा कि उन्होंने सियासत में कदम रख दिए हैं। बेहतर यह होता कि सियासत का काम नेताओं को करने देते। उनका काम यहां के हालातों को बेहतर बनाना, आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई करना है। डीजी का काम आतंकवादियों के खिलाफ लड़ना है, इसलिए उनको अपना काम करना चाहिए और हमको अपना काम करने दें। उमर अब्दुल्ला ने मुहर्रम के जुलूस में लोगों की गिरफ्तारी पर कहा कि पुलिस को इस तरह की कार्रवाई नहीं करनी चाहिए। किसी और धर्म के लोगों को निशाना नहीं बनाया जाता है, केवल मुस्लिमों को निशाना बनाना इतना आसान क्यों लगता है? उमर अब्दुल्ला ने कहा कि प्रधानमंत्री और गृहमंत्री ने कहा है कि जम्मू कश्मीर में जल्द से जल्द चुनाव होंगे जल्द से जल्द जम्मू कश्मीर को रियासत का दर्जा दिया जाएगा। जम्मू-कश्मीर को चुनाव से पहले ही राज्य का दर्जा देकर लोगों के हाथों में हुकुमत दे दी जाए। यहां केंद्र शासित प्रदेश लागू करने का फैसला पूरी तरह विफल हो गया है। इसलिए हम चाहेंगे यहां जल्द से जल्द चुनाव कराएं और राज्य का दर्जा वापस दिलाएं। बता दें कि डोडा हमले में एक अधिकारी सहित सेना के चार जवान और एक स्थानीय पुलिसकर्मी शहीद हो गया था। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि पिछले एक साल से जम्मू में आतंकी गतिविधियां बढ़ी हैं। शायद ही जम्मू का कोई ऐसा इलाका है, जो आतंकी गतिविधियों से बचा है। पीर पंजाल में लगातार आतंकी हमले हो रहे हैं। रियासी, सांबा, कठुआ में भी हमले हो रहे हैं। अगर हमारी सूचना सही है तो पिछले एक साल में हमारे सुरक्षा बलों के 55 लोग मारे गए हैं।

लाडला भाई योजना पर राजनीति शुरू, उद्धव गुट ने बताया चुनावी स्टंटबाज़ी, संजय राऊत ने पूछा- पैसा कहां है?

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने लड़कियों के लिए 'माझी लड़की बहिन योजना' की घोषणा के बाद राज्य में लड़कों के लिए 'लाडला भाई योजना' की घोषणा की। आषाढ़ी एकादशी के अवसर पर महाराष्ट्र के पंढरपुर में बोलते हुए, शिंदे ने कथित तौर पर कहा कि राज्य सरकार लड़कों और लड़कियों के बीच अंतर नहीं करती है और 'लाडला भाई योजना' योजना बेरोजगारी के मुद्दे को हल करेगी। सीएम शिंदे ने कहा कि इस योजना का लक्ष्य कुशल कार्यबल तैयार करना है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इतिहास में यह पहली बार है कि किसी सरकार ने ऐसी योजना पेश की है।

हालांकि, इसके ऐलान होते ही राज्य में सियासी बयार चल पड़ी। विपक्ष ने सरकार पर तंज कसने शुरू कर दिए हैं। उद्धव गुट के सांसद संजय राऊत ने इसे चुनावी स्टंटबाज़ी बता दिया। उन्होंने कहा कि लाडला भाई, लाडले पिताजी, लाडली माताजी, ये सभी ऑफर आगामी विधानसभा चुनाव के लिए हैं। सरकारी खजाने में पैसा नहीं है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र सरकार पर 8 लाख करोड़ रुपये का कर्ज है। लोकसभा चुनाव हारने के बाद शिंदे, फड़णवीस और पवार के गुट को लाडली बहन और लाडला भाई की याद आ रही है। लाडली बहन को इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है क्योंकि उन्हें घर चलाना है...उन्हें प्रति माह 10,000 रुपये दिए जाने चाहिए।

इस योजना के तहत युवाओं को उनकी शैक्षणिक योग्यता के आधार पर विभिन्न वित्तीय लाभ प्रदान किए जाएंगे। 12वीं कक्षा पास करने वाले युवाओं को 6,000 रुपये प्रति माह, डिप्लोमा करने वालों को 8,000 रुपये प्रति माह और स्नातक युवाओं को 10,000 रुपये प्रति माह सरकार की ओर से मिलेंगे। लाडला भाई योजना के तहत, युवाओं को एक कारखाने में एक साल की प्रशिक्षुता से गुजरना होगा, जिससे उन्हें मूल्यवान कार्य अनुभव प्राप्त होगा जो उन्हें उस अनुभव के आधार पर नौकरी सुरक्षित करने में मदद करेगा। सीएम शिंदे ने कहा कि इस पहल का लक्ष्य कुशल कार्यबल तैयार करना है।

शिंदे ने कहा, ÷यह योजना न केवल राज्य के उद्योगों को बल्कि देश भर के उद्योगों को कुशल युवा प्रदान करेगी। सरकार युवाओं को उनकी नौकरियों में कुशल बनने में मदद करने के लिए उनकी प्रशिक्षुता के दौरान भुगतान करेगी।÷ सीएम एकनाथ शिंदे ने घोषणा की है कि इस योजना के तहत, सरकार महाराष्ट्र के युवाओं को कारखानों में प्रशिक्षुता के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करेगी जहां उन्हें व्यावहारिक कार्य अनुभव प्राप्त होगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह पहल एक ऐतिहासिक पहल है, जिसका उद्देश्य बेरोजगारी को संबोधित करना है। इस योजना के माध्यम से, युवाओं को सरकार द्वारा प्रदान किए गए वजीफे के साथ कारखानों में प्रशिक्षुता प्राप्त होगी, जो बेरोजगारी से निपटने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बसपा की कार्यकारिणी की बैठक में महिला ने मारा सांसद को थप्पड़, लोग हैरान

मुंबई। महाराष्ट्र कार्यकारिणी की बैठक में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सांसद को थप्पड़ मारने का मामला सामने आया। महिला कार्यकर्ता ने बसपा सांसद रामजी गौतम को बैठक के बीच में थप्पड़ जड़ दिया। यह घटना बुधवार को दादर में हुई। बसपा के राज्यसभा सांसद रामजी गौतम को महाराष्ट्र कार्यकारिणी की बैठक में एक महिला कार्यकता ने मंच पर थप्पड़ मार दिया। महिला का नाम नीमा मोहारकर है, जो भंडारा की रहने वाली है. उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है साथ ही उसे पार्टी से भी निकाल दिया गया है। बताया जा रहा है कि वह हाल ही में हुए संसदीय चुनाव में उसे भंडारा-गोंडिया से टिकट नहीं दिया गया था, जिस कारण वह नाराज थी। हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में टिकट बंटवारे की वजह से कार्यकर्ता उनसे काफी नाराज हैं। इस दौरान महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष सुनील डोंगरे को भी हटाने के नारे लगाए गए। इस घटना का वीडियो वायरल हो गया है जिसमें देखा जा सकता है कि बैठक के दौरान मंच पर सांसद समेत गणमान्य लोगों से एक-एक कर कार्यकर्ता मिल रहे हैं। इस बीच यह महिला कार्यकर्ता भी मंच पर पहुंची और सांसद को थप्पड़ जड़ दिया। इस घटना से सभी हैरान हो गए। अभी इस मामले पर आधिकारिक तौर पर किसी की प्रतिक्रिया नहीं आई है। रामजी गौतम यूपी के लखीमपुर (खीरी) के रहने वाले हैं। 1980 के दशक के आसपास वह बसपा में शामिल हुए थे। पार्टी ने उन्हें बांदा का कोऑर्डिनेटर बना दिया। बाद में कई जिलों की भी जिम्मेदारी सौंपी।

हाथरस भगदड़ पर सामने आया भोले बाबा का बयान

'होनी को कौन टाल सकता है, जो आया है उसे जाना ही है...',

नयी दिल्ली। (एजेंसी)। स्वयंभू धर्मगुरु सूरजपाल उर्फ नारायण साकार हरि उर्फ भोले बाबा का हाथरस कांड को लेकर बड़ा बयान सामने आया है। हाथरस में भोले बाबा का ही सत्संग था जहां भगदड़ के बाद 121 भक्तों की मौत हो गई थी। घटना पर अपनी चुप्पी तोड़ते हुए बाबा ने कहा कि वह 2 जुलाई की घटना के बाद से उदास हैं, उसे कौन रोक सकता है जो होना ही है। उन्होंने कहा कि 2 जुलाई की घटना के बाद से मैं दुखी और उदास हूं, लेकिन जो होना तय है उसे कौन रोक सकता है। जो आया है उसे एक न एक दिन जाना ही है।

भोले बाबा ने आगे कहा कि अधिवक्ता डॉ. एपी सिंह और प्रत्यक्षदर्शियों ने हमें जहरीले स्प्रे के बारे में जो बताया, उसके अनुसार यह सच है कि इसमें जरूर कोई साजिश है। उनके वकील ने बुधवार को बताया कि भोले बाबा कासगंज के बहादुर नगर गांव स्थित अपने आश्रम पहुंच गए हैं। भोले बाबा के वकील एपी सिंह ने कासगंज में संवाददाताओं से कहा, ÷वह अपने आश्रम पहुंच गए हैं और यहीं रहेंगे। वह अपने दूसरे आश्रम से यहां आए हैं। वह कभी किसी के घर, किसी होटल या किसी अन्य देश में नहीं थे।÷

उत्तर प्रदेश सरकार ने घटना की जांच के लिए एक एसआईटी और एक न्यायिक आयोग का गठन किया है। हालाँकि, सिकंदराराऊ पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर में बाबा को आरोपी के रूप में उल्लेखित नहीं किया गया था। एसआईटी ने 9 जुलाई को राज्य सरकार को सौंपी अपनी रिपोर्ट में भगदड़ के पीछे 'बड़ी साजिश' से इनकार नहीं किया है. रिपोर्ट में स्थानीय प्रशासन की ओर से हुई चूक का भी जिक्र किया गया है, जिसके कारण भगदड़ मची।

आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, रिपोर्ट में घटना के लिए आयोजकों को जिम्मेदार ठहराया गया है और दावा किया गया है कि उन्होंने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए इंतजाम नहीं किए और प्रशासन की जिम्मेदारी भी तय की है। भोले बाबा के वकील ने 6 जुलाई को दावा किया था कि 'कुछ अज्ञात लोगों' द्वारा 'कुछ जहरीला पदार्थ' छिड़कने से भगदड़ मच गई।

भाजपा की दो टूक, भाषा की मर्यादा की सीमा ना लांघे राहुल गांधी

-लोकसभा में विपक्ष के नेता बनने पर परिपक्वता दिखाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हुए जानलेवा हमले का ज़िक्र कर आरोप लगाया है कि भारत में कांग्रेस पार्टी के नेता लगातार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ हिंसा के लिए उकसाने वाली भाषा का प्रयोग कर देश में ऐसा ही माहौल बनाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने वर्ष 2007 में कांग्रेस पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी द्वारा गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए मौत का सौदागर जैसे शब्द इस्तेमाल करने का आरोप लगाकर इतना तक कहा कि देश में आपातकाल लगाकर लोकतंत्र की हत्या करने करने वाली कांग्रेस की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी तक के लिए भी भाजपा ने कभी मौत जैसे शब्द का प्रयोग नहीं किया था।

मीडिया को संबोधित कर पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता त्रिवेदी ने कहा कि मामला दलगत राजनीति से ऊपर उठकर काफी संवेदनशील है। देश के एक वरिष्ठ सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी ने एक प्रमुख अंग्रेजी समाचार पत्र में लेख लिखकर, वर्तमान समय में विश्व में सुरक्षा को लेकर हो रही गतिविधियों और भारत पर उसके पड़ने वाले प्रभाव की ओर ध्यान आकृष्ट किया है। भाजपा नेता त्रिवेदी ने कहा कि यह सभी को मालूम है कि एक-डेढ़ वर्ष पहले जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की एक राजनीतिक कार्यक्रम में हत्या कर दी गई थी। कुछ दिन पहले अमेरिका में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप की हत्या का प्रयास किया गया।

त्रिवेदी ने राहुल गांधी सहित कांग्रेस नेताओं को हिंसा और हत्या जैसे शब्दों का प्रयोग बंद करने की नसीहत देकर कहा कि दुनिया में इसके उदाहरण दिख रहे हैं, भारत में इसके परिणाम खतरनाक हो सकते हैं। अगर वे (राहुल गांधी) लोकसभा में विपक्ष के नेता बने हैं, उत्साह से उच्छृंखलता और उच्छृंखलता से उदंडता की ओर नहीं जाएं बल्कि परिपक्वता का प्रदर्शन करें। हार के उत्साह से बाहर आकर उन्हें समझदारी का परिचय देना चाहिए। ये मोहब्बत की दुकान में हिंसा और हत्या जैसे शब्द कहां से आ रहे हैं? उन्होंने कहा कि भाजपा ने कभी भी किसी भी राजनेता के लिए मौत की कामना नहीं की। पीएम मोदी के प्रति उनके (कांग्रेस नेताओ) मन में नफरत की भावना है, लेकिन इसके कारण उन्हें लोगों को उकसाना नहीं चाहिए। राजनीति अपनी जगह है लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा और नेताओं की जान पर खतरे पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। राहुल गांधी जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, वह बंद होनी चाहिए।

65 करोड़ रुपये का नहीं किया भुगतान, कांग्रेस शासित राज्य में 11 इंदिरा कैंटीनों ने भोजन परोसना किया बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। शहर के नागरिक निकाय द्वारा ठेकेदारों को बिलों का भुगतान न करने के कारण बेंगलुरु में कम से कम 11 इंदिरा कैंटीनों ने भोजन परोसना बंद कर दिया है। बुधवार रात से कैंटीनों ने खाना परोसना बंद कर दिया है। कैंटीनों में भोजन की आपूर्ति के लिए एक साल के लिए अनुबंधित कंपनी शेफ टॉक ने दावा किया कि ब्रुहत बेंगलुरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) बिलों में लगभग 65 करोड़ रुपये का भुगतान करने में विफल रही है। शेफ टॉक ने कहा कि बिलों का निपटान करने के कई अनुरोधों के बावजूद, बीबीएमपी ने भुगतान नहीं किया है, जिसके कारण भोजन सेवाएं रोक दी गई हैं। बीबीएमपी आयुक्त तुषार गिरिनाथ ने दावों को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया कि नागरिक निकाय के मार्शल द्वारा चिह्नित उपस्थिति ठेकेदार के दावों से मेल नहीं खाती।

गिरिनाथ ने कहा कि हमारे पास 198 वार्ड हैं और 184 कार्य कर रहे हैं। सात स्थानों पर, उन्होंने कभी संचालन नहीं किया। शेष स्थानों पर मोबाइल कैंटीन काम कर रही हैं, हालांकि तीन या चार काम नहीं कर रही हैं। एक ठेकेदार 65 करोड़ रुपये के लंबित भुगतान का दावा करते हुए अदालत चला गया है, जिसे हम स्वीकार नहीं कर रहे हैं क्योंकि हमारे मार्शल द्वारा दर्ज की गई उपस्थिति उनके दावों से मेल नहीं खाती है। प्रभावित कैंटीन बसवनगुड़ी, पद्मनाभनगर, भैरसंद्रा, वीवी पुरम, सिद्दापुरा, होमबेगौड़ा नगर, जयानगर, विद्यापीठ, ईजीपुरा और अदुगोडी वार्ड में हैं।

सात साल पहले स्वतंत्रता दिवस पर सिद्धारमैया सरकार द्वारा शुरू की गई इंदिरा कैंटीन का उद्देश्य गरीबों को किफायती भोजन उपलब्ध कराना है। मार्च में सिद्धारमैया ने बेंगलुरु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के परिसर में एक इंदिरा कैंटीन का उद्घाटन करते हुए कहा था कि सरकार राज्य भर में 188 नई कैंटीन स्थापित करने की प्रक्रिया में है।

यूपी बीजेपी में अंदरूनी कलह पर अखिलेश बोले-100 विधायक लाओ, सरकार बनाओ

लखनऊ (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद यूपी बीजेपी में अंदरूनी कलह देखने को मिल रही है, जिसको लेकर लखनऊ से दिल्ली तक बैठकों का दौर जारी है। बीजेपी में मची इस कलह के बीच समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने मानसून ऑफर दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा- 100 लाओ, सरकार बनाओ।

ऐसा नहीं है कि अखिलेश यादव ने केशव प्रसाद मौर्य को पहली बार ऑफर दिया है। केशव मौर्य जब-जब बीजेपी से या नेताओं से नाराज होते हैं तब-तब अखिलेश ने उन्हें ऑफर देते है। अखिलेश ने कहा था कि वे आज भी 100 विधायक ले आएं तो सपा उन्हें सरकार बनाने में समर्थन करेगी। जब बीजेपी में अंदरूनी विवाद की खबर आई तो अखिलेश ने कहा था कि बीजेपी की कुर्सी की लड़ाई की गर्मी में उत्तरप्रदेश में शासन-प्रशासन ठंडे बस्ते में चला गया है। उन्होंने कहा था कि तोड़फोड़ की राजनीति का जो काम बीजेपी दूसरे दलों में करती थी, अब वही काम वह अपने दल के अंदर कर रही है। इसीलिए बीजेपी अंदरूनी कलह के दलदल में धंसती जा रही है। जनता के बारे में सोचने वाला बीजेपी में कोई नहीं है।

अखिलेश यादव के इस बयान पर डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने कहा था कि देश और प्रदेश दोनों जगहों पर बीजेपी मजबूत संगठन और सरकार है। सपा का पीडीए धोखा है। उन्होंने दावा किया था कि यूपी में सपा के गुंडाराज की वापसी असंभव है और बीजेपी विधानसभा चुनाव में 2017 दोहराएगी।

बता दें हाल ही में बीजेपी की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक हुई थी जिसमें बीजेपी नेताओं की कलह सामने आई। यहां डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने कहा था कि संगठन सरकार से बड़ा है। कार्यकर्ताओं का दर्द मेरा दर्द है। वहीं सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि अति आत्मविश्वास ने लोकसभा चुनावों में बीजेपी को नुकसान पहुंचाया। उन्होंने कहा था कि 2014 और उसके बाद के चुनावों में बीजेपी के पक्ष में जितने फीसदी वोट थे, बीजेपी 2024 में भी उतने ही वोट हासिल करने में सफल रही है, लेकिन वोटों की शिफ्टिंग और अति आत्मविश्वास ने हमारी उम्मीदों को नुकसान पहुंचाया है।

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने डिप्टी सीएम केशव मौर्य को दिल्ली बुलाया था। सूत्रों की मानें तो उनसे कहा गया है कि यूपी में सरकार और संगठन साथ-साथ काम करे, इस पर काम करना चाहिए और ऐसी कोई बयानबाजी नहीं हो, जिससे जनता में मैसेज जाए कि हमारे अंदर अंदरूनी कलह है उनके साथ यूपी बीजेपी अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी को भी दिल्ली तलब किया गया था। चौधरी ने यूपी में हार की समीक्षा पार्टी नेतृत्व को सौंप दी है। 15 पेजों की रिपोर्ट में उन्होंने यूपी में पार्टी की हार के कारण बताए हैं। बीजेपी का फोकस अब यूपी में होने वाले 10 सीटों के उपचुनाव पर है। पार्टी इसके लिए तैयारियों में जुटी है। इसके लिए सीएम योगी ने उन कैबिनेट मंत्रियों की बैठक बुलाई थी, जिन्हें इन विधानसभा क्षेत्रों की जिम्मेदारी दी गई है। इसमें उपचुनाव को लेकर तैयारियों की चर्चा की गई थी।

'विकास को कोई अंत नहीं, बहुत कुछ हुआ है, बहुत बाकी है', मोहन भागवत का बड़ा बयान

मुंबई (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने गुरुवार को कहा, ÷मनुष्यों के बाद, कुछ लोग सुपरमैन बनना चाहते हैं, फिर वे 'देवता', फिर 'भगवान' और फिर 'विश्वरूप' बनना चाहते हैं।' भागवत ने झारखंड के गुमला में एक गैर-लाभकारी संगठन विकास भारती द्वारा आयोजित ग्राम-स्तरीय कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि क्या प्रगति का कभी कोई अंत होता है?... जब हम अपने लक्ष्य तक पहुंचते हैं, तो हम देखते हैं कि अभी भी बहुत कुछ करना बाकी है।

मोहन भागवत ने आगे कहा कि एक आदमी सुपरमैन बनना चाहता है, फिर देव और फिर भगवान। आंतरिक और बाह्य दोनों प्रकार के विकासों का कोई अंत नहीं है। यह एक सतत प्रक्रिया है और इसीलिए हमें हमेशा थोड़ा 'असमाधान' (बिना समाधान) पर रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि बहुत कुछ किया गया है, लेकिन अभी भी बहुत कुछ बाकी है। एक कार्यकर्ता को यह सोचना चाहिए कि उसने बहुत कुछ किया है, लेकिन अभी भी बहुत कुछ बाकी है क्योंकि और अधिक करने की गुंजाइश हमेशा रहती है... समाधान तभी निकलेगा जब लगातार विकास होता रहेगा।

उन्होंने कहा, 'देश के भविष्य को लेकर कोई संदेह नहीं है, अच्छी चीजें होनी चाहिए, इसके लिए सभी काम कर रहे हैं, हम भी प्रयास कर रहे हैं...' आरएसएस प्रमुख ने कहा कि भारत के लोगों का अपना स्वभाव है और कई लोग बिना किसी नाम या प्रसिद्धि की इच्छा के देश के कल्याण के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी पूजा की शैलियां अलग-अलग हैं क्योंकि हमारे यहां 33 करोड़ देवी-देवता हैं और यहां 3,800 से अधिक भाषाएं बोली जाती हैं और यहां तक कि खान-पान की आदतें भी अलग-अलग हैं। भिन्नता के बावजूद हमारा मन एक है और दूसरे देशों में नहीं पाया जा सकता।

भागवत ने कहा कि इन दिनों तथाकथित प्रगतिशील लोग उस समाज को वापस लौटाने में विश्वास करते हैं जो भारतीय संस्कृति में निहित है। उन्होंने कहा, ÷यह शास्त्रों में कहीं नहीं लिखा है लेकिन पीढ़ी दर पीढ़ी यह हमारे स्वभाव में है।÷ उन्होंने ग्राम कार्यकर्ताओं से समाज के कल्याण के लिए अथक प्रयास करने का भी आग्रह किया।